



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्रकाशकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ५०]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर १४, १९७४ (अग्रहायण २३, १८९६)

No. ५०] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER १४, १९७४ (AGRAHAYANA २३, १८९६)

इस भाग में मिस्त्र पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड १

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखाधीक, हथ लेक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसद और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

#### Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

##### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-११००११, दिनांक ३१ अक्टूबर १९७४

सं० ए० ३२०१३/१/७४-प्रशा०।—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० आर० शिमरे ने, जिन्हे इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० ३२०१३/१/७४-प्रशा०। दिनांक १६-९-१९७४ द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था ४ अक्टूबर, १९७४ के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

२. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री आर० आर० शिमरे ने ४ अक्टूबर, १९७४ के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० ३२०१३/१/७४-प्रशा०।—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० आर० वर्मा ने, जिन्हे इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० ३२०१३/१/७४-प्रशा०। दिनांक २६-८-१९७४ द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, १८ सितम्बर, १९७४ के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

17-366 GL/74

२. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री डी० आर० वर्मा ने १६ सितम्बर, १९७४ के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० ३२०१३/१/७४-प्रशा०।—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० पी० सतकर्तारिया ने, जिन्हे इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० ३२०१३/१/७४-प्रशा०। दिनांक २६ अगस्त, १९७४ द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में उक्त सेवा के ग्रेड I में तथा अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, १९ सितम्बर १९७४ के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

३. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री आर० पी० सतकर्तारिया ने १९ सितम्बर, १९७४ के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० ३२०१३/१/७४-प्रशा०।—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री सी० आर० आनन्द ने, जिन्हे इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० ३२०१३/१/७४-प्रशा०। दिनांक २६-९-७४ द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में तथा अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, ३० सितम्बर, १९७४ के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

(6955)

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री सी० आर० आनन्द ने 30 सितम्बर, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 4 नवम्बर 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा मंवर्ग के अनुभाग अधिकारी रेड के स्थायी अधिकारी श्री वी० एन० एड्डी ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I दिनांक 13-8-74 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में रथःनापम् रूप से वार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 2-10-1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री वी० एन० एड्डी ने 1-10-74 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एम० आर० भागवत,  
अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

#### मंत्रिमंडल सचिवालय

कार्मिक सथा प्रशासन के सुधार विभाग  
प्रवर्तन निवेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 अक्टूबर 1974  
(नियुक्ति)

सं० ए० 11/55/74—श्री श्री० एन० रेना, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शृंखला को इसके द्वारा प्रवर्तन निवेशालय के श्रीनगर स्थित उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 10-10-74 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

एस० वी० जैन,  
विशेष निवेशक

मसूरी, दिनांक 11 नवम्बर 1974

सं० 81-ई० एस० वी०—श्री जे० पी० गुप्ता, अस्थाई पुस्तकालय, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अवादमी, मसूरी, को पुस्तकालय के पद पर दिनांक 28-12-1973 से स्थाई किया जाता है।

रमेश अन्न द्विपाठी,  
उपनिवेशक

#### केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1974

सं० 2/4/74-प्रशासन—श्री आर० रामाचन्द्रन्, सहायक, जिनको 23-9-1974 में केन्द्रीय सतर्कता आयोग की अधिसूचना संख्या 2/4/74-प्रशासन, दिनांक 27 सितम्बर,

1974 के अनुमार स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया गया था, को 8 नवम्बर, 1974 के अपराह्न से सहाय के पद पर प्रत्यावर्तन कर दिया गया।

बी० वी० दिघे,  
अवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयोग

#### गृह मंत्रालय

महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुस्तक दल

नई दिल्ली, 110001, दिनांक 7 नवम्बर 1974

सं० ए० II-969/74-स्थापना—महानिवेशक केन्द्रीय रिजर्व पुस्तक दल डाक्टर देवा हनुमन्तया को सदर्थ स्पष्ट में केन्द्रीय रिजर्व पुस्तक दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की सारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर देवा हनुमन्तया को 13 बटालियन सी० आर० पी० दल में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 27 मितम्बर, 1974 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 21 नवम्बर 1974

सं० एफ० 2/42/74-स्था०—श्री आर० शोहरी ने उनके मंत्रिमंडल सचिवालय में सहायक निवेशक घुने जाने के कलस्वरूप कमांडेन्ट, प्रूप सेन्टर, के० रि० पु० दल, नई दिल्ली के पद का कार्यभार दिनांक 1-11-74 (पूर्वाह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 22 नवम्बर 1974

सं० एफ० 3/13/74-स्था०—श्री पी० एस० अहलुवालि ने, उनके त्यागपत्र के स्वीकृत होने के पास्वरूप, महायक कमांडेन्ट ग्रुप सेन्टर के० रि० पु० दल, झडोदा कालां, नई दिल्ली के पद का कार्यभार दिनांक 9-9-74 (पूर्वाह्न) को त्याग दिया।

एस० एन० माणुर,  
सहायक निवेशक (प्रशासन)

#### महानिरीक्षक, का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 16 नवम्बर 1974

सं० ई०-16016/7/73-प्रशा०-I—केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में अनुभाग अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त की दो वर्ष की अवधि समाप्त कर लेने पर, श्री आर० एस० साहनी, ने दिनांक 28 अक्टूबर 74 के पूर्वाह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्हें उसी दिनांक से अपने मूल कार्यालय अर्थात् गृह मंत्रालय में प्रत्यावर्तित किया जाता है।

एल० एस० बिष्ठ,  
महानिरीक्षक

#### महालेखाकार कार्यालय, उर्द्धसा

मुख्यमंत्री, दिनांक 20 जुलाई 1974

सं० श्री० श्री० सी०-324—महालेखाकार उडीसा ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को अगले आदेश तक इस

कार्यालय के लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के समक्ष उल्लिखित तिथि से प्रोफार्मा पदोन्नति की है। उनके बेतनमान इस प्रकार है—रुपये 840-40-1000-ई० बी० (दक्षता रोध) 40-1200 रुपये।

1. श्री निताय मिश्र 11-7-74 (पूर्वाह्न) इस समय पट्टीनाहजूर निगम भारत, तालचर प्रमाणित में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति में है।
2. श्री पद्मनाभ मिश्र II 15-7-74 (पूर्वाह्न) आजकल पारंगीप बन्दरगाह, न्यास, पारंगीप में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति में है।

दिनांक 19 अगस्त 1974

सं० औ० औ० सी० 426—महालेखाकार उड़ीसा ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को अगले आदेश तक इस कार्यालय के लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के समक्ष उल्लिखित तिथि से प्रोफार्मा पदोन्नति की है। उनके बेतनमान इस प्रकार है—रुपये 840-40-1000-ई० बी० (दक्षता रोध) 40-1200 रुपये

- |                            |                   |
|----------------------------|-------------------|
| 1. श्री के० सी० खुटिया     | 22-7-74 पूर्वाह्न |
| 2. श्री पी० भी० एन० मूर्ती | 14-8-74 पूर्वाह्न |
| 3. श्री आर० धरमाराजन       | 22-7-74 पूर्वाह्न |

महालेखाकार उड़ीसा ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को अगले आदेश तक इस कार्यालय के लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के समक्ष उल्लिखित तिथि से प्रोफार्मा पदोन्नति की है। उनके बेतनमान इस प्रकार है—रुपये 840-40-1000-ई० बी० (दक्षता रोध) 40-1200 रुपये।

- |                                 |                   |
|---------------------------------|-------------------|
| 1. श्री के० एस० किसन            | 13-9-74 अपराह्न   |
| 2. श्री आर० राममूर्ती दो        | 13-9-74 अपराह्न   |
| 3. श्री सामसुन्दर रथ            | 8-10-74 पूर्वाह्न |
| 4. श्री आबनीभूषण मिसरा          | 7-10-74 पूर्वाह्न |
| 5. श्री एम० सुबा राय            | 5-10-74 अपराह्न   |
| 6. श्री दुसीकेस चटर्जी          | 5-10-74 अपराह्न   |
| 7. श्री श्री उमेश चन्द्र पटनायक | 7-10-74 पूर्वाह्न |

बी० एस० भरद्वाज,  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार  
(प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र

बम्बई दिनांक 2 नवंबर 1974

सं० एडमिन-I/आईएडी/31-वाल्य०II/16—महालेखाकार, महाराष्ट्र अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री जे० एल० डिसेप्टा को दिनांक 9-10-74 अपराह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एडमिन-I/आईएडी/31-वाल्य०II/17—महालेखाकार, महाराष्ट्र अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री बि० आर० कुलकर्णी

को दिनांक 9-10-74 अपराह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एडमिन-I/आईएडी/31-वाल्य०II/18—महालेखाकार महाराष्ट्र, अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री विंगम० छांडकर को दिनांक 10-10-74 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एडमिन-I/आईएडी/31-वाल्य०II/19—महालेखाकार, महाराष्ट्र, अधीन लेखा सेवा के भदस्य श्री डी० आर० हिरेकेरूर को दिनांक 10-10-74 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एडमिन-I/आईएडी/31-वाल्य०II/20—महालेखाकार, महाराष्ट्र, अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री के० कुण्ठाअर्घ्यर को दिनांक 10-10-74 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एडमिन-I/आईएडी/31-वाल्य०II/21—महालेखाकार, महाराष्ट्र, अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री एच० एन० खियानी को दिनांक 11-10-74 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एडमिन-I/आईएडी/31-वाल्य०II/22—महालेखाकार, महाराष्ट्र, अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री डी० एस० ठाकुर को दिनांक 14-10-74 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एडमिन-I/आईएडी/31-वाल्य०II/23—महालेखाकार, महाराष्ट्र, अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री ए० विंग० वालकिंगन को दिनांक 10-10-74 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग

सिकन्दराबाद, दिनांक 1 नवम्बर 1974

मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण मध्य रेलवे सिकन्दराबाद ने, श्री बी० जी० सत्यमूर्ति को, जो प्रधीनस्थ रेल लेखा परीक्षा सेवा के स्थायी सदस्य हैं, 12 सितम्बर, 1974 (पूर्वाह्न) से भगला आदेश मिलने तक, स्थानापन्न लेखा-परीक्षा अधिकारी दक्षिण मध्य रेलवे के पद पर नियुक्त किया है।

एम० अडैक्समामी,  
उप, मुख्य लेखा परीक्षक  
मुख्य लेखा परीक्षक,  
दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद, का कार्यालय

## रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 19 नवम्बर 1974

सं० 18177/प्रशा० II—14 जनवरी 1975 (अपराह्न)  
को वार्धक्य नियंत्रण की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री पारे लाल गुप्ता,  
भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी को 31 जनवरी, 1975  
(अपराह्न) को पेशन स्थानापन्न को अन्तरित किया जायगा और  
उनका साम विभाग की नफरी से निकल दिया जायगा।

एस० के० सुनदरम्  
रक्षा लेखा प्रपर महा नियंत्रक।

महानियंत्रालय, आईनेस फैक्टरियाँ

भारतीय आईनेस फैक्टरियाँ सेवा

कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1974

सं० 47/74/जी० —वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष)  
प्राप्त कर, श्री जे० एन० घोष, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (स्थायी  
कौरमैन), दिनांक 30 अप्रैल, 1974 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त  
हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय,  
सहायक महानियंत्रक, आईनेस फैक्टरियाँ।

अम मंत्रालय शिमला

शिमला-4 दिनांक

नवम्बर 23/3/74 सी० पी० आई०—अक्टूबर 1974 में  
औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक  
(आधार वर्ष 1960-100) सितम्बर स्तर से एक अक्ष बढ़ कर  
335 (तीन सौ पैंतीस) रहा। अक्टूबर 1974 माह का सूचकांक  
1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 407 (चार  
सौ सात) आता है।

(एस० सोमासुन्दरम् अध्यर)

उपनियंत्रक अम ब्यूरो

## फिल्म प्रभाग

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

बम्बई-26, दिनांक 18 नवम्बर 1974

सं० ए० 12025/(II)/4/74-सीबची-I —सेवा निवृत्ति  
की आयु होने पर, श्री एम० के० बिंगे, स्थानापन्न केमरामैन  
(कार्टून फिल्म युनिट), फिल्म प्रभाग, बम्बई, दिनांक 31 अक्टूबर,  
1974 के अपराह्न से सेवा निवृत्ति हो गये।

2. फिल्म प्रभाग के निर्माता ने श्री आर० बी० म्हामे, स्थायी  
केमरामैन, फिल्म प्रभाग, बम्बई को, श्री एम० के० बिंगे के सेवा-  
निवृत्ति होने पर दिनांक 31 अक्टूबर, 1974 के अपराह्न से केमरा-  
मैन (कार्टून युनिट) के पद पर नियुक्त किया है।

एम० के० जैन,  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी,  
हुते प्रमुख निर्माता।

विज्ञापन और दृश्य प्रचार नियंत्रालय,

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 नवम्बर 1974

सं० ए० 19012/4/74-स्थाना-2 :—श्री जी० के० श्री  
नियासन को विज्ञापन और दृश्य प्रचार नियंत्रक इस नियंत्रालय के

क्षेत्रीय कार्यालय, बम्बई में 1 नवम्बर, 1974 (पूर्वाह्न) से भ्रगले  
प्रादेश तक स्थानापन्न क्षेत्रीय अधिकारी नियक्त करते हैं।

रोशन साल जैन।

उप नियंत्रक (प्रशासन),

हुते विज्ञापन और दृश्य प्रचार नियंत्रक

आकाशवाणी महानियंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1974

सं० 2/32/60/एस०-दो :—महानियंत्रक, आकाशवाणी,  
श्री आर० एन० कुण्ड, लेखापाल, बेतार जगत, आकाशवाणी,  
कलकत्ता को 28 अक्टूबर, 1974 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी,  
गौहाटी में श्री एस० के० दास गुप्ता के स्थान, जो कि 10 अक्टूबर,  
1974 से 76 दिन की अर्जित छुट्टी पर गए हैं, प्रशासन अधिकारी  
के रूप में नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय

हुते महानियंत्रक।

नई दिल्ली दिनांक 19 नियंत्रक 1974

सं० 2/6/73-एस० तीन —महानियंत्रक, आकाशवाणी,  
निम्नलिखित सहायक इंजीनियरों को, जो तदर्थ (एड हाक) आधार  
पर काम कर रहे थे, 17 फरवरी, 1974 से अग्रिमतर आदेशों तक,  
उनके नामों के सामने लिखे केन्द्रों/कार्यालयों पर सहायक इंजीनियर  
के संवर्ग (कैडर) में नियमित आधार पर काम करने के लिए नियुक्त  
करते हैं।

क्रमांक	नाम	जिस स्थान पर तैनात किए गए
1	2	3
	सर्वेश्वरी	
1. बी० बनर्जी	.	आकाशवाणी, कलकत्ता
2. आर० राजगोपालन	.	अनुसन्धान विभाग, आकाश- वाणी, नई दिल्ली।
3. एच० एस० बाबा	.	दूरदर्शन केन्द्र, आकाश- वाणी, नई दिल्ली।
4. एस० सी० दास	.	आकाशवाणी, कलकत्ता।
5. टी० आर० मेहता	.	उच्च शक्ति प्रैवित्र, आकाश- वाणी, किंजली, दिल्ली।
6. बी० एस० प्रसाद	.	बैस प्रोडक्शन युनिट, आकाश- वाणी, हैदराबाद।
7. जितेन्द्र कुमार	.	आकाशवाणी, इलाहाबाद।
8. पी० नटराजन्	.	आकाशवाणी, बंगलौर।
9. जे० पी० एस० अरोड़ा	.	आकाशवाणी, जोधपुर।
10. एम० पी० जी० नाथर	.	क्षेत्रीय इंजीनियर (दक्षिण) का कार्यालय, आकाश- वाणी, मद्रास।
11. एम० पी० शर्मा	.	दूरदर्शन, आकाशवाणी, नई दिल्ली।
12. के० सी० बत्ता	.	आकाशवाणी, शिमला।
13. एम० पी० एन० सिंह	.	आकाशवाणी, वाराणसी।
14. प्र० बी० रेड्डी	.	आकाशवाणी, हैदराबाद।

1	2	3	
15.	आर० श्रीनिवासन	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, बम्बई।	42. एम० जी० गुप्ता
16.	एस० के० चटजी	आकाशवाणी, कलकत्ता।	43. राजेन्द्र प्रकाश
17.	बी० आर० राजगोपाल	आकाशवाणी, कोहिमा।	44. बी० बी० सुरेन्द्र
18.	जी० रामचन्द्र नायर	आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम।	45. एस० पी० सिह
19.	मदन साल, सुपुत्र श्री मीबत राम	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, अलीगढ़।	46. एम० के० एस० नाम्बियार
20.	एस० सी० गप्ता	आकाशवाणी, नई दिल्ली।	47. जी० पी० माहेश्वरी
21.	कृष्ण मित्तल	आकाशवाणी, नई दिल्ली।	48. मनजीत सिंह भाटिया
22.	आर० के० रे	क्षेत्रीय इंजीनियर (पूर्व), आकाशवाणी, धरकत्ता।	49. एम० सी० गोतान
23.	आर० सी० अंन	आकाशवाणी, आसंधर।	50. ई० वेंफटकृष्णन्
24.	एन० बी० आर० सुब्रता राजू	आकाशवाणी, विजयवाडा।	51. एस० सी० श्रीवास्तव
25.	एस० पी० पाटिल	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, बम्बई।	52. बालकृष्ण फोसेश्वर
26.	श्री० आर० बहून	क्षेत्रीय इंजीनियर (उत्तर) का कार्यालय, आकाशवाणी, नई दिल्ली।	53. जे० सी० अग्रवाल
27.	एस० के० एल० प्रसाद राध	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, बम्बई।	54. सी० पी० भाटा
28.	ओ० पी० गोयल	उच्च शक्ति प्रेषित, खाम्पुर, दिल्ली।	55. विठ्ठल राव
29.	वाई० के० राजगोपालचारी	आकाशवाणी, भद्रावती।	56. ओ० एन० पजनू
30.	ई० सी० चिथ्बर	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, अलीगढ़।	57. ओ० पी० गिरधर
31.	एन० स्वामिनाथन्	क्षेत्रीय इंजीनियर (पर्यावरण) का कार्यालय, आकाशवाणी, बम्बई।	58. ए० के० बजाज
32.	आर० पी० बंसल	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, अलीगढ़।	59. जे० एन० शर्मा
33.	जी० डी० भाटिया	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, अमृतसर।	60. के० ए० एस० नम्बूदरीपाद
34.	एम० पी० पांधी	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, खाम्पुर, दिल्ली।	61. एम० आर० कृष्णस्वामी
35.	बी० के० सिन्हा	आकाशवाणी, लखनऊ।	62. एम० के० मकवाना
36.	बी० श्रीकुमार	आकाशवाणी, डिल्लूगढ़।	63. एस० के० गर्ग
37.	ए० एस० कौशिक	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, खाम्पुर, दिल्ली।	64. बी० ए० जेरे
38.	एस० के० शर्मा	आकाशवाणी, नई दिल्ली।	65. रघुबीर सिह
39.	फरीद राजवान	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, श्रीनगर।	66. आर० एस० बी० राव
40.	जे० बी० सिह	आकाशवाणी, इम्फाल।	67. ए० एस० त्यागी
41.	के० डी० कौशल	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, किंजडे, दिल्ली।	68. के० के० मेहता
			69. मदन लाल सुपुत्र श्री बृज लाल
			70. सुरेन्द्र सिह सुपुत्र श्री गुलाब सिह
			उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, खाम्पुर, दिल्ली।
			प्रेम कुमार सिन्हा, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक।

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1974

सं० 15/1/74-सतर्कता—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा रीजनल फैमिली प्लैनिंग ट्रेनिंग सेन्टर, कालीकट के समाज विज्ञान अनुदेशक, श्री पी० जे० जोसेफ को, 7-10-74 (पूर्वाह्न) से अत्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, कालीकट में परिवार नियोजन के विस्तार अधिकारी के पद पर अस्थायी पद-क्षमता में नियुक्त करते हैं।

सं० 15/4/74-सतर्कता—महानिदेशक, आकाशवाणी, जिला परिवार नियोजन व्यूरो, भीलवाड़ा, राजस्थान के जिला विकास और प्रचार अधिकारी, श्री जी० एन० वर्मा को दिनांक 9-10-74 (पूर्वाह्न) से अत्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी, रामपुर में परिवार नियोजन के विस्तार अधिकारी के पद पर अस्थायी पद-क्षमता में नियुक्त करते हैं।

हरजीत मिह  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1974

सं० 26-17-73-ए०मि०-१—राष्ट्रपति जी ने भारतीय सांख्यिकी सेवा के चतुर्थ-ग्रेड अफसर डा० जे० पी० गुप्ता को 25 सितम्बर, 1974 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में सहायक निदेशक (सांख्यिकी) के पद पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त किया है।

सं० 11-3/74-ए०मि०-१—इस निदेशालय की दिनांक 31 जुलाई, 1974 की अधिसूचना सं० 11-3/74-ए०मि०-१ (ए) के क्रम में राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री पी० आई० पद्मनाभन को पहली आगस्त, 1974 पूर्वाह्न से 31 अगस्त, 1974 अपराह्न तक केन्द्रीय मन्त्रिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्थ रूप से नियुक्त किया है।

राष्ट्रपति जी ने पी० आई० पद्मनाभन को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उपर्युक्त अवधि के निम्न उप-निदेशक (प्रशासन) के पद पर भी नियुक्त किया है।

दिनांक 15 नवम्बर 1974

सं० 33-13/69-ए०मि०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) के सहायक श्री बलपन मिह को पहली नवम्बर, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक ग्राम स्वास्थ्य प्रणिक्षण केन्द्र नजफगढ़ में प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

श्री के० बी० कुमार ने गृह मंत्रालय को परावर्तित होने पर 31 अक्टूबर, 1974 अपराह्न में ग्राम स्वास्थ्य प्रणिक्षण केन्द्र, नजफगढ़ में प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 20 नवम्बर 1974

सं० 6-14/74-ए०मि०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने उत्तर रेलवे, नई दिल्ली के मुख्य लेखा परीक्षक के कार्यालय के लेखा परीक्षा अधिकारी श्री सत्य पाल भंडारी को पहली अक्टूबर, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसीली में लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

श्री एम० सी० गर्ग ने पहली अक्टूबर, 1974 पूर्वाह्न से केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसीली के लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल  
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1974

सं० 16-16/74-ए०मि०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, मद्रास के कार्यालय अधीक्षक श्री एस० गोविन्दराजुलू को 27 सितम्बर, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक चिकित्सा सामग्री संगठन के अन्तर्गत चिकित्सा सामग्री सहायक भण्डार प्रबन्धक के रूप में अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

पी० सी० कपूर

कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

### हृषि मंत्रालय

(हृषि विभाग)

विषयम् एवं निरीक्षण मिवेशालय,

फरीदाबाद दिनांक अक्टूबर 1974

सं० 4-5(6)-74-प्र०-१—श्री टी० एम० मुस्तफी, विषयन अधिकारी वर्ग-I नई दिल्ली को विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद में दिनांक 4 अक्टूबर, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक पूर्णतया अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ उप-विषय विषयन अधिकारी, वर्ग-I नियुक्त किया जाता है।

नागपुर दिनांक 6 नवम्बर 1974

सं० फा० 2/8/74-वि० II  
भारत के राजपत्र भाग III खण्ड I  
दिनांक 21-7-73 (पृष्ठ 1840 से 1844) में प्रकाशित अधिसूचना

सं० 3(44)/9/72-वि० II,  
सं० फा० 5/11/69-वि० II,

सं० फा० 2/8/70-वि० II,  
सं० 74/15/72-वि०- I

में श्री जी० के पवार, विषयन अधिकारी के नाम को जो उक्त अधिसूचना में जहाँ कहीं भी आया है, उक्त अधिसूचना के आंशिक रूपान्तरण में इह समझा जाये।

सं० फा० 2/8/74-वि० II —भारत के राजपत्र भाग III खण्ड I दिनांक 21-7-73 (पृष्ठ 1840 में 1844) में प्रकाशित अधिसूचना सं० 3 (टी० एल)/2/65-वि० II सं० 3 (44)/9/72-वि० II, सं० फा० 74/15/72-वि० I, सं० फा० 5/11/69-वि० II, सं० फा० 2/8/70-वि० II में श्री चौबलाशम मुर्ती, सहायक विषयन अधिकारी के नाम को जो उक्त अधिसूचना में जहाँ कहीं भी आया है, उक्त अधिसूचना के आशिक रूपान्तरण में रह समझा जाये।

एन० के० मुरार्लीधर राव  
कृषि विषयन मलाइबार

### केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग

(विद्युत् संघ)

नई दिल्ली-22, दिनांक 7 नवम्बर 1974

सं० 1/57/74-प्रशा० तीन (वि० स्क०)---अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग, उर्जा मंत्रालय (भूतपूर्व मिचाई और विद्युत् मंत्रालय) के स्थायी हिन्दी अनुवादक श्री रणधीर सिंह को तदर्थं आधार पर हिन्दी अधिकारी के रूप में, १ कर्तव्य दृश्यमा जब तक संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस पद को नियमित रूप से नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, रु० 650-30-740-35-810-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० के वेतनमान में, २६ अक्टूबर, 1974 के पूर्वाह्न से, केन्द्रीय जल तथा विद्युत् आयोग (विद्युत् संघ), नई दिल्ली में नियुक्त करते हैं।

मूल शंकर पाटक,  
अवर सचिव  
हृते अध्यक्ष

(जल संघ)

नई दिल्ली-22, दिनांक 19 नवम्बर, 1974

सं० क-32012/4/70-प्रशा०-५---अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग इनमें प्रसाद से निगमन द्वारा इन्हें को को स्थानापन क्षमता मैं सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक रसायन युप) के ग्रेड में केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग, नई दिल्ली में रु० 650-30-740-35-810-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० के वेतनमान में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में उनके सामने दी गई तिथियों से तीन स्फैने वी अवधि के लिए, अथवा जब तक पद नियमित रूप से भरे जाएं, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

1. श्री आर० एस० आनन्द 4-11-1974 (पूर्वाह्न)
2. श्री एस० एस० मधुर 4-11-1974 (पूर्वाह्न)
3. श्री के० एन० लैयर 4-11-1974 (पूर्वाह्न)

के० पी० बी० मेनन,

अवर सचिव

हृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग

### केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1974

सं० 6-49/74-ईमटी-II---श्री मोहनलाल गन्दोबा को दिनांक 16-10-74 (पूर्वाह्न) में सहायक प्रशासन अधिकारी वर्ग II (राजपत्रित) के सबथ और अस्थाई पद पर केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में उनके मुख्यवास फरीदाबाद के साथ वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-८० बी०-३५-८८०-४०-१०००-८० बी०-४०-१२०० के अन्तर्गत अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

देवता पान्डेय  
अधीक्षक अभियंता

### प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1974

सं० 27-८०/बी(33)/71-८० सी०-१---श्री ए० सी० भाटिया, कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन), आयकर विभाग, नागपुर का 26 अगस्त, 1974 को देहान्त हो गया।

पी० एस० पारवानी,  
प्रशासन उप-निदेशक  
हृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1974

सं० 33/3/74/27/23/72-प्रशा०-४---राठृपति, श्री राजेन्द्र नागदेवे को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में हस कार्यालय के दिनांक 21-9-74 के समसंदर्भ पक्व में दी गई सेवा शर्तों के आधार पर 700-40-900-दक्षता रोक-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में सामान्य भस्तों सहित 700/- रुपये प्रति मास वेतन पर 25-9-74 (पूर्वाह्न) से उप-वास्तुक नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय  
प्रशासन उप-निदेशक  
हृते प्रमुख इंजीनियर

### फराका बांध परियोजना

दिनांक 11 अक्टूबर 1974

श्री अजय कुप्रण साहा, भारत सरकार, सिचाई एवं विद्युत् मंत्रालय, फराका बांध परियोजना में सहायक अधिकारी (मेकेनिकल) तदर्थ आधार पर दिनांक 15 जून, 1974 के पूर्वाह्न से 31 दिसम्बर, 1974 तक के लिये नियुक्त किये जाते हैं।

दिनांक 9 नवम्बर 1974

श्री के० सो० राय, तदर्थ आधार पर सहायक अभियंता (यांत्रिक) के रूप में फराका बांध परियोजना, सिचाई एवं विद्युत् मंत्रालय, भारत सरकार के दिनांक 20-3-74 के पूर्वाह्न से 31-12-74 तक के लिए नियुक्त किये जाते हैं।

श्री रमेन्द्र नाथ मजूमदार, स्थानापन्नार्थ सहायक अधियन्ता (यांत्रिक) के हृषि में तदर्थं आधार पर पदोन्नति कर फराका बांध परियोजना, सिचाई एवं विद्युत् मंत्रालय, भारत सरकार में दिनांक 15 जून 1974 के पूर्वाह्नि से 31-12-74 तक के लिये नियुक्त किये गये।

श्री काली कुमार शर्मा सरकार स्थानापन्नार्थ सहायक अधियन्ता (सीभील) के रूप में तदर्थं आधार पर पदोन्नति कर फराका बांध परियोजना, सिचाई एवं विद्युत् मंत्रालय, भारत सरकार में दिनांक 15 जून 1974 के अपग्रह्ण से 31-12-74 तक के लिए नियुक्त किये गए।

श्री सुबोध कुमार साहा, स्थानापन्नार्थ सहायक अधियन्ता (सीभील) के पद पर तदर्थं आधार पर पदोन्नति कर फराका बांध परियोजना, सिचाई एवं विद्युत् मंत्रालय, भारत सरकार में दिनांक 15 जून 1974 के पूर्वाह्नि से 31-12-74 तक के लिए नियुक्त किये जाते हैं।

जे० एन० एस० मण्डल  
महाप्रबन्धक

### पूर्व रेलवे

दिनांक 21 अक्टूबर 1974

स० ए० ई० 2134/प्रोग/7/3/1/ इलेक्ट्रिकली इंजीनियरी विभाग के निम्नलिखित परखाईन अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से पूर्व रेलवे के अवधार वेतनमान में स्थायी किया जाता है:—

नाम	स्थायीकरण की तारीख
1. श्री ए० के० जैन .	1-4-73
2. श्री बी० के० सिबल .	28-12-73
3. श्री एस० के० गुप्त .	9-12-73

बी० पी० साहनी,  
महाप्रबन्धक

### उत्तर रेलवे

दिनांक 23 अक्टूबर 1974

स० 20—इस रेलवे के निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों (दंत) दर्जा II वेतनमान ₹० 350-900 (अ० वे०) को इस रेलवे पर प्रत्येक के सामने दिखायी गयी तारीख से सहायक चिकित्सा अधिकारी (दंत) दर्जा II वेतनमान ₹० 350-900 (अ० वे०) में स्थायी कर दिया गया है:—

1	2	3
अम स० सहायक चिकित्सा अधिकारी (दंत) का नाम	किस तारीख से सहायक चिकित्सा अधिकारी (दंत) के रूप में स्थायी किए गए हैं	

1	2	3
1. डा० बी० बी० लाल .	. 1-1-66	
2. डा० एस० बी० अग्रवाल .	. 8-3-73	

1	2	3
3. डा० एम० एस० हुमेन		8-3-73
4. डा० सुरेन्द्र नाथ		8-3-73

मद स० 2 से 4 के सामने दिखाएँ गए चिकित्सकों की सहायक चिकित्सा अधिकारी (दंत) दर्जा II वेतनमान ₹० 350-900 (अ० वे०) के तीन अधिसंख्य पदों पर स्थायी किया गया है। अतः इन पदों पर तब तक लगे रहेंगे जब तक वे ₹० 350—900 (अ० वे०) में काम करते रहेंगे यद्यकि ये पद केवल उन्हीं के लिए हैं।

सी० एस० परमेष्ठन,  
महाप्रबन्धक

### दक्षिणी मध्य रेलवे

प्रधान कार्यालय  
(कार्मिक शाखा)

मिकन्दराबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1974

स० पी० 185/गजट/टी० सी०—श्री एम० के० शुक्ल, भारतीय रेल यातायात सेवा (परिवीक्षाधीन) अधिकारी को, उसी सेवा की श्रेणी-I/अवर वेतनमान में 11 दिसम्बर 1973 से स्थायी किया जाता है।

दिनांक 21 नवम्बर 1974

स० पी० (गज)/185/एकाउण्ट्स—दक्षिण मध्य रेलवे के लेखा विभाग के स्थानापन्न श्रेणी-II अधिकारी श्री के० वी० पी० पण्णीकर को, उसी विभाग की श्रेणी-II सेवा में, 10-6-71 से स्थायी किया जाता है।

के० एस० राजन्,  
महाप्रबन्धक

### आय-कर अपीलीय अधिकारण

बम्बई-20, दिनांक 22 नवम्बर 1974

स० एफ० 48-एडी(एटी)/74-पी०-II —श्री एच० सी० श्रीवास्तव, अग्रीय आशुलिपिक, आय-कर अपीलीय अधिकारण जिन्हें अस्थायी क्षमता में तदर्थं आधार पर आय-कर अपीलीय अधिकारण, पटना न्यायपीठ, पटना (सम्प्रति आयक-कर अपीलीय अधिकारण, इलाहाबाद न्यायपीठ, इलाहाबाद में स्थानांतरित) में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर 3-8-1971 से अग्रिम आदेश मिलने तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, देखिए—इस कार्यालय की अधिसूचना स० एफ० 48-ए डी(एटी)/71 दिनांक 7-8-1971, उन्हें अस्थायी क्षमता में तदर्थं आधार पर आय-कर अपीलीय अधिकारण, इलाहाबाद न्यायपीठ, इलाहाबाद में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर 1-10-1974 से 31-12-1974 (अपराह्न) तक या जब तक कि उक्त पद हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा मनोनीत व्यक्ति की नियमित नियुक्ति नहीं होती, जो भी यी द्वितीय हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

नाम शंकर, अध्यक्ष

प्रख्य आई० टी० एम० एस०————  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० अ ई० 1/7296/मार्च 74—यतः मुख्य शो०  
शो० फड़के सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1  
बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० सी० एस० नं० 1025 भायखला डिविजन है, जो डकन  
रोड पश्च मौलाना प्राजाद रोड से ज्ञात है, में स्थित है (और इसमें  
उपांडठ घन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 5-3-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तथ याय गया या ऐसे अन्तरण के  
लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कर्म, करने या उसमें बदलने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के प्रधाय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए  
कार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः यह, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री यसुफ प्रली प्रहुमव ग्रली (अन्तरक)  
2. श्री हुसेना बाई रसूलाभाई, चामडावाला और अम्ब  
(अन्तरिती)

3. किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति  
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहीयां शुल्क करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—  
2-366G1/74

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के प्रधीन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती वैग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
प्रधाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

वे मधी टुकड़े या भूमि का भाग साथ में गृह बाटिका निवास  
और वहां पर बनी नाहर बिल्डिंग में जात भवन जो डंकन रोड अभी  
मौलाना प्राजाद रोड से ज्ञात, बम्बई में स्थित मौजूद और पड़ा है  
जो पहले रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई, लेकिन अब रजिस्ट्रेशन उप-  
जिला प्रीर बम्बई बहुतर बम्बई में है जो माप से 1256  
बगं गज या 1050 बगं मीटर या उसके करीब और सेन्ड रेवेन्यू  
कलेक्टर के पुस्तकों में पुराना क्र० 2840, 3008, नया क्र०  
9823, पुराना सर्वेक्षण क्र० 2/2141 प्रीर 2/2140 प्रीर 4405  
प्रीर नया सर्वेक्षण क्र० 5678 प्रीर केडेस्टल सर्वेक्षण क्र० 1028  
भायखला डिविजन प्रीर भसेसट प्रीर महापालिका भावी एवं करों  
के संगठक द्वारा 'E' वार्ड नं० 524, स्ट्रीट नं० 236, 242, डंकन  
रोड प्रीर मौलाना प्राजाद रोड से ज्ञात प्रीर 'E' वार्ड क्र० 525-  
532, स्ट्रीट नं० 41-47 स्टेल स्ट्रीट प्रीर निम्न प्रकार से दिया  
हुआ है पर्यात पूर्व या प्रीर से डंकन रोड जब मौलाना प्राजाद रोड  
से ज्ञात, उत्तर या प्रीर से सी० एस० नं० 1026 प्रीर आंशिक रूप  
में अमिनाबाई मोहम्मदग्ली की जायदाद प्रीर सी० एस० नं०  
1027 प्रीर आंशिक रूप से हातिमबाई अकबरग्ली राजकोटवाला  
जायदाद दक्षिण या प्रीर सी० एस० नं० 1024 अबदुल हुसेन  
कादरभाई का जायदाद।

श्री० शं० फड़के,  
मक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख : 31-10-1974

मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर 1974

निर्देश सं 163/एकुरे III/74-75/हाव--यत मुझे,  
एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी म० 14 है, जो मुख्यगम केनोडिया रोड, थाना गोलाबाड़ी, जिला हावड़ा मे० स्थित है (अग्र इसमे० उपावद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सब रजिस्ट्रार, हावड़ा मे० भारतीय रजिस्ट्रीरबरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन 20-3-1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियो) के बीच तथा पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण मे० हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों मे० पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे० मैं आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मुनिया देवि चामारिया, स्वामी मृत केशरदेव  
चामारिया, 7/6 बघ्मान रोड, कलकत्ता-27। (अन्तरक)
2. श्रीमती माखोला साउ, स्वामी रामदास साउ और श्रीमती  
मधुबाला साउ, स्वामी अरुणकुमार साउ, 25, मुखराम  
केनोडिया रोड, हावड़ा, प्रधना 12 चादमारी रोड,  
हावड़ा। (अन्तरिक्षीय)
3. श्री महेशी सिंह, 18, मुखराम केनोडिया रोड, हावड़ा।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे० सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

- उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—
- (क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
मे० किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे० किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है स्थावर सम्पत्ति के अन्तरिक्षीय को दी जाएगी।

एतद्वारा यह आगे अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क मे० यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय मे० दिया गया है।

#### अनुसूची

करीब 10 कट्ठा 8 छटांक जमीन साथ उस पर प्रब स्थित  
दो तल्ला मकान जो 14 मुखराम केनोडिया रोड, थाना-गोलाबाड़ी,  
जिला हावड़ा मे० स्थित है और जो साक रजिस्ट्रार हावड़ा द्वारा  
रजिस्ट्रीकृत दलील सं 1040/1974 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-11, कलकत्ता।

तारीख : 1-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हुबली

हुबली,-580021 दिनांक 2 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 64/74-75/एच० एक्य०—यतः मुझे आर० पार्षदसारथी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज हुबली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० नं० 58/4 ए, 58/4 बी और 58/4 सी है, जो उण्ठकल गांव, तालुक : हुबली और जिला धारवाड़ में स्थित है (श्री इसमें उपाचार अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुबली, डाक्यूमेंट नं० 4150 के अन्तर्गत भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन 30-३-1974 के दिन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के विवरों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, ने, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवप्रिय प्रस० किर्बी, केशवापुर, हुबली, निम्नलिखित लोगों के जी० पी० ए० हांडर के हैमियन से :—

- (i) श्री विनसेंट डी० किर्बी, कोलालंपुर, मलएशिया।
- (ii) श्रीमती लीला डी० किर्बी, वरंगल (आन्ध्र प्रदेश)
- (iii) श्रीमती विमला डी० किर्बी, केशवापुर, हुबली।

(अन्तरक)

2. (1) मैरम्स परसेन विमिनेष० एंटरप्रैसस् मैनेजिंग पार्टनर श्री सिद्ध्या शेखरप्पा यावगल-13, चंद्रशेखर, शांती कालोनी, विद्यानगर, हुबली-21 के जरिये, श्री

2. श्री भिद्यप्पा शेखरप्पा यावगल, 13, चंद्रशेखर, शांती कालोनी, विद्यानगर, हुबली-21।

(3) श्री बाबू बसप्पा बेल्लीकट्टी बेल्लीकट्टी, मेडिकल स्टोर्स, भेन रोड, सौंदर्यी।

(4) डॉ० मन्लिकार्जुन जिवरुद्धप्पा गूरनवर, मेडिकल आफोसर, केरूर, तालुक : बादामी, जिला बीजापुर।

(5) श्रीमती विमला बाबी, श्री बसवण्णप्पा नूलो की पत्नी, केयर श्राफ डा० एस० एम० गूरनवर, मेडिकल आफोसर, केरूर, तालुक : बादामी, जिला बीजापुर।

(6) श्री मुमोग्ग शेखरप्पा यावगल, 13, चंद्रशेखर, शांती कालोनी, विद्यानगर, हुबली-21।

(7) श्रीमती जयश्री, श्री वीरभद्रप्पा हांवल की पत्नी नीरापुर आंजनेय देवम्भान गोड, हुबली-20।

(अन्तर्गतियाँ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वतीर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थानिकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कर्नाटक राज्य, धारवाड़ जिला, हुबली तालुक के उणलक गांव में आर० एस० नं० 58/4 ए (31 गुंडा), 58/4 बी (31 गुंडा) और 58/4 सी (19 गुंडा) इस प्रकार 81 गुंडा विस्तीर्ण का दिन० शेन्की जमीन।

आर० पार्षदसारथी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हुबली।

तारीख . 2-11-1974

मोहर .

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयवत (निरीक्षण) का कार्यालय.  
अर्जन रेज, हुबली

हुबली-580021, दिनांक 2 नवम्बर 1974

निवेश मं० 63/74-75/एन० एक्य०—यत् मुझे प्रार० पार्श्वसारथी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, हुबली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि आयवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सी० टी० एस० नं० 2916 और प्रार० एस० नं० 64 ए और 64 बी है, जो नागर्णीटीकोप्पा, प्लाट नं० 8, अशोक नगर रोड, हुबली में स्थित है (प्रार० इमर्गे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय हुबली में डाक्युमेंट न० 4049 के अन्तर्गत भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-3-1974 के दिन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्रत विसेष द्वारा अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, गोंते दृष्ट्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिनी (अन्तरिनियो) के बीच नय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक वा डाइट में वर्ता करने या उसमें बदलने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-वर अधिनियम 1957 (1957 का 25) के प्रयोजनाव अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकार्हा शृंखला में द्वारा अभिविद्धित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपद्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दिनकर मल्हार बाबले, ग्राफिटेक्ट, अशोकनगर रोड, हुबली।  
(प्रत्यक्ष)
2. श्रीमती सीताबायी, श्रीनिवासराव हुलेकलू की पत्नी, पोस्ट बाक्स नं० 22, रायरपेठ, सिरसी (एन० के०)।  
(प्रत्यक्षित)
3. मैनेजर, केनरा बैंक, दुर्गद बैंल, हुबली। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित विया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर एंगे व्यक्ति को जिससे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित विया जाता है कि हर ऐसे अधिकारी को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना की गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिनियम होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर में अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

नागर्णीटीकोप्पा, प्लाट नं० 8, अशोकनगर रोड, हुबली में सी० टी० एस० नं० 2916 और प्रार० एस० नं० 64 ए और 64 बी में एक निवासयोग्य घर।

प्रार० पार्श्वसारथी,  
मक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हुबली।

तारीख : 2-11-1974  
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हुबली

हुबली-580021, दिनांक 2 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 62/74-75/एन० ४०८०० क्य०—यत मुझे आर० पार्षदसारथी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज हुबली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीधारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 28,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी सी० टी० एस० सं० 2967 है, जो शांती कालोनी, विद्यानगर, हुबली में स्थित है (और इससे उपांड़ अनुसूची में और पूर्ण म्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली में डाक्यूमेंट नं० 3868 के अन्तर्गत भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह जि अन्तरक (अन्तरण) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से दूर्घ किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

और यत. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (2) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बी० बी० दिवेकर, "दया", स्टेट बैंक रोड, केशवापूर,  
हुबली-21।  
(अन्तरक)

2. श्री एल० जी० ब्रसवा, लकी बीर भयांडी सेटर, सुपर  
मार्केट, हुबली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-  
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि रथावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिसो का आर० सी० सी० इमारत जो विद्यानगर के शांती कालोनी में सी० टी० एस० न० 2967 में स्थित है और जिसकी सीमाएँ —

पूरब में—सी० टी० एस० न० 2966 का इमारत;  
पश्चिम में—रस्ता;  
उत्तर में—रस्ता और रेलवे लैन,  
दक्षिण में—रस्ता।

आर० पार्षदसारथी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हुबली।

तारीख : 2-11-1974  
मोहर .

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज : II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 नवम्बर 1974

निदेश मं० 3129/73-74—यतः मुझे ए० रागबेन्द्र राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5, रामा राव अग्रहारम, तिरुचि, जो तिरुचि, मे स्थित है (और इसमे उपावद्व अनमूर्ची में और पूर्ण रूप से विर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुचि मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से भी के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के मालदों मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मती पारदाम्बाल, श्री एम० वी० रामसूति और श्री एम० वी० घनेसन, तिरुचि। (अन्तरक)

2. श्री वी० एम० रामस्वामी, करुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्पद्धारा कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 3.0 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

तिरुचि, रामा राव अग्रहारम, डोर सं० 5 मे भूमि और मकान (डी० एस० सं० 2031/2)।

ए० रागबेन्द्र राव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 4-11-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश सं० अ० ई०-1/747-3/मार्च-74—यतः मुझे श्री०  
शं० फड़के, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजन रेज-1,  
बम्बई,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ए के अधीन सकम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹० से अधिक है  
और जिसकी सं० सी० एस० न० 2/618 मलबार और कंबाला हिल  
डिवीजन है, जो पेडर रोड, बम्बई में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, मब रजिस्ट्रार, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-3-1974  
को, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत खिलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हिल प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयी शाल करने के कारण मेरे हिल अभिलिखित किए  
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुलेमान हाजी अस्म उभर की विधवा हालीमाबाई  
जूनस कासम। (अन्तरक)

2. इंडिया हाऊस नं० 3 कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी  
(अन्तरिती)

3. मेम्बर्स (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मलबार और कंबाला हिल डिविजन का सी० एच० न०  
2/618 का बड़ा भाग जो 418.12 वर्ग मीटर है और पेडर रोड,  
बम्बई में स्थित है।

श्री० शं० फड़के,  
सकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेज-1, बम्बई।

तारीख : 5 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1974

निर्देश सं० IX /2/85/73-74—यतः मुझे के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है अधिक है और जिसकी सं० 288/1 तिस्वोट्रियुर है रोड मद्रास-81 है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच सब पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. केमिकल इन्टरप्राइसेस (पी०) लिमिटेड, मद्रास-6।  
(अन्तरक)

2 श्री बिजय अमितराज और आनन्द अमितराज, मद्रास-6  
(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा प्राप्तीप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षीय को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्यां व 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही भर्ते होमा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, 81 तिस्वोट्रियुर हैरोड, डोर सं० 288/1 घाठ नाउण्ड और 2096 स्कोयर फीट का भूमि (मकान के भाष्ट) जिसका आरा० एस० सं० 4043/3।

के० बी० राजन,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 6-11-1974

मोहर :

प्रेस्प्र आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षक

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० IX/7/276/73-74—यतः मुझे के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 9 सी०, सिङ्हनडामस रोड, पेरियामेट, मद्रास-3 है, जो में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में द्वारा पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय वेस्ट मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीड विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मैं यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्डित प्रतिपल अद्यक्ष है और यह कि अन्तररक्ष (अन्तरको) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपल निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपाध्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—  
3-366GI/74

1. श्री बेर घण्टा धाला, 9, मामीकेस्वरि सर्ट्टि, मद्रास।  
(प्रत्तिरक्त)
2. फटला ट्रेडिंग कम्पनी, 9 सी०, सिङ्हनडामस रोड, मद्रास-3  
(प्रत्तिरक्त)

को यह सूचना आरी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हस्तावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को दो जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त दोर के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, 1 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, 1 उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-3, सिङ्हनडामस रोड, डोर सं० 9 सी० में भूमि 1149 एक्युयर फीट (मकान के साथ)।

के० वी० राजन,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, मद्रास।

तारीख : 5-11-1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश सं० IX/275/73-74—यतः मुझे के० वी० राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 28, गोल्लवार अग्रहारम रोड, मद्रास-21 है,  
जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के क्यारीलय मद्रास में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 5-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के घायित्व में कमी करने या उससे  
माचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यप्राही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
जपथारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. मैसर्सै षम्बुग मुदलियार, एस० दुरेष्ट॒, एस० वी० घक  
और एस० नागराज, 55 वी०, बेनाय नगर, मद्रास-30।  
(प्रत्यक्ष)

2. मैसर्सै सी० घोर ट्रेडर्स॒ 20, कासी चट्ट॑ हृष्ट॒, मद्रास-1।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्त्वांशी व्यवित्रियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,  
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### अमुसूची

मद्रास-21, गोल्लवार अग्रहारम रोड में डोर सं० 28 भूमि  
और मकान (3 गड्ढ और 1395 स्क्यूयर फीट) (प्रार० एस०  
सं० 2984)।

के० वी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 5-11-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निवेश सं० X / 10/58/73-74—यतः, मुझे, के० वी० राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विभास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और  
जिसकी सं० 8, टौन हाल रोड, मदुरै है, जो मदुरै में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, पुतुमन्डपम, मदुरै में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
भार्च 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूर्ट विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विभास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच स्थ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अनिवार्यता किए गए  
हैं।

असः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वं श्री एस०एस०एच० प्रभुबेकर, एस०एस०एच० रघिद  
भन्दुल कादर, एस० एस० एच० सतक अबदुल कादर और श्रीमती  
दुसीना अमीना बीवी।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती गोमती, 2 सी०, जवाहर स्ट्रीट, सोमसुम्दरम  
कालोनि, मदुरै।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के अंतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबढ़ किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
मे किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे यिए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, टाउन हाल रोड मे डोर सं० ४ मे 1/4 भाग (भूमि और  
मकान)।

के० वी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास।

तारीख : 5-11-1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1974

निदेश नं० X /10/59/73-74—यतः मुझे के० ओ० राजन आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8, टाउन हाल रोड, मदुरै है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, पुनुमन्डपम, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण किलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्मित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अम्तरित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० एस० एच० अब्दुल्लाह, एस० एस० एच० रशीद अब्दुल कादर, एस० एस० एच० सतक अब्दुल कादर और हुसैना अमीना बीठी।  
(अन्तरक)

2. श्री वेंकट सुल्तान कुलम गांव, तिरुनेलवेलि जिला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

इष्टाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मदुरै, टाउन हाल, रोड, डोर सं० 8 में 1/4 भाग (भूमि और मकान)।

के० ओ० राजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 5-11-1974

मोहर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज—I, मद्रास

मद्रास, विनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश स० X/10/60/73-74—यत्, मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्थित से अधिक है और जो 8, टौन हाल रोड, मदुरै मे स्थित है (श्री॒ इससे उपावड़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुतुमन्डपम, मदुरै मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मार्च 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विनेक के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व मे कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभिरक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

प्रौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

प्रतः प्रब्लेम 269-ग के अनुसरण मे, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, भर्ता:—

1. श्री एस० एस० एच० अब्दुल्लाह, एस० एस० एच० रविद अब्दुल कादर, एस० एस० एच० सतक अब्दुल कादर और हुसेना मरीना बीबी। (अन्तरक)
2. वेंकट सीतारामन, काढनकुलम गांव, तिरिनेलवेलि जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृत स्तराकारी के पास लिखित मे विए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, टाउन-हाल रोड, डोर स० 8 मे फै भाग (भूमि और मकान)।

के० बी० राजन,  
 सकाम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 5-11-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1974

निवेश सं० XVI/1(3)/62/73-74—यतः मृम्मे, के० बी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जो भ्लाक सं० 19, ओमलूर रोड, सेलम में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्टा प्राधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मार्च 1974

को पूर्वोक्त गम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीफरण विवेद के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुहूर्त किसी आय की आबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सिं० पेरियन्न बोयर, सिं० राजबीरन, सी० कुप्पस्वामी, सिं० पलनिसामि, और सिं० परमसिवम् सेलम । (अन्तरक)

2. श्री टी० बी० तंगवेल मदसियार, डी-४७, फेर लांडस, सेलम-४। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सेलम, ओमलूर रोड में 63 सेन्स का भूमि जिसका टी० एस० सं० 1 (नया बाई “डी”, भ्लाक सं० 191) । (1.89 एकड़ में 1/3 भाग) ।

के० बी० राजन  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 5-11-1974  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश सं० XVI/1(3)/63/73-74—यतः, मुझे, के० वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जो ब्लाक सं० 19, भोमलूर रोड, सेलम में स्थित है (और इससे ऊपर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(पा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यसः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सिं० पेरियन बोयर, सिं० राजबीरन, सिं० कुप्प-म्बामी, सिं० पलनिसामि और सिं० परमसिवम. सेलम।  
(अन्तरक)

2. श्री टी० वी० तंगवेल, भुदलियार, डी-47, फेर लाइस, सेलम-4।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी गूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, भोमलूर रोड में 63 सेन्ट का भूमि जिसका टी० एस० सं० 1, (नया बार्ड “डी”, ब्लाक सं० 19)। (1.89 एकड़ में 1/3 भाग)।

के० वी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेंज-1, मद्रास।

तारीख: 5 नवम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा  
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज—1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश सं. X /10/61/73-74—यतः मुले, के० धी० राजन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं. ४, २१उन हास रेंज, मदुरै है, जो मदुरै में स्थित है  
(और इससे उपायद अन्तर्भूती में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय, पुलुमन्दपम, मदुरै में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
मार्च 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित गई की है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति आ उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डित प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बढ़ने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या छन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, लिपिने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, ओरा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की ओरा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी:—

1. श्री एस० एस० एच० अबुबैकर, एस० एस० एच० रशाउल  
अब्दुल कादर, एस० एस० एच० सतक अब्दुल कादर और हूसीना  
प्रमोना श्रीवी।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती जानकी अम्नाल, 2 सि. जवाहर सट्रीट, सोमसुन्दरम  
कालीनी, मदुरै।  
(अन्तरिती)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए नारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

मदुरै, टोन हाल रोड, डोर सं. ८ में 1/4 भाग (भूमि और  
मकान)।

के० धी० राजन  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख : 5-11-1974

मोहर :

प्रख्या प्राई० श्री० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिसाक 6 नवम्बर 1974

निर्देश सं० IX/3/21/74-75—यत मुझे, के० वी० गजन  
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है प्रौर जिसकी म० 31 नया आवडि राडि, मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (श्री० इसमें उपादान अनुसूची में श्री० पुर्ण राधे विजित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन माचे 1974 को पर्वतित

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत फैलेख वे अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह वि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण विभिन्न में वास्तविक इष से कथित नहीं किया गया ।—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के अन्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने का कारण मेरे द्वारा अभिनियन किया गया है ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-336GI/74

1 वी० विन्वनुपद्म विग्नन वर्गीय 23, नया आवडि रोड,  
गद्वाम । (अन्तरक)  
2 श्रो गमनलाल गन० पटल 16, बोम्म नेटू स्ट्रीट,  
मद्रास-3। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाना है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास, नया आवडि रोड, नॉर म० 31 मे भमि और भकान (3 ग्रे उग श्री० 1290 स्क्वेयर फीट—श्री० एम० म० 231)।

वी० वी० राजन

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 6-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त का (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, 60/61 कवे एरडवना रोड पूना  
पूना-411004, दिनाक 8 नवम्बर, 1974

निर्देश स० सी० ए० 5/मार्च 74/बरबई/वाई०/142/74-75—  
यतः मुझे, एच० एस० अवैलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० फायनल प्लाट न० 524, हिल्टन लॉज और व्हॉली इंट्री है,  
जो मेन रोड, वाई०-महाबकेश्वर में स्थित है (श्रीरामदेव उपाख्य  
अनुसूची में आंग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बर्म्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 22-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकृत  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तप पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य 'आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्धारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शीरीन आदेशीर वकील, डारा थी एम० एफ०  
मावजी, सालीसीटर, फोर्ट, बम्बई।  
(अन्तरिती)
2. श्री लक्ष्मीदास प्रेमजी तेजानी, 14 कनॉट रोड, पूना-1  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उससे सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उस्तर में किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

"हिल्टन लॉज" और "व्हॉली इंट्री", नीन कुटीयां, वाई०-  
महाबकेश्वर मेन रोड, फ्री-होल्ड, फायनल प्लाट न० 524, पाच-  
गणी।

एच० एम० अवैलख

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

तारीख : 8-11-1974

भोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज पूना-411004

पूना-411004 दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश मं० मी०प०/५/माच०/७४/हवेली-II/143/74-75—  
यतः मुझे, एच० एस० अवैलख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० मि० टि० ए० म० क्रमांक 8/46 है जो गुलटेकडी मुकुदनगर, पूना क्र० 9 मे० स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हवेली-II मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे० पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लेपिट० कर्नल जयत निलकंठ, पाटोले,  
सोलापुर कलब, एट पॅन्ड पोस्ट सोलापुर।

(प्रत्यक्ष)

2. श्री दत्तात्रेय तुलसीगम भुजबल  
श्री रमेश दत्तात्रेय भुजबल  
श्री विलास दत्तात्रेय भुजबल  
711. गरुड़गार पेठ, पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पूर्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति मे० हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे० निए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसमें ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे० यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे० दिया गया है।

### अनुसूची

मि० टी० एस० कमाक 8/46, गुलटेकडी मुकुदनगर, पूना क्र०-9  
क्षेत्र 9100 वर्ग फीट  
बिल्ट अप क्षेत्र 2400 वर्ग फीट। विलिंग 1968 मे० बांधा  
हुई फ्री होल्ड।

एच० एम० अवैलख  
मक्कम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख: 8-11-74

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० पं० एम० ---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयवार आयकर (निरीक्षण)

अंतर्जन रज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश म० ए० मि०/१३४/आर- IV /क्ल०/७४-७५-प्रश्न  
मुझे ए० वट्टाचार्य, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि आयवार सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है  
और जिसकी म० 6 वि. नाला नाजपतगय मरणी है जो  
कलकत्ता मे स्थित है (और इसम उपावन्न अनुमूर्चि मे और पूर्ण स्पृ  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकॉर्ट प्रधिकारी के आयालय रजिस्ट्रार आफ  
असियोरेन्स, कलकत्ता मे भारतीय रजिस्ट्री-एन अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेख के अनगार अन्तर्गत की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि आयालय का सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर्का/  
अन्तरको और अन्तरिती/अन्तरिताओं के बीच तथा पाया गया  
देसे अन्तरण ने निम्न प्रतिपल, निम्नलिखित उदाहरण ग  
उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की बात आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वे अधीन व  
देने के अन्तरक व दायित्व मे वही करने का उम्म  
बचन के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तवा  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 1) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने क  
लिए सुकर बनाना ।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-के शब्दो मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए  
कार्यवाही शर्त करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, म, आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1 श्रीमती प्रतिमा बनर्जी,

64, नाला नाजपतगय मरणी, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

2 श्री मन्द्या राणी राय,

5, दुर्गा पिंडुरी लेन, कलकत्ता ।

3 श्री अनन्तगम मूलननद दोमि और अन्यात्य ।

(बहविक्ति जिसके अधिकारी मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए  
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के पति आधार, वाद कार्ड हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन का अवधि या तन्त्रबद्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मे  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी  
व्यक्ति द्वारा ,

(ख) इस सूचना के राजपत्र पे प्रकाशन द्वा० तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति द्वाहत विसी  
अन्य त्याक्त द्वारा धारानाशक्ति के लिए लिखित  
मे किया जा सक।

एतद्वारा यह अधिनियम द्वारा जाता है कि इस आयवार सम्पत्ति  
के अंतर्गत के प्रति गत गत्ता के उत्तर मे किया गया आधार। वाद कोई  
हो, की सुनवाई वाला नार्य और स्थान नियत रिए जाएगे और  
उक्त द्वारा हार पूर्ण व्यक्ति ना, जिगत एंगा आधार किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आग यह अधिनियम 1961 का 43 के हर पूर्ण  
व्यक्ति है, जिसे पूर्वोक्त पैरा : “गत गत्ता दी गई है आधार  
का सुनवाई व गगप माने गए । निम्न वर्णन होगा ।

**स्पष्टीकरण—**—इसम प्रपत गवाही और पर्दा का जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-के पूर्ण अधिनियम 1961 का 43 होगा,  
जो उम अस्ता मे दिया गया है ।

### अनुसूची

विना राशि द्वारा दी गत्ता माना गया 5 रुपौ  
10 रुपौ रुपौ जो दी गत्ता वाला न गया गरणी  
न बनाना के उत्तराधिनियमी सारा दी जस्ति या अन्तरण लिखित मे  
पूर्ण रूप मे वर्णित है ।

पूर्ण वट्टाचार्य,  
मन्त्रम प्राधिकारी  
गहायन आयवार प्रायुक्त (निरीक्षण)  
प्रजारंजन-IV 54 गपी श्रहमद किदवाई  
गोड, कलकत्ता-16

तारीख 5-11-74  
मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—————

ग्राम्यकर्ता अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) व अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. भुवनेश्वर

भुवनेश्वर दिनांक 6 नवम्बर 1974

निर्देश सं 16/74-75/आई० ए० ग्री० (गोप्यार०)/मूव०/  
यत मुझे, मि० एम० मूर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि ग्राम्यवर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-पये से अधिक है और  
जिसकी सं २५, जो मौजा बैरी में स्थित है (और  
इसमें उपावद्ध अनुमूल्य में और पुणे रूप म वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी ने चार्यालय मव रजिस्ट्रार बटक-II में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 25-3-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के  
दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की  
गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल में, ऐसे  
दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह नि  
अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया  
गया एसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निभन्निति उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिनित म दान्तविक रूप से वितरित नहीं किया गया है —

(क) पृष्ठा १ म दृढ़ । इसी प्राय का बाबत प्रायकर आधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन  
के प्रत्यक्षर के दायित्व म वभी अरन या उसमें बचने  
व लिए सुबृंश बनाना, और/या

(ख) पृष्ठा १मी प्राय या पिर्मी धन या अन्य आम्तिया,  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सूक्त बनाना :

और यत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय २० के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए  
गए हैं।

अत अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् —

1. (1) श्री बामुदेव प्रसाद मोदी
- (2) श्री कन्हाई लाल मोदी
- (3) श्री चन्द्रुर्ज मोदी
- (4) श्री कैलाश प्रसाद मोदी

(अन्तरक)

- 2 श्री विनय कुमार मगटिया  
पिता के० एम० मिगटिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्  
द्वारा कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि काई हो, ता—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधिया तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की  
तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों मे भी  
विसी अविक्त द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त ग्राम्यवर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी  
अन्य अविक्त द्वारा, अधोवस्ताक्षरी के पास लिखित  
मे किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति उस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेप,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसका सूचना हर ऐसे अविक्त को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आग यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे अविक्त को, जिसे पूर्ववती पैग के अधीन सूचना दा गई  
है, आक्षेप की सुनवाई के समय युन जाने के लिए आधिकार  
होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमे पृष्ठा शब्द। और पदा का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43 के  
अध्याय 20-क)मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन और ममान मौजा, वेरो थाना बड़यना, जिला कट्टै  
मे प्रियत है। वठ जमीन 25-3-74 तारीख मे मव रजिस्ट्रार  
फटक-II मे रजिस्टर हुआ, जिसकी डिमेट नू 540 है।

मि० एम० मूर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भुवनेश्वर

तारीख 6-11-74  
मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भगवार

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर,

दिनांक 6 नवम्बर, 1974

निदेश म० पा० स० आर० पठानकोट/प००१०/१४१०/७४-७५  
—यतः मूल्य पौं० एन० मनिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
और जिसकी मध्या धरती जैसा विचर्जनीकृत विलेख नं०  
2617, मार्च, 1974 लिखा है जो मिशन राइ, पठानकोट  
में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में  
भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन मार्च, 1974 का पूर्वोक्त मर्मान्ति के उचित  
बाजार मूल्य ने उस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का दारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह वि अन्तरण (अन्तर्गत) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथा पाया गया। ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य में उका अन्तरण निर्धारित में वार्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण ने हूँ विसी आय का बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उसमें  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का,  
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा  
अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. हरभजन मिह पुत्र अमोलक मिह पुत्र कर्मसिंह,  
बासी मिशन रोड, पठानकोट। (अन्तर्गत)
2. श्री बलदेव राज कालरा पुत्र राम रखबा मल,  
माफेत, मैसम आर० एल० बलदेव राज, कालरा  
गंगु जौक, पठानकोट। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)  
को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।  
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—  
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसरे में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2617 मार्च  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट में लिखा है।

पौं० एन० मनिक  
मध्यम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख: 6-11-74  
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० पं० एम० · · · · ·

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक 1 नवम्बर, 1974

निदेश सं० अं० सं० 189/नि०म०आर०भ०ई०-4/74—यत्  
मुझे श्री ग० स० राव सहायक आयुक्त (निरी-  
क्षण) अर्जन रेंज, 4, बम्बई आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट से अधिक है  
और जिसकी प्लाट क्र० 12, सर्वे क्र० 161( ) हिस्मा क्र० 4 बी  
(अंश), 5ब (अंश), 6 (अंश) और ( ) सर्वे क्र० 31 (अंश)  
है, जो घाटकोपर में स्थित है (प्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में  
और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है)

हे) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
14-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तररक्ष  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उससे  
अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट से कथित- नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर  
बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा  
अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती सुशीला रत्नलाल मंथवी,

पंडे निवास, आग्रा रोड, घाटकोपर, बम्बई-8

(अन्तरक)

2 श्री परमानन्द ग्रे० टी० श्री०, ग्रोर अन्य

7 बीन्टर रोड, रिन रोड, बम्बई-6

(अन्तरिती)

3. मैसर्स जे० पी० ओस०

(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एन्टद्वारा कार्यवाहीया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एन्टद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है संथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एन्टद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घाटकोपर निज धारण की हुई जायदाद ओफिसियल संघर्षी गार्डन  
की प्लाट क्र० 12, सर्वेक्षण क्र०-161, हिस्मा क्र० 4ब (अंश)  
5ब (अंश), 6 (अंश), और सर्वेक्षण क्र० 31 (अंश) माप से  
3826 वर्ग गज मीटर।

ग० मो० राव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 4, बम्बई

तारीख: 2-11-74

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाप्रब्रह्म आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज 4, बम्बई

दिनांक 1 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० श्र० स० 190/नि० स० आ० अ०५०-४/  
74-७५—यतः मुझे श्री ग० स० गय, महायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 4, बम्बई आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
2500/- रुपये से अधिक है श्रीरजिसकी मध्ये सं० क०  
306 (अंश) और 307, हिस्सा अ० 1 (अंश) हैं जो स्थावर  
मुमुक्षु (पश्चिम) में स्थित हैं (श्रीरजसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यालय  
बम्बई में भारतीय राजस्ट्रीकार्यालय अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन 15 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में  
उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 1) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपशारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री जयनीता मोहनलाल भूता श्रीर अन्य

भूता निवास अ० २, किंरज सर्कल बम्बई-१९

(अन्तरक)

2 श्री भुसाफिर मिह श्रीर अन्य

नीलकंठ, ब्रिलडग रजनीशी हिरजी भेजराज रोड,  
मुमुक्षु (पश्चिम), बम्बई-०१ (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है स्था-  
म्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुमुक्षु

वे सभी टुकड़े या जमीन का खींग या जमीन जो प्लॉट नं०  
'एन' जो डॉ गणेन्द्र प्रसाद रोड, के उत्तर की ओर से स्थित है।  
जो गांव मुमुक्षु (पश्चिम) में, प्रौद्र रजिस्ट्रेशन उप-जिला श्रीर  
जिला बम्बई शहर में श्रीर बम्बई उप नगर, जा माप में 1143  
बर्गमीटर है (जो 1365 वगगज के वगवर में) है श्रीर जो भूमि-  
कर-कलेक्टर की पुस्तकों में रजिस्टर है जिसमें उनका सर्वेक्षण  
नं० 306 (अंश) और 307-हिस्सा नं० 1 (अंश) श्रीर असेसर  
श्रीर भू भावों एवं करों के संग्रहक द्वारा 'टी' वार्ड नं० 2508 (2)  
डिवीजन बी श्रीर इस प्रकार विवर है अर्थात् पूर्व की ओर से  
त्यू दन्डीया द्वन्द्विति नं० ३० द्वारा पृष्ठम की ओर से विश्रेता  
की जगद द्वारा की ओर से अश कोनमोलिडेंड त्युमैटिक  
टुकसालिक द्वारा श्रीर अश बगीचे के द्वारा श्रीर दक्षिण की  
ओर से बिश्वेता की मिलकत द्वारा वह सभी जमीन के प्लॉट की  
मोड़गे—घाटकोपर में है।

ग० स० ० राव  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयवत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 4, बम्बई

तारीख: 1-11-1974

माहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 5 नवम्बर 1974

निवेश मं० ए० मी०/133/आर-IV/कल०/  
74-75—यतः मुझे एम० भट्टाचार्य आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 6 बी०, लाल लाजपतराय मरणी है, जो कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावढ अनुमूली में और पूर्ण रूप में  
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ  
प्रसियोरेन्सेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये  
रजिस्ट्रीकर्ता विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे  
अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या अध्यकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के प्रब्लॉमें में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
4-366 GI/74

1 श्रीमती प्रनिमा बनर्जी,

6 ए०, लाला लाजपतराय मरणी, कलकत्ता

(अन्तरक)

2. कमलेश राय (नाबालक)

प्रतिनिधि : निर्मल चन्द्र राय (पिता)।

(अन्तरिती)

3 श्री अनन्तराम भूलचन्द दोसी श्रीर ग्राम्यान्य

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि,  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बिना रेखित 1/4 हिस्सा तीन मंजिला मकान के साथ 5 कट्टा  
10 छांक जमीन के, जो कि 6 बी० लाला लाजपत राय सरणी  
कलकत्ता के उत्तर-पश्चिमी भाग है, जैसे कि अन्तरण लिखित में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० भट्टाचार्य  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज IV 54 रक्षी अहमद किंदवई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 5-11-74

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निदेश मं० एल डी एच/मी०/106/74-75 :—यतः मुझे जी पी० सिह, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० बाखाल अवाना है जो तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रीर इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना शहर, भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 अधीन मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपष्ठारा (1) के अधीन निम्नलिखि व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मंजर अवतार सिह, पुत्र सरदार बहादुर कैप्टन जसवत्स सिह, पुत्र सरदार जगत सिह, निवासी 238, माण्डल टाऊन, लुधियाना। (अन्तरक)

(2) (i) श्री नलतर मिह पुत्रान श्री जागीर सिह,  
(ii) श्री सुरजीत सिह, पुत्र श्री हाजारा सिह,  
(iii) श्री दलजीत सिह, निवासी फतेहपुर आवाना तहसील लुधियाना। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन मिन्ती 4 बीचे 13 विस्वासी जो कि वारवाल अध्याना, तहसील लुधियाना खेबट नं० 268, खतौनी नं० 279, खसरा नं० 262	2-13-4	263	2-2-15
---	--------	-----	--------

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 11912, मार्च, 1974 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिह  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज चण्डीगढ़

तारीख : 12 नवम्बर 1974,  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 नवम्बर, 1974

निवेश सं० एल० डी० एच०/सी०/380/74-75:—  
यतः मुझे जी० पी० सिह, महायक आयकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बाडेवाल भवाना में जमीन, है जो तमहसील लुधियाना में स्थित है (और इस में उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, गढ़वाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मार्च, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती विद्या उर्फ विद्या बी प्रीतम सिह विधवा बर-गेडियर वी प्रीतम सिह पुत्र कैप्टन जसवन्त सिह विल्ली, द्वारा मेजर अवतार मिह पुत्र मरदार बहादुर कैप्टन जसवन्त सिह, निवासी 238 माडल टाउन, लुधियाना (अन्तरक)

(1) (i) श्री नछतर सिह पुत्रान श्री जगीर सिह पुत्र  
(ii) श्री सुरजीत सिह, श्री हजारा मिह,  
(iii) श्री दलजीत सिह,  
निवासी फतेह पुर अवाना, तहमसील, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन मिन्नी 3 बीघे, 6 बिंचे और 6 विश्वासी जो कि बाडेवाल भवाना, तहमसील लुधियाना खेबट नं० 306, खनीनी नं० 355, खसरा नं०

280	277	जैसा कि रजिस्ट्री
1-7-0	1-19-6	

कृत के शिलेख नं० 11913, मार्च 1974 को मब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

(जी० पी० सिह)

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख 12-11-1974

मोहर :

प्रश्न आई० टी० पू० एस० . . . .  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, चंडीगढ़  
 चंडीगढ़, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निवेश म० LDH / C / 381/74-75 :—यतः,  
 मुझे जी० पी० सिह, सहायक आयकर आयुक्त  
 (निरीक्षण), अर्जन रेज, चंडीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961  
 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सभ्यता प्राधिकारी  
 को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
 और जिसकी सं० वाडेवाल अवाना में जमीन है जो तहसील लुधियाना  
 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना शहर में भारतीय  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च,  
 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-  
 मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
 की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
 पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
 प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
 है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
 के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
 लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
 से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती भनजीत कौर उर्फ भनजीत सोही पुत्री बछरी  
 प्रीतम सिह पुत्र सरदार बहादुर जसवन्त मिह, पत्नी करनल जी०

एस० सोही एडमिनिस्ट्रेटिव प्राक्षिपर, अम्बला कैंट, द्वारा सरदार बहादुर बछरी अवतार सिंह पुत्र सरदार बहादुर बछरी जसवन्त सिंह निवासी 238, माडल टाउन, लुधियाना मुख्यालय आम। (अस्तरक)

- (2) (i) श्री नछत्तर सिंह, } पुत्रान श्री जागीर सिंह पुत्र  
 (ii) श्री सुरजीत सिंह, } हजारा सिंह  
 (iii) श्री दल जीत मिह, }

निवासी फतेहपुर अवाना, तहसील लुधियाना को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन मिन्ती 3 बीघे 11 बिस्ते और 4 विस्वासी जो कि बाडेवाल अवाना, तहसील लुधियाना खेवट नं० 348, खतोनी नं० 357, खसरा नं०

281/1	284
1-12-0	1-19-4

दीकृत के विलेख नं० 12018 मार्च, 1974 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिह,  
 सभ्यता प्राधिकारी,  
 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, चंडीगढ़

तारीख : 12 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, घण्डीगढ़

घण्डीगढ़, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निवेश सं० LDH /C/382/74-75 :—यतः, मुझे  
जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, घण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० बाड़ेवाल ग्रामीन में जमीन का एक  
दुकड़ा है जो तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे  
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना शहर, में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
1974, मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
फलित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के  
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

अतः अब धारा 269-ध के अनुसारण में, मैं, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चांद पुत्री वर्णी प्रीतम सिंह पुत्र सरदार बहादुर  
बख्शी जसवन्त सिंह, पुत्र सरदार उजल सिंह, निवासी नई दिल्ली

बंडेवाल गांव, बाड़ेवाल ग्रामीन, तहसील लुधियाना, द्वारा  
सरदार बहादुर बख्शी ग्रवतार सिंह, 238 माडल टाऊन,  
लुधियाना, मुख्यत्वार ग्राम। (अन्तरक)

(2) (i) श्री नछसर सिंह	पुत्रान् श्री जागीर सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह, निवासी कलेह पुर ग्रामीन, तहसील, लुधियाना
(ii) श्री सुरजीत सिंह	
(iii) श्री दलजीत सिंह	

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति हस सूचना के उत्तर में विए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्ट्रीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन मिन्ती 3 बीघे 12 विस्ते और 16 विस्तासी जो कि  
बाड़ेवाल ग्रामीन, तहसील लुधियाना खेड़े नं० 344, खसीनी,  
356 खसरा नं०

276	281
1-8-16	2-4-0

जैसे कि रजि-

स्ट्रीकरण के विलेख नं० 12019, मार्च, 1974 को सब रजिस्ट्रार  
लुधियाना के दफतर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, घण्डीगढ़।

सारीख : 12 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, विनाक 8 नवम्बर 1974

निदेश स० टी० आर०-1614/सि०-440/कल०-1/73-74  
—यथा: मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० 39 एड० 40 लेनिन सरणी (पहले धर्मतल्ला स्ट्रीट) कलकत्ता जो, ——में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एथ्योरेंस 5 गवर्नमेन्ट प्रैस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तररक (अन्तरकर्क) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यथा: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अनिमित्तित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मुहम्मद साबुद्दिया (अन्तरक)  
(2) भिरेन्द्र सिंह राईदणी

6, टेम्पल गेट, कलकत्ता-13. (अन्तरिती)

(3) 1. श्री आसुतोष बथनार्मि.

2. श्री हृसिंहोस घोप

3. श्री नागेन्द्र नगेनदास भांगी

[वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्राकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

39 एड० 40 लेनिन मरणी (पहले धर्मतल्ला स्ट्रीट) कलकत्ता में अब स्थित हूँ का मकान का आधा हिस्सा।

एम० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, पि-13, औरंगी-स्कोयर  
कलकत्ता-1.

तारीख : 8 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० एमि०-५६/प्रार०-II/कलकत्ता/७४-७५ :—यतः,  
मुझे, आर० एल० बुटानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लाट सं० 100, 105 इत्यादि और ख० सं० 694, 696 इत्यादि है, जो भौजा-जोका, घाना-बे हाला, जिल्ला-24 परगाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय रेजिस्ट्रार आफ एच्युरेन्स, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 मार्च, 1974 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

वासः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स इन्डिया एंटीमोबिल्स (1960) लिमिटेड, 12-गवर्नरेन्ट प्लेस हस्ट कलकत्ता- (अन्तरक)

(2) मैसर्स कारावन स्टील (प्र०) लिमिटेड), 2, गणेश चन्द्र एवन्यू, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है उस सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दो गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट सं० 100, 105, इत्यादि और ख० सं० 694, 696 इत्यादि का, 1 विधा, 14 कट्टाज, 5 चिट्ठावस और 39 बर्न फीट क्षेत्रफल का खाली जमीन जो भौजा-जोका, घाना-बे हाला, जिल्ला-24 परगाना में है।

आर० एल० बुटानी,  
सक्षम प्राधिकारी—

सहायक आयकर आयुक्त (प्राधिकार)  
प्रजन रेंज-II, पि०-13, चौरंगी स्कोपर कलकत्ता-1

तारीख : 26 अक्टूबर, 1974

मोहर :

## प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिसंबर 8 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० टि० आर०-1658/सि०-448/कल०/73-74:—यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है और जिसकी सं० 12/1 है, जो हांगार फोड स्ट्रीट प्लाट न० 5 कलकत्ता-17 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अधिसिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जितेन्द्र नाथ चमदाजि, 12/1, हांगारफोड स्ट्रीट कलकत्ता-17। (अन्तरक)

2. श्रीमान सुजाना ओम दस्तिवार 23 सी, फार्ण रोड कलकत्ता-19। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

12/1, हांगार फोड स्ट्रीट कलकत्ता-17 अब स्थित मकान का प्लाट न० 5।

एस० के० चक्रवर्ती

संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

तारीख : 8 नवम्बर, 1974।

मोहर :

प्र० आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1974

मिर्देश सं० ए० सि० 65/आर०-II / कलकत्ता/74-  
75 :—यतः, मुझे आर० ए८० बुटानी आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित भाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और  
और जिसकी भ० 57/2 है, जो डायमन्ड हारवर रोड, थाना-इक-  
बालपुर कलकत्ता में स्थित है और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार  
एन्सुरेन्स कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण, अधिनियम, 1908  
1908 का 16 के अधीन 17 मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-  
पात अधिक है और यह कि अन्तरज्ञ (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण  
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये  
हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्ता :—

1. अमिता गनी दा 62-ए०, जय मिलर स्ट्रीट कलकत्ता  
(अन्तरक)

मेमस ल्यन्ड्स हाउसिंगम् आन्ड डेवलेपमेंट क०  
3, मेन्गो लेन, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-  
द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पंचांधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वष्टीकरण—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 57/2, डायमन्ड हारवर रोड, थाना, इक्बालपुर,  
स्थित 1 विधा, 1 छिटांक 41, वर्ग फुट जमीन का अभिवाजित  
पांच का एक डिम्पा।

आर० एल० बुटानी,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

तारीख : 26 अक्टूबर, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एव० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० ए० सि०-६६/आर-II/कल० ७४-७६ :—यतः,  
मुझे आई० टी० एव० एस० बुटानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है  
और जिसकी सं० 57/2 है, जो डायमन्ड डारवार रोड, धाना इक-  
बालपुर, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय रेजिस्ट्रार  
आफएसुरेन्स, कलकत्ता में भारतीय राजस्टीकरण अधिनियम  
1908 1908 का 16 के अधीन 7 जून, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विसेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के  
अन्तरक के धार्यात्म्य में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961,  
(1961 का 43) या बन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यालय गुरु करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किये गये  
हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपचारा  
1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी :—

1. श्रीमती अजन्ना रामी दत्त, 146, बान्गूर पार्क, इन्डिया  
जिला बुटानी ।

2. मेसारस लाम्डस हाउसिंग्स आन्ड हेभोलपमेन्ट को०  
3, मानो लेन, कलकत्ता-1।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद-  
द्वारा कार्यवाहियां गुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के  
यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

सं० न० 57/2, डायमन्ड हावर रोड, धाना इकलबालपुर  
कलकत्ता में स्थित 1 विधा 2 चिठ्ठाक 41 वर्ग कीट क्षेत्रपल का  
जमीन अभिवाजित पौधा का ए के हिस्सा।

आर० टैल० बुटानी  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)  
पि० 13, चौरंगी स्कौथार, कलकत्ता-1

तारीख : 26 अक्टूबर 1974

मोहर :

प्रृष्ठा प्राईंट ई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० टि० आर०-1644/सि०-416/कलकत्ता-1/  
73-74:—यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 43) की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति;  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 26/1, है, जो रक्ती अहमद किदवाई रोड कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार  
ऑफ एस्टोरेन्स 5 गवर्नरमेन्ट प्रैस नार्थ कलकत्ता में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
30 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण  
विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या छनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-वाँ की उपस्थाता (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. महम्मद ईसमाई । (प्रत्तरक)

2. महम्मद मितु मियां । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ । ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बढ़ किसी व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास  
सिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

26/1, रक्ती अहमद किदवाई रोड कलकत्ता में प्रवस्थित  
5 कट्टा-15 छटाक 6 वर्ग फिट जमीन पर प्रविभाजित आंशिक  
चार मंजिल और आंशिक पांच मंजिल मकान का 1/4 हिस्सा ।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I पि०-13, औरंगी स्कोयर, कलकत्ता ।

तारीख : 11 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१ कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं. टि० आर०-1643/सि०-417/कल०-३/73-74.—यत्, मुझे एस० के० चक्रबर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. 26/1, है, जो रफि अहम्मद किदवाई स्थित रोड में है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एयमुरेन्स 5, गवर्नमेन्ट प्रेस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः बब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वर्णन्यों अस्ति:

1. महम्मद इसमाईल

(अन्तरक)

2. महम्मद जुलाम रसुल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत कि जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

26/1, रफि अहम्मद, किदवाई रोड, कलकत्ता में अब स्थित लगभग 5 कट्टा 15 छाँटक 6 वर्ग फीट जमीन पर आशिक चार और आशिक पांच मजिला का मकान का 1/4 हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-१

पि०-१३, चौरागी स्कोयर कलकत्ता

तारीख : 11 नवम्बर, 1974  
मोहर

## प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टि० आर०-1642/मि०-415/कल०-1/73-74.—यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सभी प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 26/1, है, जो रफि अहमद किंदवाई रोड कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एयसुरेन्स 5, गवर्नमेन्ट प्रेम कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया। ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

## 1. महम्मद ईसमाईल

(अन्तरक)

## 2. सौकत ग्रली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्तीं पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :** इसमें प्रयुक्त शब्दों और गद्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रयोगरिप्राप्त है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

26/1, रफि अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता में अब स्थित लगभग 5 कट्टा 15 लांटा 6 वर्ग फीट जमीन पर आशिक घार और आंशिक पाच मजिल का मकान का 1/4 हिस्मा।

एस० के० चक्रवर्ती  
सभी प्राधिकारी

महायक आयकर आयवत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1.

पि०-13, चौरांगी स्कोयर कलकत्ता।

तारीख : 11 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० -----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज ।, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० दि० मार०-1641/सि०-414/कल०-1/73-  
74—यह मुझे एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 26/1, है, जो एफ० अहमद किंदवाई रोड कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एयसुरेन्स 5 गवर्नमेन्ट प्रैस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में धार्मिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अब, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. महम्मद ईसमाईल (अन्तरक)  
2. रामजन आली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा विस्तृत अभ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

26/1, रफी अहमद किंदवाई रोड में० 5 कट्टा 15 छटांक 6 वर्ग फिट, जमीन पर आविभाजित चार श्रीर प्रांगिक पांच मजिल का मकान का 1/4 हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1

पि० -13, चौरंगी स्कोपर, कलकत्ता

तारीख . 11 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज 1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० टि० प्रा०-1657/सि०-447/कल०-1/ 73-74 :—यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है और जिसकी सं० 25-ए० है, जो चांदनी चक कलकत्ता-1 में स्थित और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार प्राफ एन्सुरेन्स 5, गवर्नरमेन्ट प्रेस, नार्थ कलकत्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अवधि :—

1. श्री मानन रमेश आला कुन्डु चौधरी (अन्तरक)
- (1) हामी शेख इंद्रिस आली
- (2) शेख तफालेल आली

(3) शेख माकाईल (पिता और कर्ता शेख उनास आली)

(4) शेख महम्मद फाठक (पिता और कर्ता) हामी शेख याकूब आली) (अन्तरिती)  
(वह अविक्त जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है )

1. हुगली मेरिना इनजिनियर एण्ड ट्रांसपोर्ट सर्विस
2. ए० एस० एस० जालाल महम्मद एण्ड को०
3. आबुनसर कुन्डुभी
4. शेख सेलेमान
5. महम्मद आफसर आली
6. आनीशुल माखतार
7. सौकत आली मिहूडे
8. सराफतउल्ला
9. याकूब मलिक
10. नभद्र इसलाम

(वह अविक्त जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है )  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां मुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे अविक्त को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अविक्त को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

25-ए, चांदनी चक स्ट्रीट कलकत्ता में अब स्थित 5 कट्टा 12 छटांक 36 वर्ग फीट जमीन पर अविभाजित दो मंजिल का मकान का आधा हिस्सा।

(एस० के० चक्रवर्ती)

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज—१

पि०-१३, चौरंगी स्कोयर कलकत्ता

तारीख : 11 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़,

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश मं० टि० आर०-1637/सि०-435/कल०-1/73-74 :—यतः, मझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 25-ए०, है, जो चाँदनी चौक स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एयसुरेन्स, 5 गमर्वेन्ट ब्रेम नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेद के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तर को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धर्म या अस्थ अस्तिवृतों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धर्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए नार्याहारी शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री समरेन्द्र मोहन कुम्हु चौधरी (अन्तरक)

(1) हाजी शेख, इन्ड्रीस आलि

(2) शेख ढाफ़ज़ल आलि

(3) शेख भाकाईल (पिता की ओर कर्ता अनास आलि)  
(4) शेख मुहम्मद यामक (पिता की ओर कर्ता हाजी शेख जाकुब आलि) (अन्तरिती)

(1) हुगली—मेरिंग इंजिनियारिंग एंड ट्रान्सपोर्ट समिति

(2) ए० एण्ड एस० एस० जासान आहमद (एण्ड को०)

(3) आबुनासर कुनदामि

(4) शेख सोलेमान

(5) महम्मद श्राफ़सर आलि

(6) आनिजुल आकतर

(7) सौकत आली—मिश्ने

(8) सराफतउल्ला

(9) याकुब मलिक

(10) नम्रुल ईमलाम (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्तीं पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25-ए० चाँदनी चौक स्ट्रीट कलकत्ता में 5 कट्टा 12 छटाक 36 वर्ग फिट जमीन पर आविभाजित दो मंजिल मकान का आधा हिस्सा ।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज—।

पि०-13, चौरांगी स्कोयर कलकत्ता ।

तारीख : 11 नवम्बर 1974 ।

मोहर :—

प्र० रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सि० 142/आर० IV/कल०/74-75 :—  
यतः, मुझे एस० भट्टाचार्य, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 166 पि० ए० माह रोड है, जो कलकत्ता में स्थित है और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेहाला में आलिपुर के ज्यायन्ट सब-रजिस्ट्रार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत खिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेंन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-366GI/74

1 गोविंद साल बन्घुर, 65 शार हरिराम गोपेंका स्ट्रीट,  
कलकत्ता ।  
(अन्तरक)

2. बन्घुर लैन्ड इ० कार० लि०, 5, देशप्राण शासमल रोड,  
कलकत्ता-33 ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजेन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

'क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अजेन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किय जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

स्वतियान सं० 562, 585, सि० एस० धान सं० 274 के प्रश्न मौजा-आरकपुर, परिमाण- 3 कठु 5 छटांक, 166 पि० ए० माह रोड, थाना-टालिगंज, कलकत्ता ।

एस० भट्टाचार्य  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज IV, 54 रफी अब्दुल किदवाई  
रोड, कलकत्ता-16 ।

तारीख : 11 नवम्बर, 1974

मोहर .—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—————

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० ए० मि०/१३८/प्रार० IV/फल०/७४-७५.—  
यतः, मुझे एस० वट्टाचार्या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
मं० 21/2 ए०, है, जो मनोहर पुकुर रोड कलकत्ता  
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आंक अभियो-  
रेन्सेम कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 25 मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से उस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल । पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. विद्युतक्षण पाल, ३७६/१, ल.क.जि.०, न्य० आदिपुर  
कलकत्ता ।  
(अन्तरक)
2. राजदूत कोआपरेटिव हाउसिंग सोमाईटि लि० ९, हेयर  
स्ट्रीट, कलकत्ता ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यवितयों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही ३४  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

21/2 ए०, मनोहर पुकुर रोड, कलकत्ता, परिमान-3 कट्टा  
11 छटांक 30 स्कोपर फिट जैसे के अन्तरण लिखित में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है ।

(एस० वट्टाचार्या),  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज IV, ५४ रफि अहमद  
किदवाई रोड, कलकत्ता-१६.

तारीख : ८ नवम्बर, 1974

मोहर :—

प्रह्लाद आई० टी० एन० एस० —————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश म० ग० मि० 140/आर० IV/कल०/74-75.—

यतः मृद्दृ, एस० भट्टाचार्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्रैमिसेन म० 166, पि० ए० शाह रोड, थाना टालिगंज है, जो कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय जाथन्ट बद रजिस्ट्रार आप्र आलिपूर पट बेहाला में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12 मार्च, 1974, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया गेम्स अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः ग्रब, धारा 269-प के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जतः—

1. गोविन्द लाल बन्दुर, 65 सर हरिराम गोयेन्का स्ट्रीट  
कलकत्ता (अन्तरक)

2. बन्दुर लैड डेवेलपमेन्ट कारपोरेशन लि०, 5 देश प्राण  
शाममल रोड, कलकत्ता-33 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उनकी सूचना हर एसे व्यक्ति को, जिसने एसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर एसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रथम स्वदो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खतियान स० 556, सि० एस० दाग स० 272/108 के अंश,  
मौजा आरकपुर, परिमाण-7 कट्टा, 166 पि० ए० ए० शाह रोड  
थाना-टालिङंज, कलकत्ता

एस० भट्टाचार्या  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज IV, कलकत्ता  
54 रफी महमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 11 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सि०/144/प्रौर०-IV/कल०/74-75—यतः,  
मुझे, एस० भट्टाचार्या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 166 पि० ए० शाह रोड, कलकत्ता है, जो  
कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपानुक्रम अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेहाला  
में आलिपुर के युक्त सब रजिस्ट्रार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-३-१९७४  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गोविन्द लाल बान्जुर, 65 शर हरिराम गोयंका  
स्ट्रीट कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री बान्जर लैन्ड डेवेलपमेन्ट फरपोरेशन लि० 5 देशप्राण  
सामग्री रोड, कलकत्ता-33 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खतियान सं० 123, 125 सि० एस० बाग सं० 3, 3/35  
के अंश मौजा—गोविन्दपुर, परिमान-- 6 कट्टा 14 छाटांक 35  
स्कोयार फिट, 166 पि० ए० शाह रोड, धाना—टालिंग,  
कलकत्ता।

एस० भट्टाचार्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज IV, 54 रफि भहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख 11-11-1974

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आयकर  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सि० 143/आर०-IV/कल०/74-75—  
यतः, मुझे, एस० भट्टाचार्या आयकर अधिनियम,<sup>1</sup> 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 166 पि० ए० शाह रोड, है, जो कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुपूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बेहाला में आलिपुर के युक्त सब रजिस्ट्रार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया, ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के प्रावदों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

जतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

गोविन्दलाल बन्जर, 65, शर हरिराम गोयेका स्ट्रीट,  
कलकत्ता । (अन्तरक)

2. श्री बन्जूर लैन्ड डॉ कर० लि० 5, डि० पि० एस०  
रोड, कलकत्ता 33 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खतियान सं० 562, 578 सि० एस० दाम सं० 273 के  
ग्रंथ मीजा—भारकपुर, परिमान—6 कट्टा 11 छटांक 166  
पि० ए० शाह रोड, याना—टालिगंज, कलकत्ता ।

एस० भट्टाचार्या  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज IV, 54 रफि अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 11-11-1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निवेश म० पृ० ३० आर०/ग्वालियर/1-3-74—यतः, मुझे,  
एम० एफ० मुन्ही

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म०० मकान वार्ड न० 8 है, जो जिवाजी गज ग्वालियर में स्थित है (और इसमें उपांच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-3-1974 को, पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के उचित रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आदि था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के माध्यम से पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अमिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती विद्या देवी पन्नी श्री दरजन लाल  
(2) श्रीमती शान्ति देवी पति श्री रमेशचन्द्र (3) श्रीमती  
शरला देवी पति श्री ठाकुर प्रसाद व्यास पन्त पुरा मरेना  
(अन्तरक)

2. श्रीमती सुनीति देवी देवा पति श्री देवी राम व्यास जिवाजी  
गज मरेना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्वष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान स्थित वार्ड न० 8 में जिवाजी गज मरेना

पृ० एफ० मुन्ही,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 7-11-1974

मोहर :

प्रेरुण आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1074

निर्देश सं० एम० आर०/रायपुर/6-3-74—यतः, मुझे,  
एम० एफ० मुन्ही आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० म० न० 24/496, / 24/497 है, जो रायपुर में स्थित है, (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीबृत दिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के सिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने वे लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाही शुरू बरने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन लाल पुत्र श्री प्रभू नाथ वर्मा निवास प्राम उड़ेला तह० बालोदा बाजार जि० रायपुर (ग्रन्तरक)

2. श्री राम प्रसाद पुत्र श्री गोविन्द प्रसाद वर्मा निवास दिर्घी तह० बालोदा बाजार जिला रायपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ पूरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० न० 24/497 और 24/496 नया न० 2625 स्थित  
बांव मुहूला तात्या पारा वडै न० जिला रायपुर ।

एम० एफ० मुन्ही  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज भोपाल

तारीख : 7-11-1974

मोहर :

प्र॒ल्प आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर०/उज्जैन/20-3-74—यतः, मुझे,  
एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० दोमंजिला मकान निजादपुरा उज्जैन में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रपजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 20-3-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथा पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

- (क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. ठाकुर हरि मिह पुत्र ठाकुर माधो सिंह जी  
2. श्रीमती भगवती बाई पत्नि श्री ठाकुर माधो सिंह जी  
निवास निजादपुरा, उज्जैन। (अन्तरक)
- (2) 1 श्री अनिल कुमार साबू 2, श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र  
श्री आशाराम जी साबू निवास निजादपुरा, उज्जैन  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में प्रयोगपरिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दोमंजिला मकान स्थित नजर अली मार्ग निजादपुरा  
उज्जैन।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भोपाल।

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) का कार्यालय

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

अर्जन रेंज, भोपाल

निर्देश सं० एस० आर०/ग्वालियर/2-3-74—अतः, मुझे,  
एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० म० न० पुराना 90/668 माधोगंज लक्षकर,  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 2-3-74

को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और भुजे पहुँचित विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचम्पे के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

असः, अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—366G1/74

1. श्री बाबू लाल पुत्र श्री रामचन्द्र जी माधोगंज लक्षकर (अन्तरक)
2. श्री कृष्णन 2. नन्द किशोर पुत्रगण श्री चतुर्भुज ग्रामवाल माधोगंज लक्षकर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

म० पुराना म० 10/668 नया न० 38/582 माधोगंज,  
लक्षकर।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहर

प्र० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश सं० प्र० आर०/उज्जैन/27-3-74—अतः, मुझे,  
एम० प्र० मुन्ही,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि रथाघर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० म० न० 6/2167 दशहरा मैदान, उज्जैन  
में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन  
में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 27-3-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, इधाने लिए सुकर बनाना।।।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हुकम चन्द्र पुल श्री मोती लालजी, लोहारिया,  
हीरा मिल्स क्वार्टरस, आगरा रोड, उज्जैन (अन्तरक)
2. श्रीमती विद्यावती वाई पनि श्री चमन लालजी  
नस्ला शीर सागर, उज्जैन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार हूँगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थः ये,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 6/2167 स्थित दशहरा मैदान माधोनगर,  
उज्जैन।

एम० प्र० मुन्ही,  
मकान प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भोपाल।

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहरः

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निदेश सं० ए०स० आर०/इन्डौर/12-3-74—अतः, मुझे, ए०म० ए०फ० मुन्ही, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जसकी मं० म० नं० 21 मिक्व भुहल्ला, इन्डौर में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्डौर में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-3-74 को को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में वम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिकी (अन्तरिक्तियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अध् धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नरहरि राव मन्हार राव होलकर निवास काशी राव दादा होलकर ब्रिनिंग फैक्ट्री, सनशाद (ए०म० पी०) (अन्तरक)

2. श्री विठ्ठल दास मगनलाल मेठ 21 मिक्व मुहल्ला मेन रोड, इन्डौर। (अन्तरिकी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाना है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, को सुनवाई के लिए आरीख और ध्यान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अतिरिक्त को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० नं० 21 स्थित सिक्ख मुहल्ला मेन रोड, इन्डौर,  
3 मंजिला मकान बगैरा बगैरा।

ए०म० ए०फ० मुन्ही,  
मक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भोपाल।

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 87 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर०/भोपाल/5-3-74—यतः, मुझे,  
एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी स० म० वाई न० 9 मैं नूरमहल रोड, भोपाल,  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में  
भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 5-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
सिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचह प्रतिशत अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजमल उर्फ रजू लाल पुजा श्री बाल मुकुन्द राठोर निवास ग्राम भोरी त० भोरी जिला भोपाल (अन्तरक)
2. श्रीमती रामकली देवी पति श्री ग्यारसी लाल राठोर
3. श्रीमती शरला देवी राठोर पति श्री शिवनारायण जी
4. राम दुरलारी पति श्री द्वार्का प्रसाद वर्मा निवास नूरमहल रोड, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों को सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

2 मजिला मकान वार्ड 9 स्थित नूरमहल रोड इमारी गट, भोपाल।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सि०/१३९/प्रार० IV/कल०/७४-७५—यसः;  
मुझे एस० भट्टाचार्या, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 21/2 ई है, जो मनोहर पुकुर रोड कलकत्ता  
में स्थित है और इससे उपाखद अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से अर्णत है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एस्यो-  
रेन्सेस कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 25 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. विद्युत कणा पाल 376/1, ब्लाक-जी, न्यू आलिपुर,  
कलकत्ता।  
(अन्तरक)
2. राजदूत कोआपरेटिव हार्डिंग सोसाइटी लि०, 9, हेयर  
स्ट्रीट, कलकत्ता।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहिणी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अप्राप्तिकारी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभासित है, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

21/2 ई मनोहर पुकुर रोड,  
कलकत्ता, परिमाण 3 कट्टा :  
12 फ्टोंक 2 स्केप्टर फिट।

एस० भट्टाचार्या,  
सक्षम प्राधिकारी  
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज IV,  
54 रफी अहमद किंदवार्द रोड, कलकत्ता-16

तारीख 8 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निवेश स. एस० आर०/इन्डौर/28-3-74—यत्, मुझे,  
एम० एफ० मुन्ही

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० म० न० 982/9 है जो जवाहर मार्ग, इन्डौर में  
स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्डौर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 28-3-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अमर्त्यित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवश्यक आयकर<sup>1</sup>  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कर्ता करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को  
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर प्रधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती भारती वाला उर्फ कैलाशवाई पति देवेन्द्र<sup>2</sup>  
कुमार जैन ठिकाना 76 मल्हार गज गली नं० 3, इन्डौर  
(अन्तरक)

2. (1) श्री शंकर लाल (2) प्रेम नारायण पिता  
नारायण दास संगी ठि० 158 एस० टी० कलाथ मार्कीट,  
इन्डौर । (अन्तरक)

को यह सूचना आगे कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तापील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा मह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई  
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अतिरिक्त को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है  
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर<sup>3</sup>  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

जवाहर मार्ग नं० 142/1, का मकान इन्डौर।

एम० एफ० मुन्ही,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक 7 नवम्बर 1974  
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश मं० एस० आर०/बरहानपुर/22-3-74—यतः; मुझे,  
एम० एफ० मुन्ही, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक  
और जिसकी सं० लाट नं० 177/1 राजपुरा में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरहानपुर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 22-3-74 की

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विसेष के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, सिपाने के  
लिए मुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोंत सम्पत्ति के अंजन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपकारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कृष्ण राव विज्ञु जोशी श्रीमती लक्ष्मी वाई  
पति श्री किशन राव जोशी निवास राजपुरा बरहानपुर  
अभि डोंगरे बाग, दादर बर्मड़। (ग्रन्तरक)

2. श्री लक्ष्मण पुव श्री श्याम जी महाजन निवास गांव  
चिन्नावल तह० गन्डेर जिला जलगाव महाराष्ट्र (ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोंत सम्पत्ति के अंजन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित  
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए सारीबा और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आमे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**प्रधानकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लाट नं० 177/1 पर बना मकान लालक नं 82 स्थित  
शाम राजपुरा तह० बरहानपुर।

एम० एफ० मुन्ही,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भोपाल।

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहर :

प्रस्तुत प्राईंटी० टी०एन० एस०-----  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269वाँ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निवश सं० टी० आर०/1684/मी०-467/कल०-I/73-74--  
यतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43  
की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 161 है, जो मुक्ता राम बाबू स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
रजिस्ट्रार आफ एन्सुरेन्स 5, गवर्नरमेंट प्रेस नार्थ कलकत्ता में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 11-3-74  
को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय  
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने  
के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-के शब्दों में पुर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं

अन: अब, धारा 269वाँ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वाँ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- |                            |            |
|----------------------------|------------|
| 1. विळु प्रापरटोज लिमिटेड। | (अन्तरक)   |
| 2. कमल किशोर भगत           | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पुर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-  
द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रतिशेष यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45  
दिन की अवधि, तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर परोक्ति व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में  
किए जा सकें।

एतद-द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किए गए शाक्षेषों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत बुक किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा शाक्षेष  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिकों को दी जाएगी।

एतद-द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, शाक्षेषों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20 के यथापरिभावित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

161, मुक्ता राम बाबू स्ट्रीट, 9 कट्टा 10 वर्ग फीट,  
जमीन पर आंसिक तीन तल्ला और आंसिक चार तल्ला का  
इंट का मकान।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, I,  
पी० बी० चौरंगी स्कवायर, कलकत्ता-1

दिनांक : 11 नवम्बर 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मंत्रालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश मं० टी० आर०/1656/सी०-446/कल०-1/73-74  
—यतः, मुझे, एम० के० चक्रवर्ती,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी मं० 39 एण्ड 40 है, जो नेतृत्व सारणी (पहले  
धर्मतला स्ट्रीट) कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद  
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ एस्टुरेन्स 5 गवर्नर्मेंट ब्लैक्स नाथ कलकत्ता  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 16-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-  
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथ याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से क्षयित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
9—366 GI/74

1. मुहम्मद माबहीन (अन्तरक)

2. अशोक कुमार महेदणी, 6, टैम्पल स्ट्रीट, कलकत्ता-13  
(अन्तरिती)

3. (1) प्रासुतोष बनार्जी,  
(2) अहंकिष घोष,  
(3) नगेत दास भांगी

(यह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में व्यापारिकायित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

39 एण्ड 40 नेतृत्व सारणी (पहले धर्मतला स्ट्रीट)  
कलकत्ता में अब मिठन इंड का मकान का आधा हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती,  
मंत्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 5,  
पी० 13 औरंगी स्कोपर, कलकत्ता

दिनांक : 8 नवम्बर 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर०/रत्नाम/13-3-74—अतः,  
मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹ से अधिक है  
और जिसकी सं० नि० नं० 87 सूभाष मार्ग रत्नाम में स्थित  
है (और इसमें उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रत्नाम में भारतीय  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
13-11-74 की पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिये  
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अंतरण के  
लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण ऐसे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्वारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री रूप चन्द (2) श्री चान्द मल पुत्र श्री खेमराज  
(3) रत्न लाल (4) हम्मी मन (5) गिरधारी लाल रूप चन्द  
(6) मानक लाल पुत्र श्री चान्द मन वांहरा महाजन निवास  
पीपल खंडा अभि रत्नाम।  
(अन्तरक)

2 श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री चान्द मल जी (2)  
श्रीमती डाक्टर प्रेमा पति राजेन्द्र कुमार भन्डारी रत्नाम  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आमे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर<sup>अधिनियम, 1961 (1961 का 43)</sup> के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
मर्यादा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

म० मि० न० 87 एरिया 2777 कर्ग फ्रूट स्थित सूभाष  
मार्ग, धामत्तडी, रत्नाम।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1974

निवेश सं० एमि-60/आर-II/कलकत्ता/74-75—यतः, मुझे  
आर० एल० बुटानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2/3, 3, 5 और 6/1, घर्डवान रोड और 9, 10,  
11 आलिपुर पार्क प्लेस का अंश है, जो अलिपुर, कलकत्ता-27 में  
स्थित है और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-3-1974 के पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेय के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तम पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतरन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

केलखिम जूट कम्पनी लिमिटेड,  
3, नेताजी सुभाष रोड,  
कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(1) श्री भवानी शंकर तिजोरीवाला,  
(2) श्री अशोक कुमार तिजोरीवाला,  
(3) श्री सुरेश कुमारी तिजोरीवाला ।  
66, आयमन्ड हाईवर रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तसम्पत्ति को अंजन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

आलिपुर, कलकत्ता में सम्पत्ति सं० 1/3, 3, 5 और 6/1, घर्डवान रोड और 9, 10, 11, आलिपुर पार्क प्लेस के अंशों से बना हुआ, 13 फ्लॉस, 2 बिट्टार्क्स, और 4 3-3/4 बर्ग फीट क्षेत्रफल का जमीन है।

आर० एल० बुटानी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंजन रेंज पि-II, चोरंगी स्कोपर, कलकत्ता

तारीख : 16-10-1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टि० आर० 1665/सि०-453/फ०-1/73-74  
यतः, मुझे एस० के० चक्रबर्ती  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी  
सं० 40 है, जो श्री अरबिन्द सरणी, कलकत्ता-5 में  
स्थित है (और इससे उपाखन अनुसूची में और पृष्ठ से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार आंक  
एयसुरेन्स 5, गर्वनमेन्ट प्रेस, नार्थ कलकत्ता, में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908-(1908 का 16) के अधीन 20-3-  
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मैंने यह विवास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
करने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या  
उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए  
या छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 दासभिहारी बासु  
73 ए, पूर्ण दास रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2 गोबिन्द चन्द्र नाग  
52/1, बेनियातोला स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

**अनुसूची**

40, अरबिन्द सारणी, कलकत्ता में अवस्थित 5 कट्टा 13  
छटांक जमीन पर अविभाजित मकान का 1/4 हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-॥  
पि० - 13, चौरांगी स्कॉयर कलकत्ता

तारीख : 11-11-1974  
मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, महापक्ष आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंथन रेंज, अमृतसर  
दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश स० ए० सी०-६७/आर०-११ /कलवत्ता/७४-७५—  
यत्, मुझे एल० के० बाला गुप्तामनियम

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी सं० 2 है, जो राजा मन्तोष रोड कलवत्ता में स्थित है और इससे उपाबूझ अनुसूची में और पर्ण स्पष्ट में वर्णित है रजिस्ट्री-वर्णा अधिकारी के वार्यालय नेशनल आफ एजुरेन्सेन कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीवरण अधिनियम 1908-1908 का 16 के अधीन 19 26-३-1974।

फरवरी, को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री लक्ष्मण प्रसाद पोद्दार,  
ए०/९/२, बमन विहार, नई दिल्ली-५७।  
(अन्तरक)

2. नि इन्डियन कार्डबोरड इन्डस्ट्रीज लिमिटेड,  
१६, नेताजी सुभास रोड, कलकत्ता-१  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा बक आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ ही गा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

लोट० बि०, चिन्हित, ९ बीघा, १ काट्टा, २ चिहास्स, और २३ बगैं फीट क्षेत्रफल के जमीन के साथ, ५० का बना दी मजीले मकान। जो २५ राजा मन्तोष रोड, कलकत्ता का अस है।

एल० के० बाला मुप्रामनियम,  
मक्षम प्राधिकारी  
महापक्ष आयकर आयुक्त  
निरीक्षण, ग्रंथन रेंज-II  
पि०-१३, चोरगी स्क्वायर, कलकत्ता

तारीख : 11-11-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना  
  
भारत सरकार  
  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चन्डीगढ़  
156, सैक्टर 9-बी०  
चन्डीगढ़, दिनांक 12 नवम्बर 1974

मिंदेश सं० एम० एल० को०/१७४-७५—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन है जो गांव दरियापुर में स्थित है (प्रोट इससे उपाख्य ग्रन्ति सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय मलेरकोटला, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपलाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री हजूरा सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह गांव दरियापुर, तहसील मलेरकोटला (अन्तरक)
- (2) (1) श्री महिन्दर सिंह पुत्रान, श्री रत्न सिंह
- (2) श्री सिकन्दर सिंह पुत्रान, श्री रत्न सिंह
- (3) श्री ज्ञान सिंह
- (4) श्री सुखवेद सिंह निवासी गांव दरियापुर, तहसील मलेरकोटला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेवाले किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

गांव दरियापुर में जमीन मिन्ती 20 बीघे 3 बिस्ते जिसका बसरा नं० 64/11-15 और 85/8-8 है।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चन्डीगढ़

तारीख : 12-11-74

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ······  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भृंजन रेज, चन्डीगढ़ 156, सफ्टर 9-बी०

दिनांक 12 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एम० एल० के०/१०/७४-७५--यतः, मुझे जी० पी० सिह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चन्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है, जो गाँव दरियापुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ याद गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी विसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1 श्री हजूरा सिंह पुन्न श्री सुन्दर सिंह, गाँव दरियापुर, तहसील मलेरकोटला (अन्तरक)
- 2 (1) श्री मुहिन्द्र सिंह  
(2) श्री ज्ञान सिंह,  
(3) श्री मिकन्दर सिंह  
(4) श्री सुखदेव सिंह—पुत्रान श्री रवा सिंह निवासी गाँव दरियापुर तहसील मलेरकोटला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गाँव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

गाँव दरियापुर में, जमीन गिन्ती 10 बिघे 13 बिस्ते जिसका  
खसरा नं० 63 119 122 स्थित है।

6-11 3-10 0-6

जी० पी० लिह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चन्डीगढ़

तारीख : 12-11-1974  
मोहर :

प्रृष्ठ आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० ए०सि०/१३७/आर०- IV/कल०/७४-७५:—  
यह, मुझे एस० भट्टाचार्य, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी प्लाट सं० 52, सि० आई० टि० स्कीम सं० VI एम०,  
प्राक्लन प्रैमिसेस सं० 29, काकारगाछि रोड, है, जो कलकत्ता  
में स्थित है और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार श्राफ असियो-  
रेन्सेस कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 30 मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्यूट विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी (अन्तरितियों) के बीच  
तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, किसाने के लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अनिलिखित  
किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लक्ष्मीचन्द्र बजाज, 60, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता  
(अन्तरक)

2. श्रीमती ज्योत्स्ना धोप, प्रदीप धोप, प्रवीर धोप,  
52, बिडन स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो,  
तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए<sup>1</sup>  
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा।

**स्वाक्षीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उम अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

6 कट्टा 6 छटाक 30 स्कोयार फिट खालि जमीन, प्लाट सं०  
52, सि० आई० टि० स्कीम सं० IV, एम०, प्राक्लन प्रैमिसेस  
सं० 29, काकारगाछि रोड, कलकत्ता ।

एस० भट्टाचार्य  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रांजन रेज IV, 54 रफि ग्रहमद किदवाई  
रोड, कलकत्ता-16 ।

तारीख : 7 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० पृष्ठ०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निवेद स० ए० मि० /136/आर०IV /कल०/74-75—  
ता०, बूमि, पृष्ठ० भट्टाचार्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6 बि०, लाला लाजपतराय सरणी, है, जो कलकत्ता में स्थित है और इससे उपायदृ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ असियोरेन्स, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच क्या पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय का बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिहें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुल्क करने के बारें मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  
9—366GI/74

1. श्रीमती प्रमिला बनर्जी, 6 ए०, लाला लाजपतराय सरणी,  
कलकत्ता । (अन्तरक)

2. रणजय बनर्जी (नाबालक), प्रगतिशिधि—श्रीमती प्रसाद  
बनर्जी (माता) (अन्तरिती)

3. प्रनन्दगम मुलाचन्द दोसी और अन्यान्य ।  
(यह व्यक्ति जिसके अधिकारी असमिया म सम्पन्नि हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होसी हो, तो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति बारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध व्यक्ति अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, फी सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में वर्णापरिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होणा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

विना रेखित 1/4 हिम्मा, निन मजीला मकान के साथ लग-भग 5 कट्टा 10 छटाक जमीन के, जो कि 6 बि० लाला लाजपतराय सरणी, कलकत्ता के उत्तर-पश्चिमी भाग है, जैसे के अन्तरण लिखित में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

पृष्ठ० भट्टाचार्या,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज IV, 54-रकि अहमद किदाराई  
गोड, कलकत्ता-16

तारीख 5 नवम्बर 1974

मोहर

प्रलेप आई० टी० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निवेश स० एस० आर०/इन्डौर/28-3-74-एन मृ  
एम० एफ० मुम्ही, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को,  
यह विश्वास करने का बाणीण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी स० प्लाट न० 5 भूमारी मार्ग है, जो इन्डौर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय इन्डौर में भारतीय रजिस्टर्ट  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-3-74  
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिपत्ति के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुगार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिपत्ति से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्ति का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक है परन्तु नहीं  
किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बावत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक व दायित्व में कमी करने या  
उसमें बढ़ने के लिए युक्त बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या यि जाना आवश्यक था  
ठिपाने के लिए सुकर बनाना,

ओर गत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोंत सम्पत्ति के  
अर्जन के लिए बार्यवाही शब्द गर्वने के बाणीण में द्वारा  
धर्मिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधोग निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति —

1. श्री संकर सिंह पुत्र श्री सिंह एवन निवास रोशन। सह  
भागी मार्ग म० न० 12 इन्डौर। (प्रत्यक्ष)

2. श्रीमती कपिला पति श्री नटवरलाल जो महाता निवास  
22 बहलभ नगर, इन्डौर। (प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत सम्पत्ति में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित  
में किए जा सके।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति का, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय मूले जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में व्यापरिधारित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 5 स्पष्ट इन्डौर रोड लिंग भूमारी मार्ग  
इन्डौर।

एम० एफ० मुम्ही,  
सम० 1 प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल।

लाइन : 7-21-1074  
तोहर .

प्रस्तुत आई० ई० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर०/इन्डौर/15-3 74--यतः, मुझे  
एम० एफ० मुन्शी आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है  
और जिसकी सं० म० न० 26 म० न० 11 न० 36 है, जो इन्डौर  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्डौर में आयकर  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम) 1908 (1908 का 16) के अधीन

15-3-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का धारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अद्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

असः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः—

1. श्री गनपत लाल पुत्र छोड़जी (2) गंगा राम (3) नरेन्द्र सिंह  
(4) महेश कुमार (5) राजेन्द्र कुमार पुत्रगण गनपतलाल निवास  
26 काली मुहल्ला मेन रोड, इन्डौर (अन्तरक)

2 श्री धर्मरत लाल हीरा लाल पुत्रगण गनपत लाल 26 काली  
मुहल्ला, इन्डौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पंचांगी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यनित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अद्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० न० 26 स्थित काली मुहल्ला इन्डौर और म० न०  
11 सिमेहलता गंज इन्डौर।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 7-11-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 269-घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रबंधन रेज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

प्रिवेश स० टी० आर०/1685/सी०-466/कल०-I/73-74

—यत्, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य ₹5,000/- ₹० में अधिक है और जिसकी स० १-बी है, जो हातीं बागान रोड नाम्य, कलकत्ता-14 में स्थित है (प्रोट इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आयालय, रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्स, ५, गवर्नरमेट लेस नाम्य कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उम्मके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हृदृ किसी आय की वाचत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अन्तः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) शा० मिस तारा दे 73-ए० गजेज चन्द्र एमिनि कलकत्ता-13। (अन्तरक)

(2) श्री भूपन्द माहा 98, करमा रोड, फ्लैट नं० बी-१, कलकत्ता-19। (प्रतिरिती)

- 1 श्री अमिय भूषण मन्महदार,
- 2 श्री एन० के० चक्रवर्ती,
- 3 डा० जी० एस० मण्डल,
- 4 डा० आर० के० नियोगी,

वह अप्रिय जिसके अधिष्ठोग में सम्पत्ति है को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया गुह बना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्याप्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सके।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उभ अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

१-बी०, हानी वागान राड, नार्थ कलकत्ता-14 में अवस्थित ३ कट्टा ११ लृप्ताव ११ वर्ग फीट जमीन पर चार तल्ला का मकान।

एस० के० चक्रवर्ती,  
मकान प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-१,

पी०-१३ औरंगी स्कायार,  
कलकत्ता।

दिनांक: 11 नवम्बर 1974  
मोहर

प्राप्त आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

राज्यालय, भवायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज I, वलवत्ता

वलवत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश स० टी० आर०/1627/ग।१-४२८/केल-१/73-74  
—यत., मुझे, एस० न० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट है और जिसकी स० 55 है जो एजरा स्ट्रीट कलाता में स्थित है (और इसमें उपादान फ्रन्सूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीन्ट अधिकारी के नियन्त्रण राजभूम नाम पर्याप्त नाम स्ट्रीट 5, गवर्नरमेंट स्ट्रीट नाम व्याख्याता में भारतीय रजिस्ट्रीन्ट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विनेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिष्ठात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मे, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ भी उपद्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स श्री नामि महाय मदनगोपाल, (झंजीनियर्स)  
प्राइवेट लिमिटेड। (प्रस्तरक)

(2) श्रीमती सोनादेवी लक्ष्म, पाँड श्रीमती सुनीता लेखी  
लक्ष्म। (प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा कार्यवाहीय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप यदि, कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

55, एजरा स्ट्रीट, वाँ प्लॉट रो दो अस जो सगमग 1047 वर्ग फीट का अस्वर में 948 वर्ग फीट और 99 वर्ग फीट होता है और जिसका प्रमट न० 55/3-सी, एजरा स्थित है।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
भवायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रंज I,  
कलकत्ता।

दिनांक : 8 नवम्बर 1974  
मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

दिनांक 26 अक्टूबर 1974

निर्देश स० एसि०-६१/आर०-II/कलकत्ता/74-७५—यतः मुख्य  
मार० एल० बुटानी, आयकर अधिनियम 1961, (1961  
का 43) की धारा 269-घ ने अधीन संक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और  
और जिसकी सं० 2/3, 3, 5 और 6/1 बंडवान रोड और 9, 10,  
11 आनिपुर पार्क प्लेस के अंग है, जो अलिपुर, कलकत्ता-२७  
में स्थित है और इससे उपावन्द्र अनुसूची में और और पूर्ण रूप से  
वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ  
एवुरेस्स, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 28-३-१९७४ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-  
मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विनेश के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विवाद बनाने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक और अन्तरिती के ग्रीष्म तथा  
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए  
कार्यवाही पूरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन लिम्लिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. केलवित जूट कम्पनी लिमिटेड, 3, नेताजी सुभाष रोड,  
कलकत्ता-१  
(अन्तरक)
2. प्रकाश एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड, 7, किरण शंकर राम  
रोड, कलकत्ता-१।  
(मास्टरिटी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के  
निय एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे मे  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित  
मे किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अंतर्न के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमे प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

प्रालिपुर कलकत्ता मे सम्पत्ति सं० 2/3, 3, 5 और 6/1,  
बंडवान रोड और 9, 10, 11 प्रालिपुर पार्क प्लेस के घंटों  
से बना हुआ, 18 कट्टास, 5 घंटाक्षर और 16 वर्ग फीट क्षेत्र फल  
का जमीन है।

मार० एल० बुटानी,  
संस्थ प्राधिकारी,  
सहायक आयकर प्राधिकारी (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, पि-13, ओरंगी स्कोवायर, कलकत्ता-१।  
तारीख : 26-१०-७४  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०.....  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सम्भवा

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन-रेज-II, कलकत्ता

दिनांक 16 अक्टूबर 1974

निर्वेश सं० एसि० 64/आर-II/फलकता-74-75—यत  
मुझे, आर० एल० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 22/1ए है, जो मोहन चन्द्र रोड, घाना-वाटगज,  
कलकत्ता-23 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में घोर  
पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार  
आफ एष्युरेन्स्स में भारतीय रजिस्ट्रीष्ट २८, ३ वि नियम 1408  
(1908 का 16) के अधीन 12-3-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिपल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरिक की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि  
मध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच  
तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में व्यास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया  
गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी शन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिक्षीया प्रक्रिया  
नहीं किया गया था या किया जाना नहीं था, लिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण से इसका अभिलिखित किए गए  
हैं :

अस, अब धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की साधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवितर्यों, अर्थात् :—

1 श्री कमल कुमार धोज,  
14, हेम चन्द्र स्ट्रीट,  
बिहिरपुर कलकत्ता-23  
(अन्तरक)

- 2 (1) श्रीमती लक्ष्मीराणी दास, परिन श्री विष्वानाथ दास,  
2/1, पदगपुकुर रसोयर, कलकत्ता-23
- (2) श्रीमती प्रनीता दास, परिन श्री बाबल चन्द्र दास,  
20, हेम चन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता-22। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना तो  
तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को की जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित विद्या जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
या सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बहमान सम्पत्ति सं० 22/1ए मोहन चन्द्र रोड, और पूर्व  
सम्पत्ति सं० 14, हेम चन्द्र स्ट्रीट का पूरव भाग, प्लाट सं० 3, में  
4 कट्टास, 13 चिट्ठावस, और 33 वर्ग फीट क्षेत्रफल का जमीन, जो  
घाना-वाटगज कलकत्ता 23 में स्थित है।

आर० एल० बुटानी, सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II पि० 13, चोरंगी स्कोयर कलकत्ता-1

तारीख : 26-10-74

मोहन

## प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, II, कलकत्ता

दिनांक 26 अक्टूबर 1974

निर्देश मा० एमि-64/आर-II/कलकत्ता/74-75—यतः, मुझे  
एल० एल० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, श्रीर  
जिसकी सं० 2/3, 3, 5, 6/1, बड़वान रोड और 9  
10, 11 आलिपुर पार्क प्लेस के इन्हों से है, जो आलिपुर, कलकत्ता-  
17 में स्थित है और इसे उपादान इन्स्पॉर्ट में भौतिक पूर्ण रूप से  
वर्णित है रजिस्ट्रीर्ड कार्यालय के बार्यलय रजिस्ट्रार ऑफ  
एसुरेन्स, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीर्ड रेगिस्ट्रेशन 1908-  
1908 का 16 के अधीन 30-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है  
और मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकित सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सत्य पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 1) या आय-कर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

यतः, मैं, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपस्थाता  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

अन्तरक  
केलविन जूट कम्पनी लिमिटेड,  
3, नेताजी सुभाष गोड,  
कलकत्ता-1

अन्तर्गती  
(1) श्री केशव को० अग्रवाल,  
(2) श्री परमेश्वर के० अग्रवाल  
(3) श्री रस्मीरंजन अग्रवाल,  
23-ए, नेताजी सुभास गोड, कलकत्ता-।।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन का  
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
निसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताक्षरी के पास  
प्रिवित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त विवरों के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा  
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

आलिपुर, कलकत्ता-27 में 6 कट्टास, 13 चिट्टाप्पस, 33 1/2  
वर्ग फीट भौमकल का जमीन जो 2/3, 3, 5, 6/1, बड़वान रोड,  
और 9, 10, 11 आलिपुर पार्क प्लेस के श्रेणी से बना है ।

आर० एल० बुटानी, सकाम प्राधिकारी  
तारीख 26-10-1974 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
मोहर अर्जन रेंज II, ओरंगी स्कोर्प, II कलकत्ता-।।



प्रह्लाद आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, कलकत्ता

दिनांक 26 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० एसि०-६२/आर-II/कलकत्ता/७४-७५—यतः  
मुझे आर० एल० बुटानी आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 2/3, 3, 5, 6/1, बड़वान रोड़ और 9, 10,  
11 आलिपुर पार्क प्लेस के अंशों से है जो आलिपुर, कलकत्ता-२७  
में स्थित है और इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से घणित  
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-३-१९७४ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरर (अन्तररकों)  
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण  
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में  
वार्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्यवाही शुरू बनने के कारण मेरे द्वारा ६.किलिखिल किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की।  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. केलविन जूट कम्पनी लिमिटेड, 3, नेताजी सुभास रोड़,  
कलकत्ता-१।

(अन्तरक)

2. रेशमी प्रोपरटीस एण्ड इन्वेस्टमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड।  
पि-५४५, लेक रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिगूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए कृदिष्टार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभापित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुमूल्य

आलिपुर, कलकत्ता-२७ में 10 कट्टास, 12 चिट्टाक्ष और 3 बर्ग फीट खेतफल का जमीन जो 2/3, 3, 5, 6/1 बड़वान रोड़ और 7, 10, 11 आलिपुर पार्क प्लेस के अंशों से बना है।

आर० एल० बुटानी,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, पि-१३, घोरंगी स्कोवायर  
कलकत्ता-१।

तारीख : 26-१०-१९७४

मोहर :

प्रलेन आई० टो० ए०० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कलकत्ता का दार्यालय

दिनांक 26 अक्टूबर, 1974

निर्देश सं० एसि०-५६/आर०-II/वद्वत्ता/७४-७८—यतः,  
मुझे प्रार० एल० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961, 1961 का  
43 की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹ से उपरी है और  
जिसकी सं० 2/3, 3, 5, 6/1, बड़वान रोड और 9, 10, 11  
आलिपुर पार्क प्लेस के ग्रंथां से है, जो आलिपुर, कलकत्ता-२७  
में स्थित है और इससे उपावड्ड अनुभूच, में और पूर्ण रूप से विविध  
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स,  
कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन 30-३-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
छठे प्रथम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से विविध नहीं  
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से ही किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी विसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रबंध नहीं किया गया या या दिया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. केलविन जूट कम्पनी लिमिटेड, 3, नेताजी सुभाष रोड,  
कलकत्ता-१।

(अन्तरक)

2. श्री विश्वानाथ सराऊरी, 10/3, आलिपुर पार्क प्लेस,  
कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन वो तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्वावधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन वो तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अंगूष्ठताकरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस रथावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में लिए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और रथान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

आलिपुर कलकत्ता में 8 कट्टास, 14 निट्राक्स और 41 वर्ग फीट  
क्षेत्रफल का जमीन जो 2/3, 3, 5, 6/1 बड़वान रोड और 9, 10,  
11 आलिपुर पार्क प्लेस के ग्रंथां से बना है।

प्रार० एल० बुटानी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II पि० 13, चोरंगी स्कोवायर, कलकत्ता-१

तारीख : 26-10-74

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, कलकत्ता

दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टि० आर० 1663/सि०-452/कल०-I/73-74-  
यत, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 9  
एल० 9/1/1ए, है, जो आरमोनियान स्ट्रीट कलकत्ता में  
स्थित है प्रोर इ१मे उत्तरद्वारा प्रायुक्ती में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार आफ एयसुरेन्स  
5 गवर्नरमेंट प्रेस-नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908-(1908 का 16) के अधीन 26-3-74  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिष्ठित अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किरी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
घर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बढ़ने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रहृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
ष्ट हो एवं घरने के बारण में द्वारा अनिलिङ्गित विए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) कनकमल दुगाट
- (2) मिताप चांद दुगाट
- (3) भारतमल दुगाट
- (4) दीनेश कुमार दुगाट, ९. आरमोनियान स्ट्रीट ।

(अन्तरक)

- 2. (1) जावरमल दुगाट ।

- (2) रवि प्रभात दुगाट (माईनर)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहिनी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन वे प्रति वर्षों, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्समन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अद्यि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में निए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी रूपना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के रूपय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20 के यथा परिभासित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

9 और 9/1/ए, आरमोनियान स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित 7  
कट्टा 5 छठाक 31 वर्ग मीटर जमीन पर आंशिक तिन श्रीर आंशिक  
चार तलाका मकान का 1/4 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सशम प्राधिकारी

तारीख : 11-11-74 सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मोहर: अर्जन रेंज पि-13, चोरंगी स्थावर कलकत्ता

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1974

निर्देश सं. अर्जन ई०-3/482/74-75—अल० मुझे श्री आर० जी० नेहरूकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० लांट सं० 183, सर्वे सं० 161 (अंश) है, जो पहाड़ी गोरेगांव (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपावड़ प्रभुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृद्धमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विवेद के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दारतदिका रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. मैसर्स लैथमी अंसबेरीस प्रोडक्ट्स लिमिटेड, श्री निवास शांति, बौद्धबांध रोड, फोर्ट बम्बई-1। (अन्तरक)

2. रंगनाथ सोमानी, 158/164, कालवाडेवी रोड, बम्बई-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उक्तद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आधेग, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितरणों 45 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाएँ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितरणों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ दिसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

एकद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए नारीख और रथात नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर 15 से व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को ही जाएगी।

एकद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अधिकारी, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिवार होंगा।

**स्थावरिकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमापित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि का यह तमाम टुकुड़ा जिसका 'लाट नं० 183, गोबराडी, गोरेगाव (पश्चिम) तालुका बोरिबली, रजिस्ट्रेशन उप जिला बम्बई, उपनगर अभी बृहत्तर, बम्बई में स्थित और मौजूद है और जिसका सर्वेक्षण नं० 161 (अंश) और भाष में 780 वर्ग गज समकक्ष 652.17 वर्गमीटर है और इस प्रकार विशा है अर्थात् :—

पूर्व की ओर से 30 फीट चौड़े मार्ग द्वारा।

पश्चिम की ओर से प्लाट नं० 188 द्वारा।

उत्तर की ओर से प्लाट नं० 184 द्वारा। द्वीप

दक्षिण की ओर से प्लाट नं० 182 द्वारा।

गोर० जी० नेहरूकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 बम्बई।

मरीख : 1-1-1974

मोहर,

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

आयव० अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 26७-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अधीन रेज। कलकत्ता  
का कार्यालय

दिनांक 11 नवम्बर, 1974

निर्देश स० टि० आर० 168९/सि-४६२/कल-I/73-74—यस  
मुझे एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 26७-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० 13 है, जो ३० ईमाक रोड़ (पहले कोड़ स्ट्रीट था)  
कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुगूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है रजिस्ट्रेकर्ड अधिकारी के कार्यालय राजपुर ऑफ  
रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, ५ गवर्नमेन्ट प्लेस, नार्थ कलकत्ता में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908-1908 का 16 के अधीन  
५-३-७४ पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अभ्यास अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 26७-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26७-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

पशुपति लाल सील

५३/सी, बनविहारी बोस रोड़, द्वारा

(अन्तरक)

श्री अनिल कुमार साक्षेत्र

१ एंड २ जयकरन लेन कलकत्ता ।

१. श्री बालुराम रङ्गक

२ श्री आर० के० घोभालनी

३. श्री वि० पि० साक्षेत्र

४. डा० एन० घोष

५. श्री ति० एफ० लद्धे

६. श्री सि० एफ० एलिस

७. श्री श्रीम प्रकाश रामचांद्र भावनानी

८. श्री जितेन्द्र नाथ मुखाजि

९. श्री वि० आर० परासर

१० श्री महित रंजन ल.हिरी (अन्तरिती)

वह व्यक्ति/जिसके प्रधिष्ठोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि भा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से ३० दिन यो अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का अध्याय 20-क) में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुगूची

१३ ड० ईमाक रोड़ (पहले कोड़ स्ट्रीट था) कलकत्ता में स्थित ४ फटा २ छटाक 42 वर्ग फिट पर अविभाजित आंसूक दो और आंसूक तिन तला मकान का १/१२ हिस्सा ।

एप० के० चक्रबर्ती, सक्षम प्राधिकारी  
तारीख : ११-११-७४ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मोहर : अर्जन रेज। पि-१३, घोरंगी स्कोयार, कलकत्ता ।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सम्हायक प्रावकर शायुक्त (निरीक्षण) अजेन रेज ॥  
कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एस-६७/ग्रार-II/कलकत्ता/७४-७५—यतः मृष्टे  
एल० के० बाला गुप्तम निधन इयवर इटिनियम,  
1961, (1951 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को यह विश्वास बरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 100/डि है, जो दलाल-ए-ए, यू. ग्रालिपुर कलकत्ता-  
53 में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
मणित है रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार,  
गालीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन 11-3-1964

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिपल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास बरने का  
कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिपल में ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का पद्धति प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के धीर्घ तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल निम्नलिखित लेख में उचित अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से दर्थित नहीं विद्या गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957  
(1957 का 27) के प्रयोगतार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था, या किया आज्ञा भाहिए  
था, छिगने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के गद्दों में पूर्वोंत सम्पत्ति के अजेन के  
लए कार्यनाही शूल फरने के कारण मेरे द्वाग अभिनिविस  
किए गए हैं।

अतः यतः धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथति :—

प्रस्तुत

- (1) श्री विश्वानाथ राय  
(2) श्री भोलानाथ राय  
97/एम, ब्लाक फै. न्यू ग्रालिपुर  
कलकत्ता-53।

प्रनतरिती

- श्री ग्रिजिन्दर सिंह बाला,  
100/डि. ब्लाक एफ, न्यू ग्रालिपुर, कलकत्ता-53।  
वह व्यक्ति जिसके प्रधिकार में सम्पत्ति है  
(1) श्री सुप्रियो राय  
(2) श्रीमती रजीनदर कौर  
(3) श्रीमती कुलशन र कौर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अजेन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ :—

- उचित सम्पत्ति के अजेन के प्रति आधोप, यदि कोई हो तो :—  
(क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्वावधी व्यक्तियों पर  
सूचना वी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;  
(घ) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उचित सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अजेन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आधोप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति वो, जिसे पूर्वोंत पैरा दे अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा। जो उस अध्याय में दिया गया है।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में या प्रारंभित है, वही अर्थ  
होगा। जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट सं० 100/डि. ब्लाक-एफ, न्यू ग्रालिपुर कलकत्ता-53  
का प्राप्त हिस्सा, जिस पर एक मकान है।

प्लॉ के० बाला भुजामानियम, सक्षम प्राधिकारी  
तारीख 12-11-74 स्थायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)  
मोहर। अजेन रेज II फि-13, ओरंगी स्कोयर,  
कलकत्ता

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निर्देश सं. एसि० 70/आर०-II /कलकत्ता/74-75—प्रस्तुप एस० वं. बाला सुब्रामानियन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं. 100/डि० है, जो ब्लाक-एफ०, न्यू आलिपुर, इलाहाबाद-53 में स्थित है और इससे लगावड इन्सूची में घोर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय राबू-रजिस्ट्रार, आलिपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान 15% के रिटॉर्डिंग्स टिलेज के अनुसार अन्तरित की गई है और इसे यह विवाद करने का कारण है कि व्याप्रवृक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्तविक रूप से फर्मित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ब) ऐसी तिसी आय या तिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के ग्रन्थों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुपकृत ।

(1) श्री शंकर नाथ राय  
(2) श्री अमर नाथ राय  
97/एस०, ब्लाक ईफ०, न्यू आलिपुर, कलकत्ता-83।

अन्तरिती ।

(1) श्रीमती रजिन्दर कौर,  
(2) श्रीमती कूलशश्त्री कौर,  
100/डि०, ब्लाक-एफ०, न्यू आलिपुर, कलकत्ता-53।  
वह व्यक्ति/जिसके अधिभोग में सम्मति है।

(1) श्री रजिन्दर सिंह बाला  
(2) श्री सुपिन्दर सिंह बाला

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ता मम्पत्ति के अर्जन के लिये उत्तद्वारा कार्यवाहियां कारता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षता की के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रयोगिक हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ज्लाट सं. 100/डि०, ब्लाक एफ०, न्यू आलिपुर, कलकत्ता-53 का आधा हिस्सा, जिसने एक मकान है।

एस० के० बाला सुब्रामानियन  
सक्षम प्राधिकार  
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II

पि०-13 ओरंगी स्कोपर कलकत्ता-53

दिनांक 12-11-1974  
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एम०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, कलकत्ता  
दिनांक 11 नवम्बर 1974

निवेश सं० टी० आर० 1691/सि०-460/कलकत्ता-1/73-74—यतः मश्य० प्र० के० चत्रबर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक और और जिसकी म० 13 है, जो ड० ईमाक रोड- (पहले कीड, स्ट्रीट) कलकत्ता मे० स्थित है और इससे उपावद्व अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एयमुन्स मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 5-3-1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं विद्या गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या उपर्युक्त बचने के लिए सुकर बनाना; और/या  
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के प्रयोक्ता मे० पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही को शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिवित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण मे०, मे०, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री पण्ड लाल सोल  
53/सी, बनविहारी बोस रोड हाउरा (अन्तरक)

श्री अनिल कुमार सक्सेना  
1व 2 जयकासन लेन, कलकत्ता (अन्तरिती)  
12-366GI/74

वह व्यक्ति/जिसके अधिभोग मे० सम्पत्ति है।

- 1 श्री बासुगम राजाक
- 2 श्री प्रार० के० प्रोभालनी
- 3 श्री विं पी० सासेना
- 4 डा० एन० मि०
- 5 श्री मि० एफ० लम्बा
- 6 श्री मि० एफ० एलिम
- 7 श्री प्रोमप्रकाम गमचांद, साइनानी
- 8 श्री जितेन्द्र नाथ मुखर्जी
- 9 श्री विं आर० परामर
- 10 महित रन्जन लाहिरी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित मे० किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित विद्या जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे० किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे० यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे० दिया गया है।

#### अनुसूची

13 ड० ईमाक रोड (पहले कीड, स्ट्रीट था) कलकत्ता मे० स्थित 8 कट्टा 2 छटाक 42 म्कोपर फिट जमीन पर अधिभागित दो और प्रांगिक तीन तल्ला मकान का 1/12 हिस्सा।

एन० के० चत्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I,  
दिं-13, चौरांगी स्क्वायर कलकत्ता

तारीख : 11-11-1974

सोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता  
दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टि० आर० 1688/सि०-363/कलकत्ता-I/73-74  
यतः, मुझे एस० के० चक्रबर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961, का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 13 है, जो ई०: ईमाक रोड़ (पहले कोड़ स्ट्रीट था) कलकत्ता में स्थित है और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एन्सुरेन्स, 5, गवर्नरमेंट एंग नाम कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा-(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. श्री पूर्ण लाल सील  
53/सी०, बण्डिहारी बोम रोड़ हावड़  
(अन्तरक)
2. श्राहरी भनिल कुमार सक्सेना  
1 राइ जयकर्मन लेन, कलकत्ता ।  
(अन्तरिती)

1. श्री बालूराम गजाक
2. श्री आर० के० शोमालनी
3. श्री धी० पी० सक्सेना
4. श्री डी० एन० सिङ्का
5. श्री सी० एफ० लब्दो
6. श्री सी० एफ० एलिस
7. श्री ओमप्रकाश गमनांद सुबनानी
8. श्री जिनेद्र नाथ मुखार्जि
9. श्री बिं० आर० परामर
10. श्री महित रनजन लाहिरी

वह व्यक्ति जिसके पूर्वोक्त सम्पत्ति में सम्पत्ति है :  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मन्दन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

13 न: डॉ: ईमाक रोड़ (पहले कोड़ स्ट्रीट था) में स्थित 8 कद्दा 2 छटांक 42 वर्ग फिट जमीन पर अविभाजित दो भीतर प्रासिक तीन तलाता का मकान का 1/12 हिस्सा

सी० के० चक्रबर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I,

पी०-13, चौरायी स्क्वायर

कलकत्ता ।

तारीख : 11-11-1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टि० आर० 1670/गि० 478/कल०-१/74-75—  
यतः, मुझे, एम०के० चक्रबर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 40 है, जो श्री अरबिन्द मण्णी कलकत्ता में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार ऑफ एन्सुरेन्स, गवर्नरमेंट प्लेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-३-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेव के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं क्या गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 [1922 का (1)] या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

श्री कुमुद बिहारी बासु

734, पुण्डरास रोड कलकत्ता।

(अन्तरक)

वृष्ण रमण नाग

2/1, बेनिपातोला स्ट्रीट, कलकत्ता

(प्रन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रथम शब्दों और पढ़ों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

40, श्री अरबिन्द सरणी कलकत्ता में स्थित 5 कट्टा 13 छटाक जमीन पर अधिभाजित भकान का 1/4 हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1  
पि०-13, चौरांगी स्कॉलर, कलकत्ता ।

तारीख : 11-11-1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निवेश सं० IX /2/84/73-74—यतः, मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फेर० व्यु० कोड़कानल है, जो मे० स्थित है (और इससे उपबद्ध और पूर्ण रूप से वर्णित है), गजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मार्च 1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के पद्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लूपिता एफ० नोल पवर आफ्र प्रट्टमी एजन्ड, फ्रेमरिकन बापटिस्ट फारिन मिष्यन सोसैटी, मद्रास-7  
(अन्तरक)

(2) अडको इडिया लिमिटेड, मनपाक्षम, मद्रास  
(अन्तरि०)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे० किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे० किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरितों को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त पद्धों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही शब्द होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोड़कानल, मुरेट्टा लेन में भूमि और मकान (फेरव्यु) — भूमि 75 सेंट्स और मकान-2444 स्क्वायर फीट।

के० वी० राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 12-11-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निवेश सं० टि० आर० 1683/मि०-468/कलकत्ता-2/73-

74—यतः, मुझे एस० कं० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 11 एण्ड 13 है, जो ओपेण्टन स्ट्रीट, और 5/1 एन्ड 5/2 ग्रान्ड लेन, कलकत्ता में गिरिह है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पृष्ठ रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आर० एस॒रेस॒स, 5 गवर्नरमेंट प्रेम, नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. मेसर्सै लिपटन (इन्डिया) लिमिटेड,  
9, ओपेण्टन स्ट्रीट कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. श्रीमति लोला देवी कानोरिया  
10 मुकुताराम कानोरिया रोड हावड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के उत्तद्वारा कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकें।

उत्तद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उन्नर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी मूलना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/1 एन्ड 5/2 ग्रान्ड लेन, कलकत्ता में प्रवस्थित 3 कट्टा 8 छटांक जमीन जो प्रिमिसेस न० 11 और 13 का अंश है।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-।  
पि०-13, चौरंगी स्क्वायर कलकत्ता

तारीख : 11-11-1974

मोहर :

## प्रस्तुत आई० टी० एन० एम० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हुबली

हुबली-580021, दिनांक 2 नवम्बर 1974

निवेदन मं० 65/74-75/एव० ए० मी० क्य०—यत्. मझे  
आर० पार्थसारथी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन  
रेज हुबली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सश्वत प्राधिकारी को यह  
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी  
सं० आर० एम० न० 58 3B है, जो उग्रकल गाव,  
तालुकः हुबली और जिला धारवाड़ में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्व से वर्णित है), रजिस्ट्रीटर  
प्राधिकारी के कार्यालय हुबली डॉक्युमेंट नं० 4151 के  
अन्तर्गत 30-3-1974 के दिन भारतीय रजिस्ट्रीटरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीटर के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि  
अन्तरक (अनारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा  
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के घट्टों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए  
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

1. श्री देवप्रिय एस० किर्बी, केशवापुर, हुबली, निम्नलिखित  
लोगों के जी० पी० ए० होल्डर की हैसियत से।

- (i) श्री विन्सेट डी० शिर्बी, कोलालंपुर, मलएगिया।
  - (ii) श्रीमती लीता डी० शिर्बी, वरंगल (ग्राम्य प्रवेश)
  - (iii) श्रीमती विमला डी० किर्बी, केशवापुर, हुबली।
- (अन्तरक)

2. (1) संसद एवं सेल विमिनेश्य एंटरप्राइज, मनेजिंग पार्टनर  
श्री सिद्धपा शेखरपा यावगल, 13, चंद्रशेखर, शांती कालोनी,  
विद्यानगर, हुबली-21 के जरिए, और

(2) श्री सिद्धपा शेखरपा यावगल, 13, चंद्रशेखर, शांती  
कालोनी, विद्यानगर, हुबली-21।

(3) श्री बाबू वसणा बेलिकटी, बेलिकटी मेडिकल स्टोर्स,  
मेनरोड, सौंदर्य।

(4) डा० मलिकार्जन शिवरामपा गरनवर, मेडिकल  
आफीमर, केलर, तालुकः बादामी, जिला बीजापुर।

(5) श्रीमती विमलाबायी, श्री ब्रमधिपोपा नूसी की पत्नी,  
केवर धाक डा० एम० एस० गूरनवर, मेडिकल आफीमर, केलर,  
तालुकः बादामी, जिला बीजापुर।

(6) श्री मुर्गेण शेखरपा यावगल, 13, चंद्रशेखर, शांती  
कालोनी, विद्यानगर, हुबली-21।

(7) श्रीमती जयश्री, श्री बीरभद्रपा होबल की पत्नी,  
बीजापुर आजनेय देवस्थान रोड, हुबली-20। (अन्तरितियां)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाना है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में प्रयुक्तिभावित है वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

वर्नाटिक राज्य, धारवाड़ जिला, हुबली तालुकः के उणकल  
गाव में आर० एस० न० 58/3 बी म०, जो आर० एस० न०  
58/ए, 48/4 बी और 58/4 मी के पास है, 40 गुंठ विस्तीर्ण  
का बिन् शेक्की जमीन।

**प्रार० पार्थसारथी,**  
सम्पत्ति प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हुबली

तारीख : 2-11-1974

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश स० ए० सि०-१४१/आर० IV/कल०/-७४-७५ —  
यत्, मुझे, एस० भट्टाचार्य, आयात अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए, से अधिक है और जिसकी सं० 166 है, जो पि० ए० शाह रोड, कलकत्ता से स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुमती में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कार्ट अधिकारी के कार्यालय बेहाला में ग्रानिपुर के मयुक्त सब रजिस्ट्रार में भारतीय रजिस्ट्रीशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 मार्च, 1974 को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन वर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्भीकृत प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयी शुरू करने के कारण से द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अन: अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. गोविन्दलाल बन्दुर, 65 शर हरिहरम गोपेका स्ट्रीट,  
कलकत्ता (अन्तरक)

2. बन्दुर रैन्ड डेवेलपमेन्ट कारपोरेशन लि० 5 देश प्राण  
शासमान रोड, कलकत्ता-33. (अन्तरिती)

को यह सूचना जानी तरके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए प्रतद्वारा वायंवाहिगां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति जाक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(.) यह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पंचांधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील गे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में में निम्नी लिखित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विष्ये अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिस्तात्त्विकी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

प्रतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खतियान सं० 562, 578, मि० एम० दाग स० 273 के अंश  
मौजा-आरकपुर, परिमान-6 कट्टा 1 छटाक।

एस० भट्टाचार्य,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-IV, 54 रफि अहमद विदवाई  
रोड कलकत्ता-16.

तारीख . 11 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्रह्ला आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

संघायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई का कार्यालय

दिनांक 1 नवम्बर, 1974

निवेद सं० अर्जन ई-3/476/74-75—यतः, मुझे श्री आर० जी० नेहरुकर, संघायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन मूचन सम्पत्ति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 182 और सं० 161 (प्रंश) है, जो स्थावर पहाड़ी गोरेगांव (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मंसर्व लक्ष्मी असेबेसग्रांस प्राइवेट्स लिमिटेड

श्रीनिवास हाउस, वाँडवायर, रोड फोर्ट, बम्बई-1  
(अन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार सोमानी,

158/164, कालवारेवी रोड, बम्बई-2 (अन्तरिती) को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्तद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्ताक्षरी के पास नियमित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस मूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मूनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी मूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन मूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि या जमीन का वह तमाम टुकड़ा जिसका प्लाट नं० 182 गांव पहाड़ी गोरेगांव (पश्चिम) तालुका बोरिवली, रजिस्ट्रेशन उप जिला बम्बई, उपनगर अभी बूहतर बम्बई में स्थित है और मौजूद है और जिसका सर्वेक्षण नं० 161 (प्रंश) और माप में 1280 वर्गज जमीनका 1070.5 वर्गमीटर है और इस प्रकार घिरा है, अर्थात् :—

पश्चिम की ओर से 60 फिट चौड़े मार्ग द्वारा।

पूर्व की ओर से 30 फिट चौड़े मार्ग द्वारा

उत्तर की ओर से अंश में प्लाट नं० 188 और अंश में प्लाट नं० 183 द्वारा।

दक्षिण की ओर से प्लाट नं० 181 द्वारा।

आर० जी० नेहरुकर

सक्षम प्राधिकारी

संघायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीखी : 1-11-74

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सि०/१३६/आर० IV, / कल०/७४-७५:—  
यतः, मुझे एस० भट्टाचार्य  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी  
सं० 6-बि०, लाला लाजपतराय सरणी है, जो कलकत्ता  
में स्थित है और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्रांफ प्रसियो-  
रेसेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908,  
(1908 का 16) के अधीन 29 मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बम के दृश्य-  
मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्युट विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने  
के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए  
गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपकारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—366GI/74

1. श्रीमती प्रतिमा बनर्जी, 6-ए०, लाला लाजपतराय सरणी  
कलकत्ता । (अन्तरक)
2. शंकरी बनर्जी, 25, कालि बनर्जी सेन, हावरा-1. (अन्तरित)
3. अमनस्त राम मुलबन्द दोसी, और अन्याय । (वह व्यक्ति  
जिसके अभियोग में सम्पत्ति है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू० ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षसाक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

बिनारेखित 1/4 हिस्सा, तिन मंजीला भकान के साथ लगभग  
5 कट्टा 10 छटाक जमीन के, जो के 6-बि०, लाला लाजपत-  
राय सरणी, कलकत्ता के उत्तर-पश्चिमी भाग है, जैसे के अन्तरण  
लिखित में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एस० भट्टाचार्य,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज IV, 54 एफि अहमद किल्डाई  
रोड, कलकत्ता-18

तारीख : 5 नवम्बर, 1974

मोहर :

## प्रारूप आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टी० आर०/1638/सी०-408/कल.-1/73-74

—यतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसको सं० 9 एण्ड 11/1 है जो डाक्सिस लेन कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाखण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एयसुरेन्सेज, 5, गवर्नरमेन्ट प्लेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, और या;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हाथा अधिसूचित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 मैसर्स बी० एन० इलियास एण्ड को० प्राइवेट लि०, 1, ब 2 ओल्ड कोर्ट हाउस कोरनर, कलकत्ता। (अन्तरक)

2 मैसर्स अरुण इन्जीनियरिंग उद्योग प्राइवेट लि०, 23, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता। (अन्तरिती)

9, डाक्सिस लेन

- 3 (1) मिसेज सी० श्रीरामली (प्रसाद),
- (2) मि० डी० एस० दनियान,
- (3) मैगजीन डिस्ट्रीब्यूटरस,
- (4) मि० अनिल भट्टाचार्यजी,
- (5) मि० एम० एस० नारायण
- (6) श्री प्रकाश चन्द्र सेथिया,
- (7) मि० गिरिखाला दास
- (8) एच० डी० खामबाहू
- (9) पार० पी० गोगिया

(10) आर० एन० जयकर

(11) मीरा देवी सेथिया

(12) महाद्वीर चांद सेथिया

(13) के० ही० पिथिनाथन

(14) के० पी० लिबेसाल

(15) एच० बी० दोसी

(16) एम० ए० भरतविक,

(17) यू० सी० देव।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

11/1, डाक्सिस लेन

4 (1) यूनाईटेड इलेक्ट्रिक एण्ड इन्जीनियरिंग को०

(2) गुलाम रसूल, (3) डी० प्र० दानियान

(4) अनिल भट्टाचार्यजी

(5) जेयंस इन्डोनेशियर को०।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, पर्दि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वत्थी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

9 एण्ड 11/1, डाक्सिस लेन, कलकत्ता में अब स्थित 18 कट्टा 13 छाटांक 5 वर्ग फीट, जमीन पर तीन एंट का मकान जिसमें एक मकान में गोदाम-दर और एक आफिस है।

एस० के० चक्रवर्ती  
सकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आद्यक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज I,

पी०-13, औरंगी स्कायर, कलकत्ता।

दिनांक 8 नवम्बर 1974।

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अजन रज, भापाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निवेश सं० एस० आर०/जबलपुर/23-3-74—यत., मुझे,  
एम० एफ० मुन्ही,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भ० नं० 565/1, 566 जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-3-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए, या, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत :—

1. श्रीमती सज्जना वाई पत्नि सेठ जम्पालाल झोसवाल  
निवास सरकार, जबलपुर। (अन्तरक)

2. श्री अमृकान्त भाई पटेल पुत्र श्री काली वास पटेल  
प्रमिका ड्रेडिंग कम्पनी कटरा बगर सागर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्रोप, यदि कोई हो, सो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वींष्ठी व्यक्तियों पर सूचना की सुनवाई से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्रोपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्रोप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्रोपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिनिसप्ल भ० नं० 565/1 व 566 स्थित उपरेनगंज,  
जबलपुर।

एम० एफ० मुन्ही,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भोपाल।

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1974

निर्देश सं०XVI/1(11)/2 ए०/74-75—यतः, मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० बी० वाड, ब्लाक सं० 29, मखनेरि सेलम है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विनेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अवधारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पी० राजरत्नम अम्माल गांडि रोड, श्रीरंगपालम सेलम-4 (अन्तरक)

(2) डॉक्टर एम० हनीफा केर लान्डस गारडन रोड, अलग-पुरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के सिए तारीख और स्थान मियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थानीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सेलम मखनेरि, बी० वाड, ब्लाक से 29 में भूमि और मकान (10000 स्क्वायर फीट)।

के वी० राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 14-11-1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निवेश सं० एस० आर०/इस्टौर०/29-3-74—यतः, मझे,  
एम० एफ० मुन्ही, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास बनाने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० म० फैक्ट्री बगरा प्लाट नं० 61 पर इन्दौर  
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में  
भारतीय रजिस्ट्रक्टर अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 29-3-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्टर विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल,  
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर यह कि  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय  
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पिया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः :—

1. मैसर्स एवरेस्ट सीमेंट जाली और कानकेट बनस  
60, इन्डस्ट्रीयल स्टेट, पोलो ग्राउन्ड, इन्दौर द्वारा श्रीमती  
कमलेश कुमारी गोयल । (अन्तरक)

2. मैसर्स साइन प्रो इन्डस्ट्रीज, 50, 51, 60, इन्डस्ट्रीयल  
स्टेट, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अंतर के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की मुन्हाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वहीं  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

मकान जल संयोग फैक्ट्री बिल्डिंग सेड वाटर टैन्क्स बगरा  
व निर्मित प्लाट नं० 61 इन्डस्ट्रीयल स्टेट पोलो ग्राउन्ड,  
इन्दौर ।

एम० एफ० मुन्ही,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल ।

दिनांक : 7 नवम्बर 1974 ।

मोहर :

प्रलेप, आई०टी० एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज I कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 11 नवम्बर 1974

निवेश सं०टी० आर० 1692/सी०-474/काल-1/73-74—  
यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 13 है, जो डा० इश्हाक रोड (पूर्ववर्ती किंड स्ट्रीट)  
कलकत्ता में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ  
एप्योरेन्स 5, गवर्नमेन्ट प्लेस नोंद बॉल्ड कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित विए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्री शंकरलाल सील

53 बम बिहारी रोड, हावड़ा

अन्तरक।

श्री अनिल कुमार सक्षेत्रा

1 तथा 2 जैसन लेन कलकत्ता।

प्रस्तरिती।

वह व्यक्ति/जिसके अधीभोग में सम्पत्ति है।

1. श्री बालराम रजक

2. श्री आर० के० ओवलबानी

3. श्री बी० पी० सक्षेत्रा

4. डा० एन० सिंह

5. श्री सी० एफ० लोबों

6. श्री एफ० एलिस

7. श्री श्रीमप्रकाश राम चन्द्र सुबनानी

8. श्री जितेन्द्रनाथ मुखर्जी

9. श्री बी० आर० पाराशर

10. श्री मोहितराजन लाहिरी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में पथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति आंशिक तीन मन्जिल तथा आंशिक दो मन्जिल  
मकान, जो 13, डा० इश्हाक रोड (पूर्ववर्ती किंड स्ट्रीट) कलकत्ता  
में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 8कट्टा 26 छटाक-42 वर्ग फीट है,  
का अविभाजित 1/3 भाग/अंश।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

पी०-13, चौरांगी स्कॉपर, कलकत्ता

तारीख : 11-11-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I मंद्रास

दिनांक 14 नवम्बर 1974

निवेद सं० XVI/1/(11)/2बी०/74-75—यतः, मुझे  
के० बी० राजन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० बी० बाई० ब्लाक सं० 29, मरवनेरि, सेलम  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16  
मार्च 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के घन्तुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय  
पाया गया ऐसे अन्तरण के सिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

बी० यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालय शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

यतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
चपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पी० राजरत्नम ग्रन्माल, गांदि रोड,  
श्रीरंगपालयम, सेलम-4 (अन्तरक)

(2) श्रीमती जूलेका भानु, फैर लान्डस, सेलम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी  
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लाभित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,  
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सेलम, मरवनेरि बी० बाई० ब्लाक सं० 29 में भूमि और  
मकान (14,271 स्कवरफुट फीट) :

के० बी० राजन  
सकाम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I,

तारीख : 14-11-1974  
मोहर

प्रलेप शार्टी०एन०एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सी०-६८ आर०-II/कल/७४-७५--यस्  
मुझे, ए८० के० बाल सुन्नमानियम  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० २५, है जो राजा संतोष रोड, कलकत्ता में स्थित है (और  
इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण  
प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, कलकत्ता  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन २६-३-७४ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण  
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ  
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—  
1. श्री लक्ष्मण प्रसाद पद्मार, ए/6/25, बसन्त बिहार।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स प्रेज को० प्राइवेट लिमिटेड १०, नेंताजी सुभाष  
रोड, कलकत्ता-१।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद् द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो,  
तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि  
स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए  
गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और  
स्थान नियंत एक जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे धर्ति  
को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती  
को दी जाएगी ।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे धर्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,  
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 29-क में यथा परिभासित है, यही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

लट “ए” चिह्नित १७ काहास ६ छिटाक्स और १५ स्कोयर  
फुट क्षेत्रफल जमीन के साथ भकान और स्ट्रक्चर, जो २५,  
राजा संतोष रोड, कलकत्ता का अंश है ।

ए८० के० बालसुन्नमनियम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
तारीख:—११-११-७४  
मोहर:—

अन्तरक  
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

## प्रूप आईटी-एन-एस ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता  
दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्णय सं० टी० आर० 1693/सी०-459/कल०-1/73-74—  
यस: मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० मे० अधिक है और  
जिसकी सं० 13 है, जो डा० इशाक से (पूर्ववर्ती किड स्ट्रीट)  
कलकत्ता मे० स्थित है (और इसमे० उपाबद्ध अनुसूची मे० और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार  
आफ एशोरेस्टेम 5 गवर्नमेन्ट ब्लैस नोर्थ कलकत्ता मे० भागीय रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
5-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेद  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का  
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया गया ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण मे० हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या  
उसमे० बचते के लिए सुकर बनाना और/या  
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-के शब्दों मे० पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिवित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे० मैं आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(अन्तरक)

श्री जदुसाल सील ९  
53 ए, बनविहारी बोस रोड, हाउडा  
14-366G/74

## (अन्तरिती)

श्री अनिल कुमार सूचना

1 तथा 2 जैषन लेन, कलकत्ता

(वह व्यक्ति/जिसके अधिभोग मे० सम्पत्ति है ।)

1. श्री वाल्लाम रजक

2. श्री आर० के० ओवलानी

3. श्री बी० पी० भक्षेना

4. डा० इन० मिह

5. श्री सी० एफ० लोबो

6. श्री सी० एफ० एलसि

7. श्री ओमप्रकाश राम चन्द्र मुखनानी

8. श्री जितेन्द्र नाथ मुखर्जी

9. श्री बी० आर० प्रमार

10. श्री मोहित रंजन लैहरी

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना त्र ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे० समाप्त  
होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे०  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित के  
पास लिखित मे० किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उबर मे० किए गए  
आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर एसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपो के सुनवाई समय मे० जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण**—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961(1961 का 43) के अध्याय  
20-क मे० पूर्वापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय मे० दिया है ।

## अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति आशिक तीन मंजिल तथा आशिक दो मंजिल  
मकान जो 13, डा० इशाक रोड (पूर्व वर्ती किडस्ट्रीट) कलकत्ता मे०  
स्थित हैं और जिसका क्षेत्रफल 8 कठुा 2 छटाक 42 वर्ग फीट  
है, का अभिवाजित 1/3 भाग/अण ।

एस० के० चक्रवर्ती

मकान प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1  
पी०-13, चौरंगी स्क्वायर, कलकत्ता-1

\* तारीख : 11-11-1974

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अक्टूबर 1974

सं० आर० ए० सी० 33/74-75—यतः मुझे, एस० बाल सुश्रमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1-8-702/35, नल्लाकुटा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और रूप इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत यिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जे० वुच्च्या मार्फत बसवेश्वरा कोल डीपो नल्लाकुटा, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. पुष्टाप, विश्राकम्बगिरी सुपुत्री० के० रामव्या, काल्पाकर जम्मलमड्ग, कडपा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए एतद्वारा कार्यवाहीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जम के प्रति आक्षेप, यदि कोई ज्ञात हो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जम के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे अविक्त को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अविक्त को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थानोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—नं० 1-8-702/35 का भाग जो नल्लाकुटा, हैदराबाद में स्थित है।

एस० बाल सुश्रमण्यम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख :—17-10-1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ४-(1)  
के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, I कलकत्ता

कलकत्ता, 11 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० टी० आर० 1690/सि४६१/कल०-I/73-७४

--यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 13 है, जो डा० ईसाफ-रोड (पहले कोड स्ट्रीट कलकत्ता) में स्थित

है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ एयसुरेस ५, गवर्नरमेंट प्रैस नया कलकत्ता में भारतीय

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरिक (अन्तर्को) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सूकर बनाना, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना।

आगे यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(अन्तरक)

1. श्री प्रमय लाल सील

53 सि बन बिहारी बोस रोड हाषड़ा।

### अन्तरिती

श्री अनिल कुमार साक्षेना

1 और 2 जयकरन लेन, कलकत्ता।

वह व्यक्ति/जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

- (1) श्री बाबू राम राजाक
- (2) श्री आर० के० अभालीनी
- (3) श्री वि० पि० साक्षेना
- (4) डा० एन० सिंह
- (5) श्री सि० एफ० लबो
- (6) श्री सि० एफ० एलिस
- (7) श्री ओमप्रकाश रामचंद्र माबनानी
- (8) श्री जितेन्द्र नाथ मुसजि
- (9) श्री वि० आर० परासर
- (10) श्री महित रन्जन महिरी

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इम स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दीजाएंगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होंगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथाप्रिभावित है, वही अर्थ होंगा, जो उस आधार्य में दिया गया है।

### अनुसूची

13, डा० इसाक रोड (पहले कोड स्ट्रीट था) कलकत्ता में स्थित 8 कट्टा 2 छटाक 42 घर्ग फिट जमीन पर अविभाजित आंसिक दो और आंसिक तिन तल्ला मकान का 1/12 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती, सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, 1 P-13, चोरगी स्केयर, कलकत्ता

तारीख : 11-11-74

ओहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एस०————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई दिनांक 21 अक्टूबर 1974

निर्देश मं० अ० ई० 2/20/1014/2247/74-75—  
अतः, मुझे, वी० आर० गुप्ते सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सीटि सं० नं० 1/267 (श्रंग) है, जो प्लाट नं० 59-अ/2 टी० पी० एस० नं० 3 जा॒ सान्ताकृष्ण (पूर्व) मे॒ मिथ्या है (और इसमे॒ उपावड़ अनुसूची मे॒ और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय बम्बई मे॒ भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित मे॒ बास्तविक रूप से कथित नही॒ किया गया —

(क) अन्तरण गे॒ दृष्टि किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे॒ कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तया को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही॒ किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिप्रते के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे॒ पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे॒ ये, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. सर्वेश्वी रजमान श्रीनी जिवाभाई बाराडिया, सद्विदिन जिवाभाई बाराडिया कूमुदिन जिवाभाई बराराडिया, बरकतगली बाराडिया। (अन्तरिक)

2. सर्वेश्वी कानजी रावजी पटेल और करसन रावजी पटेल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना भी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे॒ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे॒ किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ हितबद्ध किसी अन्य-व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे॒ किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे॒ किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमे॒ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे॒ यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे॒ दिया गया है।

#### अनुसूची

अमीन का वह नमाम टुकड़ा और साथ मे॒ वहाँ पर बनी इमारत जो सान्ताकृष्ण (पूर्व) बम्बई, बाबूदारा उपनगर जिला और रजिस्ट्रेशन उप-जिला बाबूदा अभी रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई और बम्बई उपनगर के भाग से ज्ञान, मे॒ मिथ्र और भाजुद है माप मे॒ 2261 बर्च गज समवक्ष 1890 सवर्गमीटर या आसपास है और भू-राजस्व की सम्रक्षक की पृगतक मे॒ सर्वे नं० 1/267 (श्रंग) प्लाट नं० 59-अ/2, टी० पी० एस० नं० 3, सान्ताकृष्ण और म्यूनिसिपलटी गांवों एवं करों के असेसर एवं कलेक्टर की पृगतक मे॒ एच वार्ड नं० 6759(3) रटीट नं० 59/ए० टी० पी० एस० नं० 3, 4 था रास्ता, सान्ताकृष्ण (पूर्व) के अन्तर्गत पूजीहूत है और इस प्रकार घिरा हुआ है, अर्थात् उत्तर की ओर से सिर्फी सर्वे नं० 364 द्वारा दक्षिण की ओर से दक्षिण मार्ग द्वारा, पूर्व की ओर से सर्वे नं० 263, 269, 268 और 270 द्वारा और पश्चिम की ओर से स्टेट बैंक आफ इंडिया बाबाटर्स एच० वार्ड नं० 6759 (3) द्वारा दिनांक 27 अक्टूबर 1972 के विश्री प्रमाणपत्र मे॒ उपरोक्त जायदाद फाइल प्लाट नं० 59-ए० /2 टी० पी० एस० 3 निर्धारित है।

वी० आर० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 21 अक्टूबर 1974

अर्जन रेंज 2, बम्बई।

मोहर:

प्रारूप श्राई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अक्टूबर 1974

सं० आर० ए० सी०-३५/७४-७५—यतः मुझे, प्र० स० बाल  
सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० 2-4-1115 और 1115/1 काचीगूड़ा है, जो  
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 19-3-1974

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विनेग्र के अनुसार  
अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-  
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिनी  
(अन्तरिनियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने  
के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए  
सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. फैज मोहम्मद खान सुपुत्र स्व० नवाब डॉक्टर फैजज़ंग/  
सरकारी पेनजनदार नारायण गूड़ा हैदराबाद। (अन्तरक)

2 मैसर्म हाय-फेड, फौन्डेशन तिलक रोड, हैदराबाद  
(अन्तरिनी)

3. (1) निचली मंजिल में प्रिमीपल जैसूर्या होमेपाथिक  
कालेज काचीगूड़ा हैदराबाद।
- (2) पहाड़ी मंजिल में हमाम एण्ड सन्म प्राईवेट लिमिटेड  
काचीगूड़ा, हैदराबाद। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए<sup>1</sup>  
आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और  
स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति  
को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति  
को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति का, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की मुनवाई के समय मूर्ते जाने के लिए अधिकार  
होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का जो  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का  
43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

**सम्पत्ति:**—नं० 2-4-1115 और 1115/1 काचीगूड़ा  
रेनवे स्टेशन हैदराबाद जिसका फैजम्यानशन जिसका चौहूनी

**उत्तर:**—बिरादरी मकान

**दक्षिण:**—दक्षिण मध्य रेनवे का खुला जमीन

**पूर्व:**—बिरादरी मकान।

**पश्चिम:**—सिमेट का सार्वजनिक रोड।

एस० बाल सुब्रमण्यम्,  
सक्षम प्राधिकारी

तारीख:—19-10-1974 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर:—अर्जन रेंज, हैदराबाद

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 19 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० ३००८०४००२/बी०८०२/पैसी/-१३६०/७४-७५  
—यतः मुझ पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का

43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० धरनी जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5791 मार्च 1974 है, जो श्री हर गोविंद पुर रोड बटाला में स्थित है (और इसमें उपवड़ अनुमूल्यी में और पूर्ण वस्तु से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त भमानि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्नारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के पद्धो में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

असः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मैं मतविन्द्र पाल मिह नावालग मुपुत्र श्री साहन सिह सुपुत्र अमरीक मिह वासी बटाला मार्केत सोहन मिह पिता (गार्डीयन) (अन्तरक)

(2) श्री देव राज मरवाहा सपुत्र लां रलीया राम मरवाहा वासी बटाला मोहला पुर्णिया बटाया (अत्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 मे है

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(3) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे

सच रखना हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होंगा।

**स्पष्टीकरण**.—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभापित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अमुसूची

धरती जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5791 मार्च 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला।

पी० एन० मलिक,  
संशम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज अमृतसर।

तारीख:

पोहर-

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ACQUISITION RANGE, KAKINDA

Kakinda, the 1st November 1974

No. Acq. File No. 127/E.g.—Whereas, I. K. Subbarao आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका No. 11-5-5 situated at Ramaraopeta, Kakinada में स्थित है (और इसमें उपावड़

अनुसूची में श्रीगृह पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Kakinada में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-1974, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत घिलेख वं अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Bikkina Visweswararao, Kakinada.  
(Transferor)

(2) Shri Mutayla Ramarao, Kakinda

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो .—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति हस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है नि ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### THE SCHEDULE

East Godavari District—Kakinada Registration—Kakinada Municipality—Kakinada town—Door No. 11-5-5—Gopala-krishna Street—Ramaraopeta—Kakinada—1746 Sq. Yds.

#### BOUNDRIES

East : Sites of G. Sundaramma and partly Samineni Ranga-rao 28-2-9 Sq. Yds.

West : Road 29-1-0 Sq. Yds.

North : Site of Sri K. Krishnamurthy 56-1-10 Sq. Yds.

South : Site of K. Veerrau 56-1-10 Sq. Yds.

**K. SUBBARAO**  
मक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
Acquisition Range, Kakinada

Seal :

Date : 1-11-1974.

प्रारूप आई०टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयवद (निरीक्षण)

हैदराबाद, दिनांक 17 अक्टूबर 1974

सं० आर० ए० मी० 34/74-75—यत्, मुझे, एस० बाल  
मुख्यमन्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1-8-702/35 नल्लाकुंटा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-1974 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-तितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, जो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत्: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाली शृंखला करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-घ के अनुसारण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 जे० वुच्चम्मा C/o बसवेश्वरराम कोल डीपो  
नल्लाकुंटा, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री पुष्पा पेट्टापम्बगिरी सूपुत्र के० पी० रामम्मा  
कन्ट्राक्टर, जम्मलमडुग, कड्ड्या जिला  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पूरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—नं० 1-8-702/35, का भाग, नल्लाकुंटा,  
हैदराबाद में स्थित है।

एस० बालमुकुमाम्पम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयवद (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 17-10-74

मोहर:

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 8th November 1974

Shri N. B. Sen Gupta, Assistant Registrar, Supreme Court of India having expired on the 5th November 1974, his services in the Registry came to an end with effect from the afternoon of the 5th November, 1974.

(ADMN. BRANCH I)

The 11th November 1974

No. F.6/74-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri H. S. Munjral, Court Master, Supreme Court of India to officiate as Assistant Registrar with effect from the forenoon of the 11th November, 1974, until further orders.

T. K. MAHADEVA RAO  
Deputy Registrar (Admn.)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 31st October 1974

No. A.32013/1/74-Admn.I.—Shri R. R. Shimay, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, vide this office Notification No. A.32013/1/74-Admn.I dated 16-9-1974, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 4th October, 1974.

2. On his reversion, Shri P. R. Shimray resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 4th October, 1974.

No. A.32013/1/74-Admn.I.—Shri B. R. Verma, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, vide this Office Notification No. 32013/1/74-Admn.I dated 26-8-1974 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of 16th September, 1974.

2. On his reversion, Shri B. R. Verma, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 16th September, 1974.

No. A.32013/1/74-Admn.I.—Shri R. P. Satkartaria, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service and Under Secretary, Union Public Service Commission vide this office Notification No. A.32013/1/74-Admn.I dated the 26th August, 1974 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 19th September, 1974.

2. On his reversion, Shri R. P. Satkartaria resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 19th September, 1974.

No. A.32013/1/74-Admn.I.—Shri C. R. Anand, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service and Under Secretary, Union Public Service Commission vide this office Notification No. 32013/1/74-Admn.I dated 16-9-1974 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 30th September, 1974.

2. On his reversion, Shri C. R. Anand resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 30th September, 1974.

15-366GI/74

The 4th November 1974

No. A.32013/1/74-Admn.I.—Shri B. N. Addy, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, vide this office Notification No. A.32013/1/74-Admn.I dated 31st August, 1974, relinquished charge of the office of the Under Secretary Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 2nd October 1974.

2. On his reversion, Shri B. N. Addy, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 2nd October, 1974.

M. R. BHAGWAT  
Under Secy.  
Union Public Service Commission

## CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL)

## ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 19th October 1974

No. A.11/55/74.—Shri O. N. Raina, Inspector of Central Excise is hereby appointed as Enforcement Officer in Srinagar Sub-Zonal Office of this Directorate with effect from 10-10-74 (F.N.) and until further orders.

S. B. JAIN, Special Director

## DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; ADMINISTRATIVE REFORMS

## LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

MUSSOORI, the 11th November 1974

No. 81-ESP.—Shri J. P. Gupta, officiating Librarian Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, has been confirmed as Librarian with effect from 28-12-1973.

R. C. TRIPATHI  
Deputy Director

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 20th November 1974

No. 2/4/74-Admn.—Shri R. Ramachandran, Assistant, who was appointed to officiate as Section Officer w.e.f. 23-9-74 vide the Central Vigilance Commission's Notification No. 2/4/74-Admn. dated the 27th September 1974, reverted as Assistant with effect from the afternoon of 8th November, 1974.

B. V. DIGHE  
Under Secy. (Admn.).  
for Central Vigilance Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL, RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 7th November 1974

No. O II-969/74-Estt.—The Director General, C.R.P. Force is pleased to appoint Dr. Dava Hanumanthaiah as Junior Medical Officer in the C.R.P. Force on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 27th September, 1974.

2. Dr. Dava Hanumanthaiah is posted to 13th Bn. C.R.P. Force.

The 21st November 1974

No. F-2/42/74-Estt.—Consequent on his selection as Assistant Director in Cabinet Secretariat on deputation Shri R. Ohri relinquished charge of the post of Commandant GC, C.R.P.F. New Delhi on the forenoon of 1st November, 1974.

The 22nd November 1974

No. F-3/13/74-Estt.(CRPF).—Consequent on acceptance of his resignation Shri P. S. Ahluwalia relinquished charge of the post of Assistant Commandant, Group Centre, C.R.P. Force, Jharoda Kalan, New Delhi on the forenoon of 9th September, 1974.

S. N. MATHUR  
Asstt. Director (Adm.)

**OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**  
New Delhi-110003, the 16th November 1974

No. E-16016/7/73-Ad.I.—On completion of the two years terms of his deputation as Section Officer, in the Central Industrial Security Force, Shri R. S. Sahni relinquished the charge of his post with effect from the forenoon of 28th October, 1974 and repatriated to his parent office i.e. Ministry of Home Affairs with effect from the same date.

L. S. BISHT  
Inspector General

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL**

Bhubaneswar, the 20th July 1974

No. O.O.C. 324.—The Accountant General, Orissa has been pleased to grant proforma promotion (officiating) to the following permanent Section Officers of this office to the cadre of Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40—1000—EB—40—1200/- with effect from the date as noted against each until further orders :

1. Shri Trinath Misra w.e.f. 11-7-74 (F.N.)—Now on deputation to Fertiliser Corporation of India, Talcher Division as A.O.
2. Shri Padmanabha Misra II w.e.f. 15-7-74 (F.N.)—Now on deputation to Paradeep Port Trust, Paradeep as A.O.

The 19th August 1974

No. O.O.C.—426.—The Accountant General, Orissa has been pleased to appoint the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officer with effect from the date as noted against each until further orders. Their interse seniority would be as follows :—

1. Shri K. C. Khuntia—22-7-74 (F.N.).
2. Shri P. V. N. Murty—14-8-74 (F.N.).
3. Shri R. Dharmarajan—22-7-74 (F.N.).

No. Admn.IAD-1-2308.—The Accountant General, Orissa has been pleased to appoint the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officer with effect from the date as noted against each until further orders. Their interse seniority would be as follows :

1. Sri K. S. Krishnan—13-9-74 (A.N.).
2. Shri R. Ramamurti II—13-9-74 (A.N.).
3. Shri Shyamasundar Rath—8-10-74 (F.N.).
4. Shri Abanibhusan Misra—7-10-74 (F.N.).
5. Shri M. Subba Rao—5-10-74 (A.N.).
6. Shri Hrusikesh Chatterjee—5-10-74 (A.N.).
7. Shri Umesh Chandra Patnaik—7-10-74 (F.N.).

V. S. BHARDWAJ  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

Bombay-20, the 2nd November 1974

No. Admn. I/IAD/31-Vol II/16.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri J. L. D'Souza, a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 9-10-74 (A.N.) until further orders.

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/17.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri B. R. Kulkarni a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 9-10-74 (A.N.), until further orders.

No. Admn. I/IAD/31-Vol. II/18.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri V. S. Khandkar a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 10-10-74 (F.N.) until further orders.

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/19.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri D. R. Hirckerur a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 10-10-74 (F.N.) until further orders.

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/20.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri K. Krishna Iyer, a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 10-10-74 (F.N.) until further orders.

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/21.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri H. N. Khiani a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 11-10-74 (F.N.) until further orders.

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/22.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri D. S. Thakur a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 14-10-74 (F.N.) until further orders.

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/23.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri A. V. Balkrishnan a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 10-10-74 (F.N.) until further orders.

A. B. PALEKAR  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR  
SOUTH CENTRAL RAILWAY**

Secunderabad, the 1st November 1974

The Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad, has appointed Sri B. G. Sathyamurthy, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service to officiate as Audit Officer, South Central Railway with effect from 12-9-1974 (F.N.) until further orders.

M. ADAIKALASAMY  
Deputy Chief Auditor

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-22, the 19th November 1974

No. 18177/AN-II.—On attaining the age of superannuation on 14-1-75 (A.N.), Shri Pearey Lal Gupta, an officer of the Indian Defence Accounts Service will be transferred

to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department from 31-1-75 (A.N.).

S. K. SUNDARAM  
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

**MINISTRY OF DEFENCE**  
**DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES**

**INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE**

Calcutta-16, the 19th November 1974

No. 47/74/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri J. N. Ghose, Offg. Deputy Manager (Pmt. Foreman), retired from service with effect from 30-4-74 (A.N.).

M. P. R. PILLAI  
Assistant Director General, Ordnance Factories

**MINISTRY OF LABOUR**  
**(LABOUR BUREAU)**

Simla, the 1974

No. 23/3/74-CPI.—The All-India Consumer Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 advanced by one point to reach 335 (Three hundred and thirty five) during the month of October, 1974. Converted to base 1949=100, index for the month of October, 1974 works out to 407 (four hundred and seven).

S. SOMASUNDARAM IYER,  
Deputy Director.

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING**  
**FILMS DIVISION**

Bombay-26, the 18th November 1974

No. A.12025(ii)/4/74-Est.I.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri M. K. Vighne, Officiating Cameraman (Cartoon Film Unit) in the Films Division at Bombay, retired from service with effect from the afternoon of 31-10-1974.

2. The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri R. B. Mhatre, Permanent Cameraman, Films Division Bombay to officiate as Cameraman (Cartoon Film Unit) with effect from 31-10-1974 (afternoon) *v/e* Shri M. K. Vighne retired.

M. K. JAIN  
Asstt. Administrative Officer  
for Chief Producer

**DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY**

New Delhi-1, the 16th November 1974

No. A.19014/4/74-Est.II.—The Director of Advertising & Visual Publicity appoints Shri G. K. Srinivasa to officiate as Field Exhibition Officer in the Field Exhibition Unit of this Directorate at Bombay with effect from 1st November, 1974 (forenoon), until further orders.

R. L. JAIN  
Deputy Director (Admn.)  
for Director of Advertising & Visual Publicity

**DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO**

New Delhi, the 5th November 1974

No. 2/32/60-SII.—Director General is pleased to appoint Shri R. N. Kundu, Accountant, Betar Jagat, AIR, Calcutta to officiate as Administrative Officer in the pay scale of

Rs. 650—960 w.e.f. 28-10-74 (F.N.) at A.I.R., Gauhati on *ad hoc* basis *v/e* Shri S. K. Dasgupta granted 76 days Earned Leave w.e.f. 14-10-74.

I. S. PANDHI  
Section Officer  
*for* Director General

New Delhi, the 19th September 1974

No. 2/6/73-S.III.—The Director General All India Radio hereby appoints the following *ad hoc* Assistant Engineers to officiate in the grade of Assistant Engineers on regular basis with effect from 27th February, 1974 at the Stations/Offices of All India Radio as shown against their names until further orders:—

Name & Place of posting.

S/Shri.

1. B. Banerjee—All India Radio, Calcutta.
2. R. Rajagopalan—Research Department, All India Radio, New Delhi.
3. H. S. Bawa—T. V. Centre, A.I.R., New Delhi.
4. S. C. Dass—All India Radio, Calcutta.
5. T. R. Mehta—High Power Transmitter, All India Radio, Kingsway, Delhi.
6. V. S. Prasad—Base Production Unit, All India Radio, Hyderabad.
7. Jitendra Kumar—All India Radio, Allahabad.
8. P. Natarajan—All India Radio, Bangalore.
9. J. P. S. Arora—All India Radio, Jodhpur.
10. M. P. G. Nair—Office of the Regional Engineer (South), A.I.R., Madras.
11. N. P. Sharma—T. V. Centre, A.I.R., New Delhi.
12. K. C. Batra—All India Radio, Simla.
13. M. P. N. Singh—All India Radio, Varanasi.
14. S. V. Reddy—All India Radio, Hyderabad.
15. R. Srinivasan—T. V. Centre, A.I.R., Bombay.
16. S. K. Chatterjee—All India Radio, Calcutta.
17. V. R. Rajagopal—All India Radio, Kohima.
18. G. Ramachandra Nair—All India Radio, Trivandrum.
19. Madan Lal A/o Shri Naubat Ram—High Power Transmitter, All India Radio, Aligarh.
20. S. C. Gupta—All India Radio, New Delhi.
21. Krishan Mittal—All India Radio, New Delhi.
22. R. K. Ray—Office of the Regional Engineer (East), A.I.R., Calcutta.
23. R. C. Jain—All India Radio, Jullundur.
24. N. V. R. Subba Raju—All India Radio, Vijayawada.
25. S. P. Patil—T. V. Centre, A.I.R., Bombay.
26. D. R. Behl—Office of the Regional Engineer (North), A.I.R., New Delhi.
27. S. K. L. Prasada Rao—T.V. Centre, A.I.R., Bombay.
28. O. P. Goel—H. P. T., Khampur, Delhi.
29. Y. K. Rajagopalachari—All India Radio, Bhadravati.
30. E. C. Chibber—H. P. T., A.I.R., Aligarh.
31. N. Swaminathan—Office of Regional Engineer (West), All India Radio, Bombay.
32. R. P. Bansal—H. P. T., A.I.R., Aligarh.
33. G. D. Bhatia—T. V. Centre, A.I.R., Amritsar.
34. S. P. Pandhi—H. P. T., Khampur, A.I.R., Delhi.
35. V. K. Sinha—All India Radio, Lucknow.
36. B. Srikanth—All India Radio, Dibrugarh.
37. A. S. Kaushik—High Power Transmitter, A.I.R., Khampur, Delhi.

S/Shri

38. S. K. Sharma—All India Radio, New Delhi.
39. Farid Rezwan—T.V. Centre, A.I.R., Srinagar.
40. J. R. Singh—All India Radio, Imphal.
41. K. D. Kaushal—H.P.T., A.I.R., Kingsway, Delhi.
42. M. G. Gupta—All India Radio, Sambalpur.
43. Rajendra Prakash—All India Radio, New Delhi.
44. V. V. Surendra—All India Radio, Jodhpur.
45. S. P. Singh—T.V. Centre, A.I.R., New Delhi.
46. M. K. S. Nambiar—All India Radio, Madras.
47. G. P. Maheswari—H.P.T., A.I.R., Khampur, Delhi.
48. Manjit Singh Bhatia—All India Radio, Shillong.
49. M. C. Gorai—All India Radio, Jammu.
50. E. Venkatakrishnan—All India Radio, Dibrugarh.
51. S. C. Srivastava—H.P.T., A.I.R., Khampur, Delhi.
52. Balakrishnan Foetedar—T.V. Centre, Srinagar.
53. J. C. Agrawal—Research Department, A.I.R., New Delhi.
54. C. P. Mata—H.P.T., Khampur, A.I.R., Delhi.
55. Vittal Rao—All India Radio, Imphal.
56. O. N. Pajnoo—All India Radio, Radio Kashmir, Srinagar.
57. O. P. Girdhar—H.P.T., A.I.R., Chinsurah (West Bengal).
58. A. K. Bajaj—H.P.T., A.I.R., Chinsurah (West Bengal).
59. I. N. Sharma—T.V. Centre, New Delhi.
60. K. A. S. Namboodripad—H.P.T., A.I.R., Chinsurah (West Bengal).
61. M. R. Krishnaswamy—All India Radio, Kohima.
62. M. K. Makwana—All India Radio, Ahmedabad.
63. S. K. Garg—H.P.T., A.I.R., Kingsway, Delhi.
64. V. A. Jere—All India Radio, Poona.
65. Raghbir Singh—T.V. Centre, A.I.R., Amritsar.
66. I. S. V. Rao—All India Radio, Hyderabad.
67. A. S. Tyagi—Base Production Unit, A.I.R., New Delhi.
68. K. K. Mehta—H.P.T., A.I.R., Malad, Bombay.
69. Madan Lal S/o Shri Brij Lal—All India Radio, New Delhi.
70. Surendra Singh S/o Shri Gulab Singh—H.P.T., A.I.R., Khampur, Delhi.

P. K. SINHA  
Dy. Director of Admin.  
for Director General

New Delhi, the 14th November 1974

No. 15/1/74-Vig.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri P. J. Joseph, Social Science Instructor, Regional Family Planning Training Centre, Calicut, as Extension Officer, Family Planning at All India Radio, Calicut in a temporary capacity with effect from 7-10-74 (forenoon) until further orders.

No. 15/4/74-Vig.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri G. L. Verma, District Education & Publicity Officer, District Family Planning Bureau, Bhilwara, Rajasthan, as Extension Officer, Family Planning at All India Radio, Rampur, in a temporary capacity with effect from 9-10-1974 (forenoon) until further orders.

HARJIT SINGH  
Deputy Director of Administration  
for Director General

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 11th November 1974

No. 26-16/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri J. P. Gupta, Grade IV Officer of the I.S.S. to the post of Assistant Director (Statistics) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in an officiating capacity with effect from the forenoon of 25th September, 1974 until further orders.

No. 11-1/74-Admn.I(A).—In continuation of this Directorate's Notification No. 11-8/74-Admn.I(A) dated the 31st July, 1974, the President is pleased to appoint Shri P. J. Padmanabhan, a permanent Officer of the Section Officer's Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the C.S.S. w.e.f. forenoon of 1-8-74 to the afternoon of the 31-8-74.

The President is also pleased to appoint Shri P. J. Padmanabhan, as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services for the above period.

The 15th November 1974

No. 33-13/69-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Dalpat Singh, Assistant in the Ministry of Health & F. P. (Department of Health) to the post of Administrative Officer, at the Rural Health Training Centre, Najafgarh with effect from the forenoon of the 1st November, 1974 and until further orders.

Shri K. B. Kumar relinquished charge of the post of Administrative Officer at the Rural Health Training Centre, Najafgarh on the afternoon of the 31st October, 1974 on his reversion to the Ministry of Home Affairs.

New Delhi, the 20th November 1974

No. 6-14/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Satya Pall Bhandari Audit Officer, Office of the Chief Auditor, Northern Railway, New Delhi to the post of Accounts Officer, Central Research Institute, Kasauli with effect from the forenoon of the 1st October, 1974 and until further orders.

Shri M. C. Garg relinquished charge of the post of Accounts Officer, Central Research Institute Kasauli with effect from the forenoon of the 1st October, 1974.

S. P. JINDAL  
Deputy Director, Administration

New Delhi, the 19th November 1974

No. 16/16/74-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. Gobindarajulu, Office Superintendent, Government Medical Store Depot, Madras, as Assistant Depot Manager in the Medical Stores Organisation, on temporary basis, with effect from the forenoon of 27th September, 1974, at the Medical Store Depot, Madras, until further orders.

P. C. KAPUR,  
for Director General of Health Services.

**MINISTRY OF AGRICULTURE**  
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)  
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

N.H. IV., Faridabad, the 2nd November 1974

No. F. 4-5(6)/74-A.I.—Shri T. M. Mustaf, Marketing Officer, Group I, New Delhi is appointed to officiate as Deputy Senior Marketing Officer, Group I, on a purely temporary and ad-hoc basis, in the Directorate of Marketing and Inspection, Faridabad, with effect from 4-10-1974 (F.N.), until further orders.

Nagpur, the 6th November 1974

No. F.2/8/74-DN.II.—In partial modification in Notification No. 3(44)/9/72-D.II, No. F. 5/11/69-D.II, No. F. 2/8/70-D.II and No. 74/15/72-D.I published in the Gazette of India, Part III, Section I, dated 21-7-73 (Pages 1840 to 1844) the name of Shri G. K. Pawar, Marketing Officer, wherever occurring in the said notification may be treated as cancelled.

No. F. 2/8/74-DN.II.—In partial modification in the Notification No. 3(TL)/2/65-D.II, No. 3(44)/9/72-D.II, No. F. 74/15/72-D.I, No. F. 5/11/69-D.II, No. F. 2/8/70-DN. II, published in the Gazette of India, Part III, Section I, dated 21-7-73 (Pages 1840 to 1844) the name of Shri V. Balarama Murthy, Assistant Marketing Officer, wherever occurring in the said notification may be treated as cancelled.

N. K. MURALIDHARA RAO,  
Agricultural Marketing Adviser

**CENTRAL WATER & POWER COMMISSION**  
(POWER WING)

New Delhi-110022, the 7th November 1974

No. 1/57/74-Adm.III(PW).—The Chairman, Central Water & Power Commission appoints Shri Randhir Singh, a permanent Hindi Translator of the Ministry of Energy ( erstwhile Ministry of Irrigation and Power) as Hindi officer on ad-hoc basis for one year in the first instance or pending regular recruitment to the post through Union Public Service Commission, whichever is earlier, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Central Water and Power Commission (Power Wing), New Delhi with effect from the forenoon of 26th October, 1974.

M. S. PATHAK, Under Secy.  
for Chairman

New Delhi-22, the 18th November 1974

No. A-32012/4/70-Adm.V.—The Chairman, Central Water & Power Commission is pleased to appoint the following Research Assistants to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the Central Water & Power Commission, New Delhi, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely tempy. and ad-hoc basis, for a period of three months from the dates shown below against each, or till such time as the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

1. Shri R. S. Anand—4-11-1974 (forenoon).
2. Shri S. S. Sachar—4-11-1974 (forenoon).
3. Shri K. N. Nair—4-11-1974 (forenoon).

K. P. B. MENON, Under Secy.  
for Chairman, C.W.&P. Commission.

#### CENTRAL GROUND WATER BOARD

N.H. IV Faridabad, the 6th November 1974

No. 6-49/74.II.—Shri M. L. Gandotra is appointed as Assistant Administrative Officer G.C.S. Class-II (Gazetted) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on ad hoc and temporary basis with effect from 16-10-1974 (F.N.) in the Central Ground Water Board with his headquarter at Faridabad till further orders.

D. PANDEY, Superintending Engineer

#### PUBLIC WORKS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF CENTRAL  
New Delhi, the 18th November 1974

No. 27-E/B(33)/73-ECI.—Shri A. C. Bhatia, Executive Engineer (Valuation) Income Tax Department, Nagpur expired on 26th August, 1974.

P. S. PARWANI, Dy. Director of Adm.  
for Engineer-in-Chief

New Delhi, the 19th November 1974

No. 33/3/74/27/23/72-Admn.IV.—The President is pleased to appoint Shri Rajendra Nagdev as Deputy Architect in the Central P.W.D. on the pay of Rs. 700/- p.m. in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (Plus usual allowances), with effect from 25-9-74 (F.N.), on the terms and conditions of service as enumerated in this office letter of even number dated 21-9-74.

S. S. P. RAU, Dy. Director of Adm.  
for Engineer-in-Chief.

#### MINISTRY OF IRRIGATION & POWER OFFICE OF THE GENERAL MANAGER FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka, the 11th October 1974

No. PF-II/214/12239(8)—Shri Ajay Krishna Saha has been appointed as Asstt. Engineer (Mech.) in the Farakka Barrage Project, Ministry of Irrigation and Power, Government of India on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 15th June, '74 upto the period of 31-12-74.

The 9th November 1974

No. PF-II/220/15886(8)—Shri K. C. Roy has been appointed as Asstt. Engineer (Mech.) in the Farakka Barrage project, Ministry of Irrigation & Power, Government of India on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 20th March '74 upto 31-12-74.

No. 15891(8)—Shri Ramendra Nath Mazumder has been appointed on promotion on ad-hoc basis to officiate in the post of Assistant Engineer (Mech.) in the F.B. Project, Govt. of India Ministry of Irrigation & Power, in the forenoon of 15th June '74 upto the period 31-12-74.

No. 15892(8)—Shri Kali Kumar Sarma Sarkar has been appointed on promotion on ad-hoc basis to officiate in the post of Asstt. Engineer (Civil) in the Farakka Barrage Project, Govt. of India, Ministry of Irrigation & Power in the after-noon of the 15th June, 1974 up to the period of 31-12-74.

No. PF-II/216/15893(8)—Shri Suboth Kumar Saha has been appointed on promotion on ad-hoc basis to officiate in

the post of Assistant Engineer (Civil) in the Farakka Barrage Project, Government of India, Ministry of Irrigation & Power in the fore-noon of 15th June '74 upto the period of 31-12-74.

J. N. MONDAL, General Manager,  
Farakka Barrage Project.

#### EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 21st November 1974

No. AE-2134/Prom./7/3/1/Elec.—The following probationers of the Electrical Engineering Department are confirmed in junior scale on the Eastern Railway with effect from the date noted against each.

Name & Date of confirmation

1. Shri A. K. Jain, 1-4-73.
2. Shri V. K. Sibal, 28-12-73.
3. Shri S. K. Gupta, 9-12-73.

V. P. SAWHNEY, General Manager

#### NORTHERN RAILWAY

##### HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 23rd October 1974

No. 20—The following Assistant Medical Officers (Dental) Class II Scale Rs. 350-900 (AS) of this Railway are confirmed as Assistant Medical Officers (Dental), Class II in scale Rs. 350-900(AS) on this Railway from the dates shown against each :—

Sl. No., Name of A.M.O. (Dental) & Date from which confirmed as A.M.O. (Dental).

1. Dr. V. B. Lal, 1-1-1966.
2. Dr. S. B. Agarwal, 8-3-73.
3. Dr. M. S. Hussain, 8-3-73.
4. Dr. Surinder Nath, 8-3-73.

Doctors shown against item No. 2 to 4 have been confirmed against three supernumerary posts of A.M.O. (Dental) Class II in scale Rs. 350-900(AS). These posts will, therefore, remain occupied by them till such time they hold the scale of pay Rs. 350-900(AS) as personal to them.

C. S. PARAMESWARAN, General Manager.

#### SOUTH CENTRAL RAILWAY

##### GENERAL MANAGER'S OFFICE

##### PERSONNEL BRANCH

Secunderabad, the 12th November 1974

No. P-185/GAZ/TC.—Shri S. K. Shukla, an Officer of the Indian Railway Traffic Service (on probation) is confirmed in Class I/Junior Scale of that service with effect from 11th December 1973.

The 21st October 1974

No. P(GAZ)185/Accounts—Shri K. V. P. PANICKER, an Officiating Class-II Officer of Accounts Department of South Central Railway is confirmed in Class-II service of that Department with effect from 10-6-1971.

K. S. RAJAN, General Manager.

#### INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 22nd November 1974

No. F.48-Ad(AT)/74-P.II—Shri H. C. Srivastva, Sr. Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal who was appointed to officiate as Assistant Registrar in the Income-tax Appellate Tribunal, Patna Benches, Patna (now transfer to Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches, Allahabad) on ad-hoc basis in a temporary capacity with effect from 3-8-1971 until further orders vide this office Notification No. F.48-Ad (AT)/71, dated 7-8-1971, is now permitted to continue to officiate on ad-hoc basis in a temporary capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches, Allahabad for a further period from 1-10-1974 to 31-12-1974 (Afternoon) or till the post is filled up by regular appointment of a nominee of the Union Public Service Commission, whichever is earlier.

HARNAM SHANKAR, President.

## FORM I.T.N.S.—

- (2) Shri Musafir Singh & Others,  
Nilkanth Building, Ruttonsi Hirji Bhojraj Road,  
Mulund (W), Bombay-80.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV  
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 1st November 1974

No. AP-190/IAC., AR-IV/74-75.—Whereas, I, G. S. RAO, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 306 (Pt) & S. No. 307, H. N. 1 (Pt) situated at Mulund (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Bombay on 15-3-1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Jayantilal Mohanlal Bhuta & Others,  
"Bhuta Nivas" No. 2, King's Circle,  
Bombay-19.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of vacant land or ground bearing Plot No. 'N' of the layout situate lying and being Off and on the northern side of Dr. Rajendra Prasad Road, Mulund (W) in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 1143 sq. metres (equivalent to 1365 sq. yds.) or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under Survey No. 306 (part) and Survey No. 307 (Hissa No. 1) (part) and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under T Ward No. 2508(2) Division B, bounded as follows : That is to say on or towards the East by the property of New India Industries Ltd., on or towards the West by the property of the vendors; on or towards the north partly by the property of the Consolidated Pneumatic Tools Ltd., and partly by the garden and on or towards the south by the property belonging to the Vendors.

G. S. RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV,  
Bombay.

Date : 1-11-1974

Seal :

## FORM ITNS

(2) Bangur Land Development Corp. Ltd., 5, Deshpur Sasmal Road, Calcutta-33.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY  
INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. AC/144/R-IV/Cal/74-75—Whereas, I S. Bhattacharyya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 66, P.A. Shah Road, situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Jt. Sub-Register of Alipore, At Behala on 29-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Gobindalal Bangur, 65, Sir Hariram Goenka Street Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kh. No. 123, 125 Par tof C.S. Dag No. 3,3/35 Mouza, Gobindapur, Area 6-14-35 K-Ch-Sft. 166, P.A. Shah Road, P.S. Tellygunge, Calcutta.

S. BHATTACHARYYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.

Date : 11-11-1974

Seal :

## FORM JTNS

(2) Shri Laxman s/o Shri Shamji Mahajan R/o Village Chinaval, Teh. Raver, Distt. Jalgaon. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
Bhopal

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAS/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 177/1 Block No. 42 House situated thereon, at Raipura, Teh. Burhanpur situated at Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Burhanpur on 22-3-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shrikrishnarao Vishnu Joshi & Mrs. Laxmibai W/o Shri Shrikrishnarao Joshi, R/o Raipura of Burhanpur now at: Dongre Bag, Dadar, Bombay. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 177/1 Block No. 42 House situated thereon at Raipura, Teh. Burhanpur.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Incometax, Acquisition Range,  
Bhopal

Date : 7-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL

Bhopal, the 7th November 1974

Ref No IAS/ACO/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Subhash Marg, Dhanmandi, Ratlam municipal No. 87 area 2777 sq ft. situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 13-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

16—366GI/74

(1) Shri Roopchand, 2 Shri Chandmal S/o Shri Khemraj, 3 Shri Rattanlal, 4 Shri Hastimal, 5. Shri Gidardil Roopchand, 6 Shri Manaklal S/o Chandmal Bhora Mahanar &/o Pipalkunda at present at Ratlam. (Transferor)

(2) Shri Rajendrakumar S/o Shri Chandmalji, 2 Smt. Dr. Prema W/o Shri Rajendrakumarji Bhandari 10 Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House situated at Subash Marg, Dhanmandi Ratlam Municipal No 87 area 2777 sq ft. Ratlam.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Bhopal.

Date : 7-11-1974.  
Seal :

## FORM ITNS

(2) Rajdoot Co-Operative Housing Society Ltd. 9, Hare Street, Calcutta. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1974

Ref. No AC/138/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 21/2 A, Monohar Pukur Rd. situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Registrar of Assurances Calcutta on 25-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bidyutkana Pal 376/1, Block G New Alipore, Calcutta. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

21/2A, Monohar Pukur Road, Calcutta—Area 3 K. 11 Chattaks 30 Sq. ft. as more particularly described in the Instrument of Transfer.

S. BHATTACHARYYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 8-11-74  
Seal :

**FORM ITNS**(1) Rash Behari Basu,  
73A, Purna Das Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Govinda Chandra Nag,  
52/1, Beniatala St., Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

**THE SCHEDULE**

Undivided 3/4th share of building situated at 40, Shri Arabinda Sarani, Calcutta containing an area of 5 K. 13 Ch.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I,  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 11th November 1974  
Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Ami Kumar Saksena 1 & 2 Jackson Avenue,  
Calcutta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE I,

Calcutta-1 the 11th November 1974

No TX 1689 C-462/Cal 173-74—Whereas I Sri S K Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No No 13 situated at Dr Isaque Road, (Formerly Kyd Street) Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, 5 Govt Place North, Calcutta on 5-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely —

- (1) Shri Pashupati Jall Seal 53 C Bon Bihary Bose Road Howrah
- (Transferor)  
(Transferee)

- 1 Shri Baluram Rajak
  - 2 Shri R K Ovalani
  - 3 Shri B P Saksena
  - 4 Dr N Singh
  - 5 Shri C F Lobo
  - 6 Shri C F Ellis
  - 7 Shri Omprakash Ramchand Subraman
  - 8 Shri Jitendra Nath Mukherjee
  - 9 Shri B R Parasar
  - 10 Shri Mohit Ranjan Lahiri
- [Person whom the undersigned knows to be interested in the Property]  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

**EXPLANATION**—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Undivided One-twelfth part or share of in partly two and partly three storied building bearing premise, No 13 Dr Isaque Road (Formerly Kyd Street) Calcutta containing an area of land measuring 8 K-2 Ch-42 sft

S K CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
IAC of Income-tax,  
Acquisition Range I P 13 Chowinghee Square, Calcutta

Date 11-11-1974

Seal

**FORM ITNS**  
**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
 OF INCOME TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA I

Calcutta-1, the 11th November 1974

Re: No. TR 1691/C-460 Cal 1/73-74—Whereas S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13 situated at Dr. Israque Road (Formerly Kyd Street) Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, 5 Govt Place North Calcutta on 5-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

(1) Sri Pionob Lall Seal  
 53/C, Bon Behary Bose Road,  
 Howrah

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Saksena  
 1 & 2 Jackson Lane,  
 Calcutta

(Transferee)

- 1 Shri Baluram Rajak
- 2 Shri R. K. Ovalani
- 3 Shri B. P. Saksena
- 4 Dr. N. Singh
- 5 Shri C. F. Lobo
- 6 Shri C. F. Ellis
- 7 Shri Omprakash Ramchand Subhani
- 8 Shri Jitendra Nath Mukherjee
- 9 Shri B. R. Parasad
- 10 Shri Mohit Ranjan Lahiri

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided one twelfth part or share in partly two and partly three storied building bearing premises No. 13 Dr. Israque Road (Formerly Kyd Street), Calcutta containing an area of land measuring 8 K-2 Ch-42 sft

S. K. CHAKRAVARTY  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range I P 13, Chowringhee Square  
 Calcutta

Date 11th November 1974  
 Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-III, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 1st November 1974

No. AR/III. 476/74-75.—Whereas, I, R. G. NERURKAR, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 182, S. No. 161 (part) situated at Pahadi, Goregaon (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Sub-Registrar's Office, Bombay, on 15-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M. s. Laxmi Asbestos Products Ltd.,  
Shreenivas House,  
Wadby Road, Fort, Bombay-1.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar Somani,  
158/164, Kalbadevi Road,  
Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece or parcel of land or ground being Plot No. 182 situate lying and being on the Village Pahadi, Goregaon (West) Taluka Borivali in the Registration Sub-District Bandra District Bombay Suburban now in Greater Bombay and bearing S. No. 161 (Part) and admeasuring 1280 sq. yards equivalent to 1070.25 sq. metres and bounded as follows: that is to say on or towards the West 60 feet wide Road, On or towards the East by 30 feet wide Road, On or towards the North partly by Plot No. 188 and partly by Plot No. 183 and On or towards the South by Plot No. 181.

R. G. NERURKAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-III,  
Bombay.

Date : 1-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt Pratima Banerjee, 6L, Lala Lajpatrai Sarani, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sankari Banerjee, 25, Kali Banerjee Lane, Howrah I.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th November 1974

Ref. No. AC-135/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6B Lala Rajaipati Sarani, situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred, as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta, on 29-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person, who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th part in three storied building with about 5 cettahs 10 chittaks land being the north Western portion of 6B Lala Lajpatrai Sarani, Calcutta, as more particularly described in the Instrument of Transfer.

S. BHATTACHARYYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 5-11-1974

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX.

## ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1974

Ref No AC-137/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I S Bhattacharyya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot No 52 C.I.T Scheme No VI M Old Premises No 29 Kankurgachi Road, situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta, on 30.3.1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Lakshmi Chand Bajaj, 60, Vivekananda Road, Calcutta

(Transferor)

(2) Sri Lyman Gho, Pradip Ghose, Prabu Ghose, 52 Beaton Street, Calcutta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

6 Cottahs 6 Chattaks 30 Sq. ft. of vacant land, Plot No. 52, C.I.T Scheme No VIM Old premises No 29 Kankurgachi Road, Calcutta

S. BHATTACHARYYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 7-11-1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 14th November 1974

Ref. No. F. XVI/1(11)/2A/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the Competent Authority under section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. B Ward, Block No. 29 situated at Maravamei, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

JER II, Salem on March 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. P. Rajarathinam Ammal  
W/o M. Parthasarathy Chetty,  
Gandhi Road, Sreerangapalayam,  
Salem-4.  
(Transferor)
- (2) Dr. M. Haneefa M.D.,  
S/o Kollankodu Mydeen Rauther,  
Fairlands East Garden Road,  
Allagappuram,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and Building measuring about 10,000 sq. ft. at B Ward, Block No. 29, Maravamei, Salem.

K. V. RAJAN  
Competitive Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
Madras-6

Dated : 14th November 1974  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th October 1974

Ref. No. RAC No. 35/74-75.—Whereas, I, S. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-4-1115 & 1115/1 situated at Kachiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 19-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sri Faiz Mohamad Khan, S/o Late Nowab Dr. Faiz Jung Ret. Government Servant of Nalayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s HY-FEED Foundation  
R/o Tilok Road, Hyderabad.

(Transferee)

(3) 1. Ground floor occupied by the Principal of Jaisooraya Homeopathic College, Kachiguda, Hyderabad.  
2. First floor by Immam & Sons, Pvt. Ltd. Kachiguda, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property:—H. No. 2-4-1115 & 1115/1 at Kachiguda Hyderabad near Railway Station, Known as "Faiz Mansion" Bounded by :

North : Neighbour's house,

East : Neighbour's house.

South : Open land belonging to the South-Central Railway.

West : Cement Public Road.

**S. BALASUBRAMANIAM,**  
Competent Authority,  
I.A.C. of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 19-10-1974.

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Shushila Ratilal Sanghvi, Pethe Niwas,  
Agra Road, Ghatkopar, Bombay-88.  
(Transferor)
- (2) Shri Parmanand A. Doshi & others.  
7, Winter Road, Off. Ridge Road, Bombay-6  
(Transferee)
- \* (3) M/s. J. P. Bross.  
[Person(s) in occupation of the property]

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 1st November 1974

No. AP-189/IAC, AR-IV/74-75.—Whereas, I, G. S. RAO, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 12, S No 161, H. No. 4B(pt) 5B(pt), 6(pt) and S. No. 31 (pt) situated at Ghatkopar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub-Registrar, Bombay, on 14.3.1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing in the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Lease hold property at Ghatkopar Adm about 3826 sq. mtrs. bearing Plot No. 12 of Sanghvi Garden, S. No. 161, H. No. 4B (Pt), 5B(Pt), 6(Pt) and S. No. 31 (Part).

G. S. RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
Bombay.

Date : 1-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Ashoke Kumar Raidani 6, Temple Street, Calcutta  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE I  
CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1974

No TR 1656/C 446/Cal-1/73-74—Whereas I S K Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 39 and 40 situated at Lenin Sarani formerly Dharamtolla Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer The Registrar of Assurances, No 5 Govt Place North Calcutta on 16-3-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Mohmed Shahbuddin 15, Kateya Road, Calcutta  
(Transferor)

- 1 Ashutosh Banerjee
- 2 Hrishikesh Ghose
- 3 Narendra Bhangi

[Person in occupation of the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Half share of Brick built house at No 39 and 40 Lenin Sarani formerly Dharamtolla Street, Calcutta

S K CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date 8-11-74

Seal

## FORM ITNS

(1) Shri Gobind Lal Bangur, 65, Sir Hatiram Goenka St., Calcutta. (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bangur Land Development Corporation Limited, 5, Deshpuran Sasmal Road, Calcutta-33. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. AC-142/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, J. S. Bhattacharyya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 166 P. A. Shah Rd. situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jt. Sub-Registrar of Alipore at Behala on 14-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kh. No. 562, 585 Part of C. S. Dag No. 274 Mouza-Arakpur Area—3 Kattahs 5 Chhittaks 166 P. A. Shah Rd. P.S. Tollygange, Calcutta.

S. BHATTACHARYYA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range-IV,  
54. Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 11-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pratima Banerjee, 6A, Lala Lajpatrai Sarani, Calcutta. (Transferor)
- (2) Smt. Sandhya Rani Roy, 5, Durga Pithori Lane, Calcutta. (Transferee)
- (3) Shri Anantaram Mulchand Doshi & others, in occupation of the property.

[Persons in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta-16 the 5th November 1974

Ref. No AC-134/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6B Lala Lajpatrai Sarani, Calcutta situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar of Assurances, Calcutta on 29-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.—

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided 4th part in three storied building with about 5 cottahs 10 chhattaks land being the north western portion of 6B, Lala Lajpatrai Sarani, Calcutta as more particularly described in the Instrument of Transfer.

S. BHATTACHARYYA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
Calcutta-16.

Date . 5-11-1974.  
Seal:

## FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL.

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 6/2167 situated at Dashera Maidan, Madhava Nagar, Ujjain situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ujjain on 27-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hukamchand S/o Shri Motilalji Luhariya Hira Mills quarters, Agar Road, Ujjain. (Transferor)
- (2) Shrimati Vidyawati W/o Shri Chammanlalji Narulla Kshir Sagar, Ujjain. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 6/2167 situated at Dashera Maidan, Madhava Nagar, Ujjain.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax Acquisition Range,  
Bhopal.

Date : 7-11-1974.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRTSAR**

Amritsar, the 6th November 1974

Ref No ASR/PKT/AP-1410 —Whereas I, P. N. Malik, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2617 of March, 1974 situated at Mission Road, Pathankot  
(and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in March 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbhajan Singh s/o Amolak Singh s/o Karam Singh r/o Mission Road, Pathankot (Transferor)

(2) Shri Baldev Raj Kalra s/o Ram Rakha Mal Kalra c/o M/s R. L. Baldev Raj Dhangu Chowk, Pathankot. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above Person(s) in occupation of the Property

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2617 of March, 1974 of the Registering Authority, Pathankot.

P. N. MALIK  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 6-11-74.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Shanmuga Mudaliar,  
S. Duraivelu,  
S. V. Shankar and  
S. Nagaraj, No. 55-B,  
Shenoynagar, Madras-30.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1974

Ref. No. F. IX/2/275/73-74.—Whereas, I, K. V RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 28 situated at Gollawar Agraaharam Road Madras-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR-II, Madras on 5-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) M/s. Sea Shore Traders,  
No. 20, Kasi Chetty St.,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building measuring about 3 grounds and 1395 sq. ft. situated in R.S. No. 2984, Door No. 28, Gollawar Agraaharam Road, Madras-21

K. V. RAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 5-11-1974.

Seal :

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

18—366 GI/74

## FORM I.T.N.S

(1) Govinda Lal Bangur 65 Sir Hariram Goenka St.  
Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bangur Land Dev. Corp. 5 D.P.S. Road, Cal—33.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. AC-143/R-IV/Cal/74-75—Whereas, I S. Bhattacharyya,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 166 P.A. Shah Road, situated at Calcutta,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

It Sub-Registrar of Alipur at Behala on 15-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kh. No. 562, 578. Part of C.S. Dag No. 273 Mouza—Arakpur Area—6 Kattaks 11 Chittaks 166 P.A. Shah Road, PS—Tollygange Calcutta.

S. BHATTACHARYYA  
Competent Authority,  
I.A.C. of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
Calcutta-16.

Date : 11-11-1974

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Bharati Bala Alias Kailash Bai W/o Shri Davendra Kumar Jain, 279, Malharganj, Indore.  
(Transferor)

(2) Shri Shankar Lal 2. Premnarayan all son of Shri Narayandas Sanghi, R/o 158 M.T. Cloth Market, Indore.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL.**

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAS/ACO/BPL/74-75.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 142/1 Jawahar Marg, Indore situate at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 142/1 Jawahar Marg, Indore.

M. F. MUNSI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Incometax, Acquisition Range  
Bhopal.

Date : 7-11-1974.

(Seal) :

**FORM ITNS**

(1) Shri Shiv Nath Singh.

(2) Smt. Urmila Tripathi.

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
LUCKNOW**

Lucknow, the 10th October 1974

Ref. No. 7-U-Acq.—Whereas, I, K. N. MISRA, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being No. C-20/1-62, situated at Nayi Pokhari, Rama Kant Nagar, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Varanasi on 1-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One house bearing No. C-20/1-62 is situated at Mohalla Nayi Pokhari, Rama Kant Nagar, Varanasi.

K. N. MISRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date: 10-10-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shankarsingh S/o Shri Shrining Iron, R/o Dr. Roshansingh, Bhandari Marg, House No. 12, Indore. (Transferor)

(2) Shrimati Kapila W/o Shri Natwarlalji Mehta R/o 22, Vallab Nagar, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5 situated at Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Indore.

M. F. MUNSIF,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Bhopal.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

Date : 7-11-74.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1974

Ref. No. F. X/10/58/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 8 situated at Town Hall Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed, registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at SRO, Pudumandapam on March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) M/s. S. S. H. Abubaker & S. S. H. Rasheed Abdul Khader, Madras, S. S. H. Sathak Abdul Khader, Bombay and Mrs. Hussaina Ameena Beevi, Khizhakarai

(Transferor)

(2) Smt. Gomathy, W/o R. Raghunathan, 2C, Jawahar St., Somasundaram Colony, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in land and building in Door No. 8, Town Hall Road, Madurai, measuring 2017.5 sq. ft.

K. V. RAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 5-11-1974

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Chemical Enterprises (P) Ltd.,  
4-C, Shaffee Mohamed Road,  
Madras-6.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
123, MOUNT ROD, MADRAS-6

Madras-6, the 6th November 1974

Ref. No. F.IX/2/85/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 288/1 situated at Thiruvotriyur High Road, Madras-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISR-I, Madras on March, 1974, for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Weal-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(2) M/s. Vijay Amirthraj & Anand Amirtharaj,  
16/2, Sterling Road,  
Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof, shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building measuring about 8 grounds and 2096 sq. ft. at No. 288/1, Thiruvotriyur High Road, Madras-18—R.S. No. 4043/3.

K. V. RAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 6-11-1974.

Seal :

**FORM ITNS—**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HUBLI, METRANI BUILDING, VIDYA NAGAR, HUBLI-21

Hubli-21, the 2nd November 1974

Ref. No. 62/74-75/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CTS No. 2967 situated at Shanti Colony, Vidyanagar, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hubli under document number 3868 on 4-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri V. D. Divekar, "Daya", State Bank Road, Keshavapur, Hubli-23.

(Transferor)

(2) Shri L. G. Basawa, Lucky Beer Brandy Centre, Super Market, Hubli.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXI of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One R.C.C. two storied building in Shanti Colony of Vidyanagar, Hubli in C.T.S. No. 2967.

**Boundaries :**

To the East : C.T.S. No. 2966 Building.  
To the West : Road.  
To the North : Road and Railway line.  
To the South : Road.

**R. PARTHASARATHY,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Hubli.

Date : 2-11-1974

Seal :

**FORM ITNS**(2) Shri Vinay Kumar Sigtia S/o Shri K. L. Sigtia.  
[Transferor]**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,**  
**BHUBANESWAR**

Bhubaneswar, the 6th November 1974

No. 13/74-75/IAC(AR)/BBSR.—Whereas, I, V. S. Murthy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Mouza-Byree (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registrar, Cuttack-II on 25-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Basudeo Prasad Modi, (2) Shri Kanhaiyalal Modi, (3) Shri Chaturbhuj Modi, (4) Shri Kailash Prasad Modi. (Transferor)

19—366GJ/74.

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The land with buildings and structures standing thereon situated at Mouza-Byree, P. S. Barchana, Dist. Cuttack within the jurisdiction of Sub-Registrar, Cuttack-II and registered by sale document No. 540 dated 25-3-74.

V. S. MURTHY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Bhubaneswar.

Date : 6-11-74.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II P-13, CHOWRINGHEE  
SQUARE CALCUTTA-1

Calcutta on the 12th November 1974

Ref No AC 70/R II/C II /7175 —Whereas I, L K Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 199/D situated at Block-F, New Alipore, Calcutta-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of Sub Registrar, Alipore on 26-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) 1 Sri Shankar Nath Roy and  
2 Sri Amar Nath Roy  
97/S Block-E New Alipore, Calcutta-53  
(Transferor)

(2) 1 Smt. Rajinder Kaur and  
2, Smt. Kulshatter Kaur,  
199/D, Block F, New Alipore Calcutta-53.  
(Transferee)

(3) 1 Sri Birjinder Singh Bala and  
2 Sri Supinder Singh Bala

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One half share in Plot No 100/D, Block F, New Alipore, Calcutta-53 with construction thereon

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competitive Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II,  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date 12th November 1974

Seal :

## FORM ITNS —————

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE II,  
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Calcutta-1, the 11th November 1974

Ref. No. AC-67[R-II|Cal]74-75.—Where, I, L. K. Balasubramanian,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No 25 situated at Raja Santosh Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Registrar of Assurances, Cal. on 29-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sri Lakshman Praaad Poddar,  
A/9/25, Basant Vihar,  
New Delhi-37.

(Transferor)

(2) The Indian Card Board Industries Ltd.,  
18, Netaji Subhas Road,  
Calcutta-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date & place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha, 1 Cottah, 2 Chittacks and 23 Sq. ft. with two storeyed brick built building, marked as Lot B, being portion of premises No. 25, Raja Santosh Road, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competitive Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II,  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 11th November 1974  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGI-3, 123, MOUNT ROAD,  
MADRAS-6

Madras 6, the 6th November 1974

Ref No F 1194/74-75—Whereas, I, A Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No situated at 1/23 Ramaswami Street, T. Nagar, Madras 17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Madras on 6-3-1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

(1) Smt Karpagavalli Gopalakrishnan, Shri K. G. Balakrishnan; Shri K. G. Shyamkrishnan and Shri K. G. Vijayakrishnan No 87, G. N. Chetty Road, Madras-17

(Transferor)

(2) Smt. B. Usha Kumari W/o Shri P. Balasundaram, No 17, Chengalvorayan Mudali Street, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 2560 S Ft (with building and use of the well situated at No 2/23, Ramaswami Street, T. Nagar Madras) and bearing Door No 1/23 Ramaswami Street, T. Nagar, Madras, S No 46/1 and T S No 7132/2 in Block No 135.

A RAGHAVENDRA RAO  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range 2, Madras-6

Date 6-11-1974

Seal :

## FORM NO. ITNS

(1) M/s. Laxmi Asbestos Products Ltd., Shreenivas House, Wadhy Road, Fort Bombay-1.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rangnath Somani, 158/164, Kalbadevi Road, Bombay-2 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, In pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground being Plot No. 183 situated lying and being in the Village Pahadi, Goregaon (West) Taluka Borivali in the Registration Sub-District Bandra, District Bombay Suburban now in Greater Bombay and bearing Survey No. 161 (part) and admeasuring 780 sq. yards equivalent to 652.17 sq metres and bounded as follows : that is to say On or towards the East by 30 feet wide Road, On or towards the West by Plot No. 188, On or towards the North by Plot No. 184 and On or towards the South by Plot No. 182

R. G. NERURKAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 1-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th November 1974

Ref. No. AR-I/747-3/Mar.74.—Whereas, I, S. S. Phadke, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. 2/618, Malabar and Cumballa Hill Division Bombay, situated at Peddar Road, Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Sub-Registry, Bombay on 19-3-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Halimabal Joonas Cassam, wd/o Suleman Haji Ahmed Oomer.  
(Transferor)

(2) India House No. 3 Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferee)

(3) Members  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

418.12 square metres being a portion of large piece bearing C.S. No. 2/618 of Malabar and Cumballa Hill Division and situate at Peddar Road, Bombay.

S. S. PHADKE,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 5-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,  
INSPECTION OF ASSISTANT COMMISSIONER OF  
INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

No. TR-1690/C-461/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13 situated at Dr. Ishaque Road (Formerly Kyd Street) Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North Calcutta, on 5-3-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Promotha Lall Seal 53/C, Bon Behary Bose Road, Howrah.  
(Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar Saksena 1 & 2, Jackson Lane, Calcutta.  
(Transferee)

1. Shri Baluram Rajak.
  2. Shri R. K. Ovalani.
  3. Shri B. P. Saksena.
  4. Dr. N. Singh.
  5. Shri C. F. Lobo.
  6. Shri C. F. Ellis.
  7. Shri Omprakash Ramchand Subnani.
  8. Shri Jitendra Nath Mukherjee
  9. Shri B. R. Panasar.
  10. Shri Mohit Ranjan Lahiri.
- [Person whom the undersigned knows to be interested in the Property]
- [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided One-twelfth part or share of in partly two and partly three storied building bearing premises No. 13, Dr. Ishaque Road (Formerly Kyd Street) Calcutta containing an area of land measuring 8 K-2 Ch-42 Sft.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Acquisition Range I, P-13, Chowinghee Square, Calcutta

Date : 11-11-1974

Seal;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1974

Ref. No. F. X/10/60/73-74 —Whereas, L K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 8 situated at Town Hall Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Pudumandapam on March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s S. S. H. Abubaker, Madras  
S. S. H. Rasheed Abdul Khader, Madras  
S. S. H. Sathak Abdul Khader, Bombay and  
Mrs. Husaina Ameena Beevi, Kilzhukkarai.  
(Transferor)
- (2) Shri Venkat Sitharaman,  
Kadankulam Village,  
Tirunelveli District.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in land and building in door No. 8, Town Hall Road Madurai, measuring 2017.5 sq. ft.

K. V. RAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 5-11-1974

Seal :

## FORM ITNS

(1) Lt. Col. Jayant Nilkanth Patole, Sholapur Club, At and Post Sholapur. (Transferor)

(2) Shri Dattatraya Tulsiram Bhujbal, Shri Ramesh Dattatraya Bhujbal, Shri Vilas Dattatraya Bhujbal, 711, Guruwar Peth, Poona-2. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERAN-  
DAWANA KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 8th November 1974

Ref. No. C.A./5/March-74/Haveli-II/143/74-75.—  
 Whereas, I, H. S. Aulakh,  
 being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.T.S. No. 8/46, Gultekdi Mukund Nagar, situated at Poona No. 9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II on 26-3-1974  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

20—366GI/74.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

C.T.S. 8/46. Gultekdi, Mukund Nagar, Poona No. 9  
 Area :—9100 Sq. Feet. Built up Area :—2400 Sq. Feet. Built in 1968. Free-hold.

H. S. AULAKH  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner,  
 of Income-tax, Acquisition Range,  
 Poona.

Date : 8-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

NOTICE UNDLR SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1974

Ref. No AC/139/R IV/CAL/74-75 —Whereas, I, S Bhattacharyya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 and bearing No. 21/2F Monohar Pukur Road situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances Calcutta on 25-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

No, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely—

- (1) Shri Bidyut Kana Pal 376/1, Block G New Alipore, Calcutta (Transferor)
- (2) Rajdoot Co-operative Housing Society Ltd 9, Ware Street Calcutta, (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

21/2E Monohar Pukur Road Calcutta—Area 3K 12 Ch  
2 Sq Ft

S BHATTACHARYYA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range IV,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Date 8-11-1974  
(Seal)

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1974

Ref No. X/10/59/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 8 situated at Town Hall Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Pudumandapam on March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) M/s. S. S. H. Abubaker &  
S. S. H. Rasheed Abdul Khader, Madras  
S. S. H. Sathak Abdul Khader, Bombay and  
Mrs. Hussaina Amcena Beevi, Khizhakarai,  
(Transferor)

(2) Shri Venkatasubbu,  
Kadankulam Village,  
Tirunelveli Dt.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in land and building in Door No. 8, Town Hall Road, Madurai, measuring 2017.5 sq. ft.

K. V. RAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 5-11-1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
Bhopal

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAS/ACO/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Municipal House No. 565/1 and 566 situated in Uperniganj, Jabalpur situated at Jabalpur fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 23-3-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec-

tion 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sajanabai Wd/o Late Shri Seth Champalal Oswal, R/o Sarafa Bazar, Jabalpur. (Transferor)

(2) Shri Chandrakant Bhai Patel S/o Shri Kalidas Patel, Ambika Trading Co., Katra Bazar, Sagar, M.P. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right of be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Municipal House No. 565/1 and 566 situated in Uperniganj, Jabalpur.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Incometax, Acquisition Range,  
Bhopal.

Date : 7-11-1974  
(Seal) :

## FORM ITNS—

(1) Sri J. Buchiah, C/o Basweshwara Coal Dept.,  
Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Punnappu Chinna Kambagiri,  
S/o P. K. Ramiah, Contractor,  
R/o Jammalmagudu, Cuddapah Dist.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th October 1974

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property: Portion of house bearing House No. 1-8-702/35 at Nalkunta, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM,  
Competent Authority,  
I.A.C. of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 17-10-1974.

Seal:

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

**FORM ITNS—**(2) Shri Amritlal S/o Ganapatlalji, 2, Shri Hiralal S/o  
Shri Ganapatlalji, 26 Katchi Mohalla, Main Road,

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
**BHOPAL**

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 26 situated in Katchi Mohalla, Main Road, Indore House No. 11, Shnehalata Ganj street, House No. 36 Katchi Mohalla, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 15-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ganapatlal S/o Shri Chottuji 2. Shri Gangaram, 3. Shri Narendra Singh 4. Shri Mahesh Kumar, 5. Shri Rajendrakumar, all sons of Shri Ganapatlal, all r/o of 26, Katchi Mohalla Main Road, Indore.  
(Transferor)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 36 situated in Katchi Mohalla Main Road, Indore House No. 11 Shnehalata Ganj Street, House No. 26 Katchi Mohalla, Indore.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Bhopal.

Date : 7-11-74.

Seal :

## FORM ITNS

(2) Sri Punnapa Pedda Pambagui,  
S/o K. P. Ramiah,  
Contractor, at Jammalamadugu, Cuddapah Dist.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th October 1974

Ref. No. RAC.35/74-75 Whereas, I S Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-8-702/35 situated at Nallakunta, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Hyderabad on 15-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sri J. Butchiiah, C/o Basweshariah Coal Dept.,  
at Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property: Portion of house No. 1-8-702/35, at Nallakunta, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM,  
Competent Authority,  
I.A.C. of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-10-1974.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE-I  
 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 14th November 1974

Ref. No. F. XVI/1(11)/2B/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. B Ward Block No. 29 situated Maravaneri Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSR II, on March 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. P. Rajarathinam Ammal,  
 W/o M. Parthasarathy Chetty,  
 Gandhi Road, Seerangapalayam,  
 Salem-4.

(Transferor)

(2) Smt. Juleka Bhanu  
 W/o Dr. M. Haneefa M.D.,  
 Fairlands, Salem.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any of the person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building measuring about 14,271 sq. ft. at B Ward, Block No. 29, Maravaneri, Salem.

K. V. RAJAN  
 Competitive Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range I,  
 Madras-6.

Date : 14th November 1974

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Smt. B. Anaru/a, W/o Shri N. S. Balaraman, 2/23  
Ramaswami Street, T. Nagar, Madras-17.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD  
MADRAS-6

Madras-6, 6th November 1974

Ref. No. F.1195/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at 2/23 Ramaswami Street T. Nagar, Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Madras on 6-3-1974 at Madras on 6-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. Venkatakrishnan, No. 2, Sarojini Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building situated at Door No. 2/23 Ramaswami Street, T. Nagar, Madras-17.

**A. RAGHAVENDRA RAO**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 6-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Mohanlal S/o Shri Prabhunath Verma R/o Village Udelia, Teh. Baloda Bazar, Distt. Raipur. (Transferor)
- (2) Shri Ramprasad S/o Govindprasad Verma R/o Dhirgi, Teh. Baloda Bazar, Distt. Raipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
Bhopal.

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 24/497 and House No. 24/496 new No. 26, 25 situated at Village Mohalla Tatiyapara ward, Teh. & District Raipur situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 6-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 24/497 and House No. 24/496 New No. 26, 25 situated at Village Mohalla Tatiyapara ward, Teh. & Distt. Raipur

M. F. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax Acquisition Range,  
Bhopal.

Date : 7-11-74.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Vishnu Properites Limited.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

No. TR-1684/C-467/CAL-1/73-74.—Whereas, I S. K Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 161 situated at Muktaram Babu Street, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta, on 11-3-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Kamal Kishore Bhagat.

(Transferee)

Deeklnandan Bhagat.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Partly three storied and partly four storied brick built house tog ther with land measuring 9 Cottahs and 10 sft at premises No 161, Muktaram Babu Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Acquisition Range 1, P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date : 11-11-74

Seal :

## FORM ITNS

(1) Pratima Banerjee-6A, Lala Laipatrai Sarani, Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ranajoy Banerjee (Minor) Represented by—Aloka Banerjee (Mother).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th November 1974

Ref. No. AC-136/R-IV/Cal/74 75.—Whereas, I. S. Bhattacharyya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6B, Lala Laipatrai Sarani situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta, on 29-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th part in three storied building with about 5 cottahs 10 chataks land being the north Western portion of 6B Lala Laipatrai Sarani Calcutta, as more particularly described in the Instrument of Transfer.

S. BHATTACHARYYA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-IV,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 5-11-1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

No. TR-1685/C-466/Cal-1/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 9B, situated at Hati Bagan Road North, Calcutta-14, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta, on 11-3-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Dr. Miss Tara De 73A, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-13.  
(Transferor)
- (2) Shri Bhupendra Saha 98, Karaya Road, Flat No. B-9, Calcutta-19.  
(Transferee)

1. Shri Amiya Bhushan Mazumder
2. Shri N. K. Chakraborty.
3. Dr. G. S. Mondal.
4. Dr. R. K. Neogy.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I am hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(s).

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Four storied building at 9B, Hati Bagan Road North, Calcutta-14, containing an area of land measuring 3 Cottahs 9 Chittacks and 9 Square feet.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 11-11-74  
Seal .

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-1,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 5th November 1974

Ref. No. F. IX/7/276/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Madras, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

9-C situated Sydenhams Road, Periamet, Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, West Madras on 14th March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Sher Ali Dhala,  
9, Manickeswari Street,  
Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) M/s. Bhatla Trading Co.,  
9-C, Sydenhams Road  
Periamet, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building measuring about 1149 sq. ft. situated at Door No 9-C, Sydenhams Road, Madras-3—R.S. No. 215/1 and 215/2.

K. V. RAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I,  
Madras-6

Date : 5-11-1974  
Seal :

## FORM ITNs—

(2) Shrimati Ramkali Devi W/o Shri Gavasila ji Rathore,  
Smt. Shamadevi Rathore W/o Shri Shivramji  
3. Smt. Kamla Devi W/o Shri Dwa. akarrasad Verma  
all r/o Noormahal Road, Bhopal. (Trans. recd)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.  
Bhopal.

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No IAC/ACO/BPL/74-75 —Whereas, I, M. F. Munshi,  
being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double storeyed house situated in Noormahal Road, Municipal Ward No. 9 Immami Gate, Bhopal situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhopal on 5-3-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajmal Alias Shri Rejulal S/o Shri Bal-mukundji Rathore R/o Village Bhouri, Teh Hujur, Distt. Bhopal. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Double storeyed situated in Noormahal Road Municipal Ward No. 9 Immami Gate, Bhopal

M. F. MUNSHI.  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range  
Bhopal.

Date : 7-11-1974

Seal :

## FORM JTNS

(1) M/s Lipton (India) Ltd.  
9, Weston Street, Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1,  
CALCUTTA-1.

Calcutta-1, the 11th November 1974

Ref. No TR-1683/C-468/Cal 1/73-74.—Whereas, I, S. K Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11 and 13 situated at Weston Street and 5/1 and 5/2 Grant Lane Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 11-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Sm. Lila Devi Kanoria  
10, Muktaram Kanoria Road,  
Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A strip of land measuring 3K-8 Ch. being portion of premises No. 11 and 13, Weston Street, and 5/1 and 5/2, Grant Lane, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I,  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 11th November 1974

Seal :

## FORM ITNS

(2) Smt. Sunithi devi W/o Late Shri Deviram Vyas,  
Jiwajiganj, Morena.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
Bhopal

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated in ward No. 8, Jiwajiganj, Morena situated at Morena (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Morena on 1-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Vidya Devi W/o Shri Darshanlal, 2. Smt. Shanti devi W/o Shri Rameshchand, 3. Smt. Sarla-devi W/o Shri Thakurprasad Vyas, Dhanpura, Morena. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House situated in Ward No 8, Jiwajiganj, Morena

M. F. MUNSHI  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Bhopal

Date : 7th August 1974

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE HUBLI, METRANI BUILDING,  
VIDYA NAGAR, HUBLI-21

Hubli-21, the 2nd November 1974

Ref. No. 64/74-75/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe Range, Hubli, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 58/4A, 58/4B and 58/4C situated at Unkal Village Hubli Taluk, Dharwar District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Hubli under document No. 4150 on 30-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Deopriya S. Kirby, Keshavapur, Hubli, G.P.A., Holder of (i) Shri Vnicent D. Kirby, Kuala Lumpur, Malaysia, (ii) Smt. Leela D. Kirby, Warrangal (A.P.), (iii) Smt. Vimala D. Kirby, Keshavapur, Hubli.

(Transferor)

2. (1) M/s. Pursell Business Enterprises, through its Managing Partner Sri Siddappa Shekharappa Yavagal, 13, Chandrashekhar, Shanti Colony, Vidyanagar, Hubli-21. (2) Shri Siddappa Shekharappa Yavagal, 13, Chandrashekhar, Shanti Colony, Vidyanagar, Hubli-21. (3) Shri Babu Basappa Bellikatti, Bellikatti Medical Stores, Main Road, Saundatti. (4) Dr. Mallikarjun Shivarudrappa Goornavar, Medical Officer, Kerur, Taluk, Badami, District Bijapur. (5) Smt. Vimalabai W/o Basavanneppe Nooli C/o Dr. M. S. Goornavar, Medical Officer, Kerur, Taluk, Badami, District Bijapur. (6) Shri Murugesh Sh-kharappa Yavagal, 13 Chandrashekhar, Shanti Colony, Vidyanagar, Hubli-21 (7) Smt. Jayashree, W/o Veerabhadra Hombal, Veerapur Anjeneya Temple Road, Hubli-20.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

81 Gunthas of non-agricultural land in Unkal Village, Hubli Taluk, Dharwar District, Karnataka State in R.S. Nos. 58/4A (31 Gunthas), 58/4B (31 Gunthas) and 58/4C (19 Gunthas).

R. PARTHASARATHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Hubli.

Date : 2-11-1974

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. AC-141/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 166 P. A. Shah Road, situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. Sub-Registrar of Alipur at Behala on 13-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gobindalal Bangur, 65, Sir Hariram Goenka St., Calcutta. (Transferor)
- (2) Bangur Land Development Corporation Ltd. 5, Deshpuran Sasmal Rd., Calcutta-33. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kh. No. 562, 578, Part of C.S. Dag No. 273, Mouza Arakpur Area 6 Kottah 1 Chhattak 166 P. A. Shah Rd. Cal. P. S.—Tollygange.

S. BHATTACHARYYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 11-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th November 1974

No. MLK/9/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Daryapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Malekotla in March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hazoora Singh, s/o Shri Sunder Singh, Village Daryapur, Teh. Malekotla.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Mohinder Singh,
- (ii) Shri Sikander Singh,
- (iii) Shri Gian Singh,
- (iv) Shri Sukhdev Singh,
- S/o Shri Ralla Singh

Resident of Village Daryapur, Teh. Malekotla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 20 bighas 3 biswas comprised in Khasra No. 64/11-15 & 65/8-8 Village Daryapur.

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 12-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1974

Ref. No. F. X/10/61/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8 situated at Town Hall Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at SRO, Pudumandapam on March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely

(1) M/s. S. S. H. Abubaker &  
S. S. H. Rasheed Abdul Khader, Madras.  
S. S. H. Sathak Abdul Khader, Bombay and  
Mrs. Husainna Ameena Beevi, Khizhakarai.  
(Transferee)

(2) Mrs. Janaki Ammal,  
2C, Jawahar St.,  
Somasundaram Colony,  
Madurai.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/4th share in land and building in Door No. 8, Town Hall Road, Madurai, measuring 2017.5 sq ft.

K. V. RAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date The 5th November, 1974

Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6 the 5th November 1974

Ref No I XVI/1(3)/64/73-74—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No 19, situated at Omalur Road, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

ISR, Salem on March 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. C. Periaveera Boyar,  
C. Rajaveeran,  
C. Kuppuswamy,  
C. Palaniswamy and  
C. Paramasivam,  
Thammanna Chettiar Road  
Arisipalayam, Salem.

(Transferor)

(2) M/s. R. Jayakumar and  
R. Jagadesan (Minors)  
by Guardian, Smt. R. Dhanabagayam,  
C-6, Fairlands, Salem-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/3 share in 1.89 acre agricultural lands measuring about 0.63 acres in Salem Town Ward No. 1, Omalur Road, Southern Row, New Ward D Block 19—T S No. 1.

K. V. RAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-I.  
Madras-6

Date : The 5th November, 1974

Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HUBLI, METRANI BUILDING, VIDYA NAGAR, HUBLI

Hubli, the 2nd November 1974

Ref. No. 65/74-75/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 58/3B situated at Unkal Village, Hubli Taluk, Dharwar District,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under document No. 4151 on 30-3-1974 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1)(1) Shri Deopriya S. Kirby, Keshavapur, Hubli, G.P.A.  
Holder of (i) Shri Vincent D. Kirby, Kualalampore, Malaysia, (ii) Smt. Leela D. Kirby, Warangal (A.P.)  
(iii) Smt. Vimla D. Kirby, Hubli.

(Transferors)

(1) (1) M/s. Pursell Business Enterprises, through its Managing Partner Sri Siddappa Shekharappa Yavagal, 13, Chandrashekhar, Shanti Colony, Vidyanagar, Hubli-21. (2) Shri Siddappa Shekharappa Yavagal, 13, Chandrashekhar, Shanti Colony, Vidyanagar, Hubli-21. (3) Shri Babu Basappa Bellikatti, Bellikatti Medical Stores, Main Road, Saundatti. (4) Dr. Mallikarjun Shivarudrappa Goornavar, Medical Officer, Kerur, Taluk, Badami, District Bijapur. (5) Smt. Vimalabai W/o Basavanneppa Nooli, C/o Dr. M. S. Goornavar, Medical Officer, Kerur, Taluk Badami, District Bijapur. (6) Shri Murugesh Shekharappa Yavagal, 13, Chandrashekhar, Shanti Colony, Vidyanagar, Hubli-21. (7) Smt. Yayashree, W/o Veerabhadrappa Hombal, Veerapur Anjaneya Temple Road, Hubli-20.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice hereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

40 Gunthas of non-agricultural land in Unkal village, Hubli Taluk, Dharwar District, Karnataka State in R.S. No. 58/3B ADJOINING R.S. NOS. 58/4A, 58/4B and 58/4C.

R. PARTHASARATHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Acquisition Range, Hubli

Date : 2-11-1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I.  
POONA-411004

Poona-411004, the 8th November 1974

Ref. No. C.A./5/March-74/Bombay/Wai/142-74-75.—  
 Whereas, I H. S. Aulakh,  
 being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 524, Hilton Lodge and Valley View situated at Main Road, Wai, Mahableshwar, Panchgani (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shirin Ardeshir Vakil,  
C/o Shri M. F. Mavji, Solicitor,  
Fort, Bombay.

(2) Shri Laxmidas Premji Tejani,  
14, Cannaught Road, Poona-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

"Hilton Lodge" and "Valley View Three Cottages at Wai Mahableshwar, Main Road, Final Plot No. 524, Panchgani, Free-Hold.

H. S. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I.  
Poona-411004

Date : 8-11-1974

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s. Caravan Steel (P) Ltd., 2, Ganesh Chandra Avenue Calcutta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE II, P-13, CHOWRINGHEE  
SQUARE, Calcutta-1

Calcutta-1, the 26th October 1974

Ref. No. Ac-59/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Nos. 100, 105 etc. Kh Nos 694, 696 etc. situated at Mouza Joka, P.S. Behala Dt. 24-Parganas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office Registrar of Assurances Calcutta on 18-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :

- (1) M/s. India Automobiles (1960) Ltd., 12, Govt. Place East, Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Vacant land being Plot Nos. 100, 105 etc. of Kh. Nos. 694, 696 etc., measuring 2-bighas, 14-cottahs, 5-chittacks and 39-cq. ft. at Mouza Joka, P.S. Behala, Dt. 24-Parganas.

R. L. BUTANI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square,  
Calcutta,

Date : 26-10-1974,

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Bangur Land Development Corporation, 5,  
Deshpran Sasmal Road, Calcutta-33. (Transferred)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. AC-140/R-IV/Cali/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Premises No. 166 P. A. Shah Road, P. S. Tollygange, situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. Sub-Registrar of Allipore at Behala on 12-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gobindalal Bangur, 65, Sir, Hariram Goenka Street, Calcutta. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice therefore shall be given to every person who has made such objection, and to the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Kh. No. 556, Part of C.S. Dag No. 272/108, Mouza-Arakpur, Area 7 Kottahs, Premises No. 166 P.A. Shah Road, P.S.—Tollygange, Calcutta.

S. BHATTACHARYYA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwal Road,  
Calcutta-16.

Date : 11-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mohommed Ismail.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohommed Mitoo Miah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref No 'JR-1644/C-416/Cal-1/73-74 —Whereas I, S K CHAKRAVARTY,  
 being the Competent Authority under  
 Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
 have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing  
 No 26/1 situated at Aafi Ahmed Kidwai Road Calcutta  
 (and more fully described in the Schedule  
 annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)  
 in the Office of the Registering Officer Registrar of Assurances,  
 5, Govt Place North, Calcutta on 30-3-74,  
 for an apparent consideration which is less than the  
 fair market value of the aforesaid property and I have  
 reason to believe that the fair market value of the property  
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor  
 by more than fifteen per cent of such apparent considera-  
 tion and that the consideration for such transfer as agreed  
 to between the transferor(s) and the transferee(s) has not  
 been truly stated in the said instrument of transfer with  
 the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/4th share of four storied and partly five storied brick built house together with land containing an area of 5 Cottahs 15 Chittacks and six s ft a little more or less at 26/1, Raffi Ahmed Kidwai Road Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
 Acquisition Range I, P-13 Chowringhee Square,  
 Calcutta

Dated 11-11-74

Seal :

Form ITNS

(1) Sm. Tarubala Kundu Choudhury.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY  
INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA**

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. TR11657/C-447/Cal-1/73-74.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25A situated at Chandni Chowk, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 30-3-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (2) (1) Hazi Saikh Idris Ali.
- (2) Saikh Tafajhel Ali.
- (3) Saikh Makail through father and guardian Saikh Unus Ali.
- (4) Saikh Md. Faruk through father and guardian Hazi Saikh Yaqub Ali.

(Transferee)

- (3) (1) Hooghly Marine Engineering & Transport Service.
- (2) A. S. S. Jalal Ahmed & Co.
- (3) Abu Nasar Kundavi
- (4) Sk. Soleman.
- (5) Md. Afzar Ali.
- (6) Azizul Aktar.
- (7) Sowkat Ali Middey.
- (8) Sarfatullah.
- (9) Yukub Mullick.
- (10) Nozrul Islam.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided half share in two storied building at 25A, Chandney Chowk Street Calcutta on land measuring 5 K-12 Ch—36 sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Dated : 11-11-74  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY

Bombay, the 21st October 1974

No. AR-II/1014/2247/74-75.—Whereas, I V. R. Gupta, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing City S. No. 1/267 (Pt) Plot No. 59A of T.P.S. No. III situated at Santacruz (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Ramjanali Jivabhai Baradia, Sadruddin Jivabhai Baradia, Kamruddin Jivabhai Baradia, Barkatali Jivabhai Baradia.

Transferor

- (2) S/Shri Kanji Raoji Patel and Karson Raoji Patel.

Transferor

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land together with the building standing thereon situate lying and being at Santacruz (East), Bombay, in Bombay Suburban District and Registration Sub-District of Bandra now known as Registration District of Bombay and Bombay Suburban, containing by admeasurement 2261 sq. yards equal to 1890 sq. metres or thereabouts and registered in the Book of the Collector of Land Revenue under City Survey No. 1/267 (part) Plot No. 59/2, of T.P.S. III, Santacruz, And in the Book of the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under H Ward No. 6759(3) Street No. 59/A, T.P.S. III, 4th Road, Santacruz (East) and bounded as follows—that is to say on or towards the North by City Survey No. 364, on or towards the South by South Road, on or towards the East by City Survey Nos. 263, 269, 268 and 270, on or towards the West by State Bank of India Quarters, H. Ward No. 6759(3). In the certificate of sale dated 17th October 1972 the above property is described as bearing final plot No. 59A/2 T.P.S. III.

V. R. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bombay.

Date . 21st October 1974

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri V. M. Ramasami, S/o Shri Muruga Mudaliar, Karur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th November 1974

Ref. No. F.3129/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at No. 5, Rama Rao Agraharam, Trichy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy on 25-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Saradhumbal, W/o Shri M. R. Viswanatha Iyer; 2. Shri M. V. Ramamurthy and 3. Shri M. V. Ganesan, Trichy.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building situated at No. 5, Rama Rao Agraharam, Trichy (T. S. No. 2031/2).

A. RAGHAVENDRA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax,  
Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 4-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Pratima Banerjee,  
6A, Lala Jajpatrai Sarani, Calcutta.

(Transferor)

(2) Kamlesh Roy (Minor),  
Represented by : Nirmal Chandra Roy (Father).

(Transferee)

(3) Ananta Ram Mulchand Doshi & Others.  
[Person(s) in occupation of the property].

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 5th November 1974

No. AC-133/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. BHATTACHARYYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6B, Lala Jajpatrai Sarani, situated at Calcutta.

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

Registrar of Assurances, Calcutta, on 29-3-1974  
for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th part in three storied building with about 5 Cottahs 10 Chattaks land being the north western portion of 6B Lala Jajpatrai Sarani, Calcutta, as more particularly described in the Instrument of Transfer.

S. BHATTACHARYYA,  
Competent Authority,  
I.A.C. of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 5-11-1974,  
Seal ;

FORM JTNS

(1) Mohammed Ismail.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Saukat Ali.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. 1642/C-415/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26/1, situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar of Assurances, 5 Govt. Place North, Calcutta on 30-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument the following persons, namely:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/4th share of four storied and partly five storied brick built house together with land containing an area of 5 Cottahs 15 Chittacks and six s. ft. a little more or less at 26/1, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square,  
Calcutta.

Dated : 11-11-74

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 1st November 1974

Ref. No. 193/Acq. R-II/74-75/HOW.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the

Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at Mukhram Kanodia Road, P.S. Golabari, Distt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar Howrah on 20-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

24—366GI/74

- (1) Smt. Munia Devi Chamaria, W/o Late Keshordeo Chamaria 7/6, Burdwan Road, Alipore, Calcutta-27. (Transferor)
- (1) Smt. Makhola Shaw, W/o Shri Ramdas Shaw and Smt. Madhubala Shaw, W/o Shri Arun Kumar Shaw, 25, Mukhram Kanodia Road, Howrah, now residing at 12, Chandmari Road, Howrah. (Transferee)
- (3) Shri Mohesh Singh of 14, Mukhram Kanodia Road, Howrah. [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land measuring ten kattas eight chhattaks together with a two storied building standing thereon at 14, Mukhram Kanodia Road under P.S. Golabari, District-Howrah as per deed No. 1040 of 1974 registered by the Sub-Registrar of Howrah.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-III,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 1st November 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL.

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Madhav Ganj, Lashkar, Gwalior—Old No. 10/668 and new No. 39/582 situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer Gwalior on 2-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269(D) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Babulal S/o Late Shri Ramchandraji Madhav Ganj, Lashkar. (Transferor)
- (2) Shri Shrikrishnan, 2. Shri Nandkishore all sons of Shri Chaturbhuj Agarwal, R/o Madhav Ganj, Lashkar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

*Explanation:*—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House situated at Madhav Ganj, Lashkar Gwalior—Old No. 10/668 and new No. 39/582.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Incometax, Acquisition Range,  
Bhopal.

Date : 7-11-1974.  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B,**

Chandigarh, the 12th November 1974

No. LDH/C/382/74-75—Whereas, I, G.P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Piece of land in Barewal Awana situated at Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana City in March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chand D/o Bakshi Pritam Singh S/o S. Bahadur Bakshi Jaswant Singh, W/o S. Ujjal Singh R/o New Delhi, Khewatdar Vill. Barewal Awana Tehsil Ludhiana, through S. Bahadur Bakshi Avtar Singh, 238, Model Town, Ludhiana Mukhtiar Aam.

(Transferor)

- (2) (i) Sh. Nachhatar Singh,
- (ii) Sh. Surjit Singh,
- (iii) Sh. Daljit Singh,  
S/o Sh. Jagir Singh S/o Sh. Hazara Singh,  
R/o Fatehpur Awana, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 3 bighas, 12 biswas and 16 biswansis, situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, Khewat No. 344, Khatauni No. 356, Khasra No. 276/1-8-16, 281/2-4-0.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 12019 of March, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana City).

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 12-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th November 1974

No. LDH/C/381/74-75.—Whereas, I, G.P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Piece of Land in Barewal, Awana situated at Teh. Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana City in March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Manjit Kaur Alias Manjit Sodhi D/o Bakshi Pritam Singh S/o Sardar Bahadur Jaswant Singh, W/o Col. G. S. Sodhi, Administrative Officer, Ambala Cantt, through S. Bahadur Bakshi Avtar Singh S/o S. Bahadur Bakshi Jaswant Singh R/o 238, Model Town, Ludhiana Mukhtiaran.

(Transferor)

- (2) (i) Sh. Nachhatar Singh,  
(ii) Sh. Surjit Singh,  
(iii) Sh. Daljit Singh,  
S/o Sh. Jagir Singh S/o Sh. Hazara Singh,  
R/o Fatehpur Awana, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas, 11 biswas and 4 biswannas, situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, Khewat No. 348, Khatauni No. 357, Kasra No. 281/1-12-0, 284/1-19-4.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 12018 of March, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana City).

G. P. SINGH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 12-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Ramanlal N. Patel,  
16, Bommu Chetty St.,  
Madras-3.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1974

Ref. No. F. IX/3/21/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 31 situated at New Avadi Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

JSR.II, Madras on March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Vilakupattam Kurian Varghese,  
23, New Avadi Road, Madras-10.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building bearing Door No. 31, New Avadi Road, Madras, measuring about 3 grounds and 1290 sq. ft. in R. S. No. 231.

K. V. RAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : The 5th November, 1974.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th November 1974

No. LDH/C/106/74-75.—Whereas, I, G.P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Piece of land in Burewal Awana situated at Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana City in March, 1974 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Maj. Avtar Singh S/o  
Sardar Bahadur Capt. Jaswant Singh S/o  
S. Jagat Singh R/o 238, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) (i) Sh. Nachhatar Singh,  
(ii) Sh. Surjit Singh,  
(iii) Sh. Daljit Singh,  
S/o Sh. Jagir Singh S/o Sh. Hazara Singh,  
R/o Fatehpur Awana, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bighas 13 Biswasi situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, Khewat No. 268, Khatauni No. 279, Khasra No. 262/2-13-4, 263/2-2-15.

(Property as mentioned in the Registering Deed No. 11912 of March, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana City).

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 12-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th November 1974

No. LDH/C/380/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Sections 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Piece of land in Barewal Awasa situated at Teh. Ludhiana (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana City in March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

(1) Smt. Vidya Alias Vidya B. Pritam Singh, Wd/o Brig. B. Pritam Singh S/o Capt. Jaswant Singh Delhi through Maj. Avtar Singh S/o Sardar Bahadur Capt. Jaswant Singh, R/o 238, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) (i) Sh. Nachhatar Singh,  
(ii) Sh. Surjit Singh,  
(iii) Sh. Daljit Singh,  
S/o Sh. Jagir Singh S/o Sh. Hazara Singh,  
R/o Fatehpur Awana, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

[Person(s) in occupation of the property].

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 bigha, 6 biswas and 6 biswansi situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, Khewat No. 306, Khatuni No. 355, Khasra No. 280/1-7-0, 277/1-19-6.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 11913 of March, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana City).

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 12-11-1974.

Seal :

**FORM ITNS —————**

(1) Mohammed Ismail.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Ramzan Ali.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I.  
CALCUTTA**

Calcutta, the 11th November 1974

The 11th November 1974

Ref No. TR-1641/C-414/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. CHAKRAVARTY,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26/1 situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Registrar of Assurances, 5, Govt Place North, Calcutta on 30-3-74,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to carry every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/4th share in four storied and partly five storied building at premises No. 26/1 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta containing land by estimate 5 Cottahs 15 Chittacks and six sft. more or less.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square,  
Calcutta-1.

Dated : 11-11-74

Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Shri Dinkar Malbar Bavale, Architect, Ashok Nagar Road, Hubli.

(Transferor)

(2) Shrimati Sitabai W/o Srinivasrao Hulekal, C/o Shri S. R. Hulekal, Post Box No. 22, Rayarpeth, Sirsi (N.K.)

(Transferee)

(3) The Manager,  
Canara Bank,  
Durgad Bail, Hubli.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Residential house in C.T.S. No. 2916 and R.S. Nos. 64A and 64B situate at Nagashettikoppa in Plot No. 8, Ashok Nagar Road, Hubli.

R. PARTHASARATHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Hubli.

Date : 2-11-1974

Seal :

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE HUBLI, METRANI BUILDING,  
VIDYA NAGAR- HUBLI-21

Hubli-21, the 2nd November 1974

Ref. No. 63/74-75/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli,

being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.T.S. No. 2916 and R.S. Nos. 64A and 64B situated at Nagashettikoppa in Plot No. 8, Ashok Nagar Road, Hubli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hubli under document No. 4049 on 25-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

25—366GI/74

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s C. Periaveela Boyar,  
 C. Rajaveeran,  
 C. Kuppuswamy,  
 C. Palaniswamy,  
 C. Palaniswamy and  
 C. Paramasivam,  
 Thammanna Chettiar Road  
 Salem.

(Transferor)

(2) Shri T V. Thangvel Mudaliar,  
 D-47, Fair Lands,  
 Salem-4.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1974

Ref. No. F. XVI/1(3)/63/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 19, situated at Omalur Road, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at SR, Salem on March 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3 share in 1.89 acres agricultural lands measuring about 0.63 acres in Salem Town Ward No. 1, Omalur Road, Southern Row, New Ward D, Block 19—T S No. 1.

K. V. RAJAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range I  
 Madras-6

Date : The 5th November 1974

Seal :

## FORM ITNS—

Mohmed Shahbuddin 15, Kareya Road, Calcutta.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF  
INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I  
CALCUTTA

The 8th November 1974

Ref. No. TR-1614/C-440/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. 39 and 40 situated at Lenin Sarani, formerly Dharamtolla Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

The Registrar of Assurance, No. 5, Govt. Place North, Calcutta on 16-3-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Virendra Singh Raidani 6 Temple Street-Calcutta-13.  
(Transferee)

1. Shri Ashutosh Banerjee
2. Shri Hrisikesh Ghose
3. Shri Nogendas Bhangi.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby notified that a date and place for hearing the notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Half share of Brick built house at premises No. 39 and 40 Lenin Sarani, formerly Dharamtolla Street Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square,  
Calcutta.

Date : 3-11-74

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Hazoor Singh, s/o Shri Sunder Singh,  
Village Daryapur, Teh. Malerkotla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th November 1974

No. MLK/10/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Daryapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

Malerkotla in March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) (i) Shri Mohinder Singh,  
(ii) Shri Gian Singh,  
(iii) Shri Sikander Singh,  
(iv) Shri Sukhdev Singh,  
S/o Shri Ralla Singh

Residents of Village Daryapur, Teh. Malerkotla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 10 bighas 13 biswas comprised in Khasra Nos. 63/6-11, 119/3-10, 122/0-6 situated at Village Daryapur.

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 12-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Kanakmal Dugar, Milap Chand Dugar, Bharatmal Dugar and Dinesh Kumar Dugar of 9, Armenian Street, Calcutta

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. TR-1663/C-452/Cal-I/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9 and 9/1/A, situated at Armenian Street, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub-Registrar of Assurances, 5, Govt Place North, Calcutta on 28-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Jhabarmal Dugar and Ravi Prakash Dugar minor both partners of Chainrup Sampatran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share of partly three and partly four storied building situated at 9 and 9/1/A Armenian Street, Calcutta containing an area of 7 K-5 Ch-31 sft.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date : 11-11-1974

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Sri Brijender Singh Bala,  
100/D, Block-F, New Alipore,  
Calcutta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE JI,  
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 12th November 1974

Ref. No. AC-69/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 100/D, situated at Block-F, New Alipore, Calcutta-53, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub-Registrar, Alipore on 11-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Bishwanath Roy, and  
2. Sri Bholanath Roy.  
97/S, Block-E, New Alipore,  
Calcutta-53.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Supinder Singh Bala  
2. Smt. Rajinder Kaur  
3. Smt. Kulshatter Kaur.  
[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One-half of Plot No. 100/D, Block-F, New Alipore, Calcutta-53, with construction thereon.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II,  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 12th November 1974.

Seal :

## FORM ITNS

(2) M/s Audeo India Ltd.  
Manapakkam, Madras.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 12th November 1974

Ref. No. F. X/2/84/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Fair View situated at Kodaiakanal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRI, Madras on March 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Louis F. Knoll,  
Power of Attorney,  
Agent, The American Baptist Foreign Mission Society,  
20/3, New Avadi Road,  
Madras-10.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building called Fair View at Kodaiakanal in Duretta Lane—Land 75 cents and building 2444 sq. ft.

K. V. RAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I,  
Madras-6.

Date: 12th November 1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) M/s SYNPRO Industries, 50-51-60 Industrial Estate, Pologround, Indore. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
BHOPAL.

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, J. M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House Jal Sayung and Factory buildings Shed water tanks and other structures on plot No. 61, Industrial Estate Polo Ground, Indore situated at Indore and more fully described in the Schedule annexed hereto(s), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s Everest Cement Jali and Concrete Works, 61, Industrial Estate, Pologround, Indore through Smt. Kamlesh Kumari Goyal W/o Shri Gopaldas Goyal, 582, Baroda Bank Colony, Indore-4. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House Jal Sayung and Factory buildings, shed water tanks and other structures on plot No. 61, Industrial Estate, Polo Ground, Indore.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax Acquisition Range,  
Bhopal.

Date : 7-11-1974.

(Seal) :

## FORM ITNS

(2) M/s. E. Chandrasekharan,  
F. Mohadraj,  
E. Visvarajan and  
E. Vinayathan,  
D-47, Fair Lands,  
Salem-4

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1974

Ref. No. F.XVI/I(3)/62/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 19, situated at Omalur Road, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at JSR, Salem on March 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. C. Perjaveera Boyar.  
C. Rajaveeran,  
C. Kuppuswamy,  
C. Palaniswamy,  
C. Palaniswamy and  
C. Paramaslvam,  
Thammanna Chettiar Road,  
Arisipalayam, Salem.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning and given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3 share in 1.89 acre agricultural lands measuring about 0.63 acres in Salem Town Ward No. 1, Omalur Road, Southern Row, New Ward D, Block 19—T.S. No. 1.

K. V. RAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1,  
Madras-1

Date : The 5th November 1974

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Huseinabai Rassolbai Chamdawalla & Ors.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 31st October 1974

Ref. No. AR-I/729-6/Mar.74.—Whereas, I, S. S. Phadke, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 1025 of Byculla Division situated at Duncan Road now known as Maulana Azad Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registry, Bombay on 5-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Esufally, Ahmedally,

(Transferor)

(3) Tenants. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

ALL THAT piece or parcel of quit and ground rent tenure land or ground with the messuage tenement or dwelling house standing thereon and known as "TAHER BUILDING" situate lying and being at Duncan Road now known as Maulana Azad Road in the City of Bombay formerly in the Registration Sub-District of Bombay but now in the Registration Sub-district and District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 1256 square yards or thereabouts equivalent to 1050 square metres and registered in the books of the Collector of Land Revenue under Old Nos. 2840 and 3008 New No. 9823 Old Survey Nos. 2/2141 and 2/2140 and 4405 and New Survey No. 5678 and Cadastral Survey No. 1025 of Byculla Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under E-Ward No. 524 Street Nos. 236-242, Duncan Road, now known as Maulana Azad Road and 'E' Ward Nos. 525-532, Street Nos. 41-47 Stable Street and bounded as follows :— that is to say on or towards the East by Duncan Road now known as Maulana Azad Road on or towards the East by Stable Street on or towards the North partly by the property of Aminabai Mohamedally bearing C.S. No. 1026 and partly by the property of Hatimbhai Akberally Rajkotwalla bearing C.S. No. 1027 and on or towards the South by the property of Abdulhusein Kaderbhai bearing C.S. No. 1024.

S. S. PHADKE  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 31st October, 1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
Bhopal

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Double storeyed house situated at Nazarlimarg, Nijadpura, Ujjain situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 20-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Thakore Harisingh S/o Shri Thakur Madhavsinghji, 2. Smt. Bhagwati Bai Wd/o Thakur Mohansinghji, all R/o of Nijadpura, Ujjain. (Transferor)

- (2) Shri Anilkumar S/o Shri Asharmji Sabu, 2. Shri Prakashchand S/o Shri Asharam Sabu, all r/o Nijadpura, Ujjain.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Double storeyed house situated at Nazar-ali-marg Nijadpura, Ujjain.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Incometax, Acquisition Range,  
Bhopal.

Date : 7-11-74.

Seal :

**FORM ITNS—**

(2) Shri Mutyala Ramarao, Kakinada.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 1st November 1974

Ref. No. Acq. File No. 127.—Whereas, I, K. Subbarao being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-5-5 situated at Ramaraopeta, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 30-3-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely ::—

(1) Shri Bikkula Visweswarao Kakinada.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

East Godavari District—Kakinada Registration—Kakinada Municipality—Kakinada town—Door No. 11-5-5—Gopalakrishna Street—Ramaraopeta—Kakinada—1746 Sq. Yds.

**BOUNDRIES**

East : Sites of G. Sundaramma and partly Samineni Ranga Rao 28-2-9 Sq. Yds.

West : Road 29-1-0 Sq. Yds.

North : Site of Sri K. Krishnamurthy 56-1-10 Sq. Yds.

South : Site of K. Verraju 56-1-10 Sq. Yds.

**K. SUBBARAO**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 1-11-1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref No TR-1637/C-435/Cal 1/73-74.—Whereas, I S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 25A situated at Chandne Chawk Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registered Officer Registrar of Assurances, Govt Place North, Calcutta on 30.3.74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely—

- (1) Shri Samarendra Mohon Kundu Choudhury.  
(Transferor)
- (2) (1) Hazi Saikh Idris Ali  
(2) Saikh, Tatjhel Ali  
(3) Saikh Makail through father and guardian  
Saikh Unus Ali  
(4) Saikh Md Faruk through father and guardian  
Hazi Saikh Yaqub Ali.  
(Transferee)

- (3) (1) Hooghly Marine Engineering & Transport Service
- (2) A S S Jalal Ahmed & Co.
- (3) Abu Nasar Kundavi
- (4) Sk Soleman
- (5) Md Afsar Ali
- (6) Azizul Aktar
- (7) Sowkat Ali Middey
- (8) Sarfatullah
- (9) Yukub Mullick
- (10) Nozrul Islam

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided half share in two storied building at 25A, Chandne Chawk Street, Calcutta on land measuring 5 K-12 Ch—36 sq ft

S. K. CHAKRAVARTY,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square,  
Calcutta.

Dated 11-11-74  
Seal .

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
Bhopal.

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 21, Sikh Mohalla Main Road, Indore with its land—Three storied building Pucca Girder-Farshi construction situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 12-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narharirao Malharrao Holkar R/o Kashirao Dada Holkar Ginning Factory, Sanawad, M.P.  
(Transferor)
- (2) Shri Vitthaladas Maganlal Sheth, 21 Sikh Mohalla  
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 21, Sikh Mohalla Main Road, Indore with its land—Three storied building Pucca Girder Farshi construction.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax Acquisition Range,  
Bhopal.

Date : 7-11-1974.

Seal :

\*Strike off where not applicable.

**FORM ITNS —————**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA  
Calcutta-1, the 11th November 1974

Ref. No. TR-1692/C-474/Cal-1/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13 situated at Dr. Ishaque Road (Formerly Kyd Street, Calcutta) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, 5, Govt Place North, Calcutta on 5-3-1974, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sankar Lall Seal,  
53A, Bon Behary Bose Road,  
Howrah. (Transferor.)
- (2) Shri Anil Kumar Saksena  
1 & 2 Jackson Lane,  
Calcutta. (Transferee)

- (3) 1. Shri Balaram Rajak  
2. Shri R. K. Ovalani  
3. Shri B. P. Saksena  
4. Dr. N. Singh  
5. Shri C. F. Lobo  
6. Shri C. F. Ellis  
7. Shri Omprakash Ramchand Subhani  
8. Shri Jitendra Nath Mukherjee  
9. Shri B. R. Parasar  
10. Shri Mohit Ranjan Lahiri

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Undivided one third part or share in partly two and partly three storied building bearing premises No. 13, Dr. Ishaque Road (Formerly Kyd Street), Calcutta containing an area of land measuring 8 K-2 Ch-42 sft.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I,  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 11th November 1974  
Seal :

## FORM ITNS —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1.

Calcutta-1, the 11th November 1974

Ref. No. TR-1693/C-459/Cal-1/73-74.—Whereas, I. S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13 situated at Dr. Ishaque Road (Formerly Kyd Street) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 5-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jadu Lall Seal  
53A, Bon Behary Bose Road,  
Howrah.  
(Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar Saksena,  
1 & 2 Jackson Lane,  
Calcutta.  
(Transferee)
- (3) 1. Shri Baluram Rajak.  
2. Shri R. K. Ovalani  
3. Shri B. P. Saksena  
4. Dr. N. Singh  
5. Shri C. F. Lobo  
6. Shri C. F. Ellis  
7. Shri Omprakash Ramchand Subhani  
8. Shri Jitendra Nath Mukherjee  
9. Shri B. R. Parasar  
10. Shri Mohit Ranjan Lahiri

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is, hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided one third part or share in partly two and partly three storied building bearing premises No. 13, Dr. Ishaque Road (Formerly Kyd Street), Calcutta containing an area of land measuring 8 K-2 Ch-42 sft.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 11th November 1974

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Amita Rani Daw, 62A Joy Mitter Street, Calcutta.  
(Transferor)(2) M/s. Lands, Housing & Development Company,  
3, Mangoe Lane, Calcutta-1  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II,  
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 26th October 1974

Ref. No. Ac-65/R-II/Cal/74-75.—Whereas I R. L. Butani, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 57/2, situated at Diamond Harbour Road, P.S. Ekbalpore, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances Calcutta, on 17-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

27—366GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/5th share in land measuring 1-bigha, 1-chittack and 41-sq. ft. at No. 57/2, Diamond Harbour Road, P.S. Ekbalpore Calcutta.

**R. L. BUTANI**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square,  
Calcutta.

Date : 26-10-1974

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sm. Ajanta Rani Dutta, 146, Bangur Park, Rishra,  
Distt. Hooghly.  
(Transferor)

(2) M/s. Lands, Housing & Development Company  
3, Mango Lane Calcutta-1.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II, P-13, CHOWRINGHEE  
SQUARE, Calcutta-1

Calcutta-1, the 26th October 1974

Ref. No. Ac-66/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 57/2, situated at Diamond Harbour Road, P.S. Ekbalport, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances Calcutta on 7-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/5 share in land measuring 1-bigha 1-chittack and 41-sq. ft. at No. 57/2, Diamond Harbour Road P.S. Ekbalport, Calcutta.

R. L. BUTANI,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square,

Calcutta.

Date : 26-10-1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1974

No. Ac-66 R-II/Cui. 74-75.—Whereas I R. L. Butani, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and formed out of premises Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Road & portion of premises Nos. 9, 10 & 11, Alipore Park Place, situated at Alipore, Calcutta-27,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 28-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Kelvin Jute Company Ltd., 3, Netaji Subhas Road, Calcutta.  
(Transferor)

(2) Sri Bhawani Shankar Tijoriwala, Sri Ashok Kumar Tijoriwala, & Sri Suresh Kumar Tijoriwala, of 96, Diamond Harbour Road, Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land containing an area of 13-cottahs, 2 chittacks and 433-sq. ft. formed out of premises Nos. 2/3, 3, 5&6/1, Burdwan Road, and portion of premises Nos. 9, 10 & 11, Alipore Park Place, Alipore, Calcutta.

R. L. BUTANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax,  
Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 26-10-1974

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mohammed Ismail.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohammed Ghulam Rasul.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, P-13,  
CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. TR-1643/C-417/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. CHAKRAVARTY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26/1, situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 30-3-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/4th share of four storied and partly five storied brick built house together with land containing an area of 5 Cottahs 15 Chittacks and six s. ft. a little more or less at 26/1, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square,  
Calcutta

Dated : 11-11-74

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta, the 11th November 1974

No. AC-62/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Road and portions of 9, 10 & 11, Alipore Park Place situated at Alipore, Calcutta-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 28-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Kelvin Jute Company Ltd., 3, Netaji Subhas Rd., Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Rashmi Properties & Investments (P) Ltd., P-543, Lake Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land containing an area of 10-cottahs, 12-chittacks and 3-sq. ft. formed out of premises Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Road, and portion of 9, 10 & 11, Alipore Park Place, Calcutta-27.

R. L. BUTANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 26-10-1974

Seal :

**FORM ITNS**

(2) Smt. Sona Devi Chandak and Smt. Sunita Devi Chandak.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta, 8th November 1974

No. TR-1627/C-428/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55 situated at Ezra Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 28-3-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitates the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Shree Nursingsahay Mudongopal (Engineer's) Private Ltd.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Two portions of third floor of premises No. 55 Ezra Street Calcutta, containing an aggregate floor spaces (inclusive of the width of the internal walls) of 948 sft. and 99 sft aggregating 1047 sft. a little more or less jointly numbered as unit No. 55/3-C Ezra Street, Calcutta.

S. K. CHAKKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range I,  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date : 8-11-74

Seal .

## FORM I.T.N.S.—

(1) Kelvin Jute Company Ltd., 3, Netaji Subhas Rd.,  
Calcutta-1.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

(2) Sri Bishwanath Sarangi, 10/3, Alipore Park Place,  
Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1.

Calcutta-1, the 26th October 1974

No. Ac-58/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R L Butani, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Road and portions of 9, 10 & 11, Alipore Park Place situated at Alipore, Calcutta-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar of Assurances Calcutta on 30-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land containing an area of 8-cottahs, 14-chittacks and 41-sq. ft. formed out of premises Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Road and 9, 10 & 11, Alipore Park Place, Calcutta.

R. L BUTANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 26-10-1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.

Calcutta, the 8th November 1974

No. TR-1638/C-408/Cal-1/73-74.—Whereas, I. S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9 and 11/1 situated at Decres Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta, on 30-3-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s B. N. Elias & Co. Pvt. Ltd. 1 & 2, Old Court House Corner Calcutta-1.  
(Transferor)
- (2) M/s Arun Engineering Udyog Pvt. Ltd. 23A, Netaji Subhas Road, Calcutta.  
(Transferee)

- 9. Dacres Lane
  - 1. Mrs. C. Sriramuli (Prasad).
  - 2. Mr. D. S. Danyan.
  - 3. Magazine Distributors,
  - 4. Mr. Anil Bhattacharjee.
  - 5. Mr. M. S. Narayan.
  - 6. Sri Prakash Chand Sethia.
  - 7. Mr. Giribala Das.
  - 8. H. D. Khambatta.
  - 9. R. P. Gogia.
  - 10. R. N. Jacob.
  - 11. Mira Devi Sethia.
  - 12. Mahabir Chand Sethia.
  - 13. K. E. Vythinathan.
  - 14. K. P. Tibresal.
  - 15. H. V. Doshi.
  - 16. M. A. Borthwick.
  - 17. S. S. Himatsingka.
  - 18. U. C. Dave.
- 11/1, Dacres Lane
- 1. United Electric & Engineering Co.
  - 2. Golam Rasool.
  - 3. D. S. Danyan.
  - 4. Anil Bhattacharjee.
  - 5. Jayems Engg. Co.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that three storeyed brick built house including one storied House godown and out offices together with the land on part whereof the same is erected measuring 18K 12Ch & 5 sq. ft. being premises No. 9 and 11/1, Dacres Lane, Calcutta.

**S. K. CHAKRAVARTY,**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date : 8-11-74.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Kelvin Jute Company Ltd., 3, Netaji Subhas Road,  
Calcutta-1.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Calcutta, the 26th October 1974

(2) Prakash Estate (P) Ltd., 7, Kiran Shankar Roy Rd.,  
Calcutta-1.  
(Transferee)

[Person in occupation of the property]  
[Person whom the undersigned knows to be interested  
in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hear-  
ing the objections, if any, made in response to this  
notice against the acquisition of the immovable pro-  
perty will be fixed, and notice thereof shall be given  
to every person who has made such objection, and  
the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to  
whom notice is given under the preceding paragraph  
shall have a right to be heard at the hearing of the  
objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
transferor to pay tax under the Income-tax Act,  
1961 (43 of 1961) in respect of any income aris-  
ing from the transfer; and/or

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the  
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land measuring 18-cottahs, 5-chittacks and 16-sq. ft. form-  
ed out of premises Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Rd. and  
portion of premises Nos. 9, 10 & 11, Alipore Park Place,  
Alipore, Calcutta-27.

And whereas the reason for initiating proceedings  
for the acquisition of the aforesaid property in terms  
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of  
1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I  
hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the Income-tax  
Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—  
28—366GI/74

R. L. BUTANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 26-10-1974

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE-II,  
 156, SECTOR 9 B**

Calcutta, the 26th October 1974

No Ac-64/R-II/Cal/74 75.—Whereas, I R L Butani, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have No 22/1A situated at Mohan Chandra Road, P S Watgunge, Calcutta-23, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar of Assurances Cal on 12-3-1974 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian namely —

Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) Sri Kamal Kumar Ghosh 14, Hem Chandra Street, Kidderpore, Calcutta-23

(Transferor)

- (2) Smt Lakshmi Rani Das, W/o, Sri Bishwanath Das, of 2/1, Padmapukur Square, Calcutta-23 and Smt. Anita Das, W/o, Sri Badal Chandra Das, of 20, Hem Chandra St, Calcutta 23

(Transferee)

[Person in occupation of the property]  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Land measuring 4-cottahs 13-chittacks & 33-sq ft being Plot No 3 of the eastern portion of premises No 14, Hem Chandra St, now 22/1A, Mohan Chandra Road, P S Watgunge, Calcutta 23

R L BUTANI,

Competent Authority

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax

Acquisition Range II, P 13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date 26-10-1974

Seal

## FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF  
INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1974

Ref. No. TR-1658/C-448/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. CHAKRAVARTY, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/1 situated at Hungerford Street—Flat No. 5, Calcutta-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registering officer The Registrar of Assurances at No. 5 Government Place North, Calcutta, on 29-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Jitendranath Chatterjee 12/1, Hungerford Street, Calcutta-17.

(Transferor)

(2) Smt. Sujata Ghosh Dastidar 23C. Fern Road, Calcutta, 19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5, at 12/1, Hungerford Street, Calcutta-17.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square,  
Calcutta.

Date : 8-11-1974.

Seal :

## FORM LT N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,  
156, SECTOR 9 B

Calcutta, the 8th November 1974

No TR-1628/C-429/Cal-1/73 74—Whereas, I S K Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No 2, 2A ,2B, 2C & 2D situated at Camac Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 28-3-74, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Sri Sasanka Sekhar Bose 2C, Dover Row, Ballygunge, Calcutta  
(Transferor)
- (2) M/s Chandak Udyan 2, Camac Street, Calcutta  
(Transferee)  
[Person in occupation of the property]

## 2 Camac St

1. Mr C L Chandak
  2. Mr D M Aiora,
  3. Mr Lalit Kumar Jain
- 2A Camac St
1. Mr Alice Antony
  2. Mrs I. Wilson
  3. Mr K L Saraf
  4. Mr W Macdonald
  5. Mr C Murray
  6. Mr S Lal

## 2B Camac St

1. Society for the protection for the children in India
2. Mr Pran Sethi
3. Mr Champalal Jain

## 2C Camac St

1. Indian Institute of Journalism
2. Mr W G Haslam
3. Mr Markar
4. Rev D M Bantain

## 2 Camac St

1. Mr I S Abraham  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have at right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Partly two and partly three storied brick-built house on land measuring 2 Bighas 2 Cottahs 8 Chittacks and 28 sq ft at 2, 2A ,2B, 2C & 2D Camac Street, Calcutta

S K CHAKRAVARTY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income tax,  
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date 8-11-1974

Seal .

## FORM ITNS—

[Person in occupation of the property]  
 [Person whom the undersigned knows to be interested  
 in the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.

Calcutta, the 26th October 1974

No. Ac-63/R-II Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Road and portion of 9, 10 & 11, Alipore Park Place situated at Alipore, Calcutta-27. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of Assurances on 30-3-1974 for as apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Kelvin Jute Co. Ltd., 3, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.  
 (Transferor)
- (2) Sri Keshav Kumar Agarwal, Sri Parameshwar K. Agarwal, & Sri Rasmiranjan Agarwal, 23A, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6-cottahs, 13-chittacks and 33½-sq. ft. formed out of premises Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Road, and portion of 9, 10 & 11, Alipore Park Place, Calcutta-27.

R. L. BUTANI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, P-13, Chowinghee Square, Calcutta-1

Date : 26-10-1974

Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 14th December 1974

## CORRIGENDUM

No. F.8/2/74-E.I(B).—In Union Public Service Commission's Notice No. F.8/2/74-E.I(B) dated 18th May, 1974 relating to the National Defence Academy Examination, December 1974, published in the Gazette of India Part III, Section 1, dated 18th May, 1974, the following amendments shall be made :—

- (1) For the words and figure "on or after 1st June, 1973" in lines 6 and 7 of para 3 of Annexure I of the Notice the words and figure "on or after 1st June, 1963" shall be substituted.

- (2) For the words and figure "under paragraph of Annexure I" in line 3 of paragraph 6(ii) of Annexure II to the Notice, the words and figures "under paragraph 3 of Annexure I" shall be substituted.
- (3) For the words "tamped with" in line 2 of sub-para of para 8 of Annexure II to the Notice, the words "tamper with" shall be substituted.
- (4) For the words "APPLICATIONS UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION" in lines 2-3 of para 13 of Annexure II to the Notice, the words "APPLICATIONS SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION" shall be substituted.

N. B. MATHUR, Under Secy.  
Union Public Service Commission.